जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 111 प्रभात बीकानेर, गुरुवार 16 नवम्बर, 2023 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

## अदालती आदेश के बाद भी नियुक्ति नहीं

जयपुर, 15 नवंबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालती आदेश के बाद भी अभ्यर्थी को पीटीआई पद पर नियुक्ति नहीं देने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने शिक्षा सचिव और राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के सचिव को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। अदालत ने दोनों अधिकारियों से पूछा है कि क्यों ना उन्हें अदालती आदेश की अवमानना करने पर दंडित किया जाए। जस्टिस महेन्द्र

- राजस्थान हाई कोर्ट ने शिक्षा सचिव और राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के सचिव को अवमानना नोटिस जारी किया।

गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश नरेंद्र सिंह यादव की अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से आदेश की पालना के लिए समय मांगा गया। इस पर अदालत ने आदेश की पालना के लिए राज्य सरकार को 22 नवंबर तक का समय देते हुए संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# जनता ने तो मन बना लिया, नेताओं की महत्वाकांक्षा व जोड़-तोड़ की फितरत इसे स्वीकार नहीं कर पा रही

-विशेष प्रतिनिधि द्वारा-

जयपुर, 15 नवम्बर। महेश जोशी, पहली बार, जयपुर से एम.एल.ए. चुनाव जीतकर घर मिलने आये, अपनी जीत की खुशी शेयर करने। मैं अपने विस्मय को दबा नहीं पाया, महेश से पूछ ही बैठा, "भाई यह हुआ कैसे"?

"भाई साहब, मेरी पार्टी वाले (स्थापित नेता) मुझे हराने में लगे हुए थे, और भाजपा के नेतागण उनके पार्टी के प्रत्याशी, मेरे प्रतिद्वंदी की पराजय के प्रयास में जुटे थे। भाजपा वाले, ज्यादा संगठित थे, कांग्रेस के कार्यकर्ता सदा की भांति अव्यवस्थित (डिसऑर्गनाइज़्ड) अतः भाजपा वाले अपने प्रयास में सफल हुए, और मैं जीत गया।"

2023 के विधानसभा के चुनाव की भी स्थिति कुछ ऐसी ही है। जनता तो, भाजपा को 150-160 सीटों पर जिताना चाहती है, पर, दोनों स्थापित पार्टियों को शायद जनता का यह निर्णय गले नहीं उतर रहा, क्योंकि, ऐसे रिज़ल्ट में नेतागिरी का स्कोप कहां रह जाता है। रोज़-रोज़ के "करप्शन" ने, हर छोटे से छोटे काम के लिये पैसे मांगने व लेने के सरकारी सिस्टम ने, जनता का मनोबल तोड़ सा दिया था, और जनता ने इस सिस्टम में जीना सीख लिया था, पर, विधायक व सरकारी कर्मचारी की अकड़, व चोरी और ऊपर से सीना जोरी का कांटा, अन्दर तक चुभा था, जिसकी टीस व घाव गहरा था।

जनता विधायक का मुंह नहीं देखना चाहती थी, नया चेहरा चाहती थी, जिससे परिवर्तन की कम से कम कुछ आशा तो बने। पर, कांग्रेस के प्रभावी नेतागण, जनता को यह आशा भी नहीं देना चाहते थे। अधिकतर, वर्तमान विधायकों को "रिपीट" करने का निर्णय लिया गया, हालांकि, पार्टी के एक के बाद एक किये गये सर्वे लगातार वर्तमान विधायक के जीतने की संभावना नगण्य सी बता रहे थे। शायद, विधायक के भ्रष्टाचार को स्वीकार करने के अलावा, सरकार के पास कोई विकल्प था। क्योंकि, अगर विधायक "करप्ट" है, तो, "लॉजिकल इन्फरैंस" है, स्वाभाविक निष्कर्श है कि, सरकार "करप्ट" है और, ऐसा चेहरा लेकर सरकार, जनता के समक्ष चुनाव में कैसे जाती।

- जनता असल में परिवर्तन चाहती है। मौजूदा विधायक का मुंह तक नहीं देखना चाहती। जिस पार्टी ने जितने नए चेहरे मदान में उतारे हैं उसे फायदा होने की संभावना है।
- कांग्रेस में चर्चा थी, नए चेहरे उतारे जाएंगे, पर, प्रदेश में पार्टी के कर्ता-धर्ता जनता के मन को या तो पढ़ नहीं पाए या समझना ही नहीं चाहते और अधिकतर विधायकों को "रिपीट" कर दिया, जबकि पार्टी के सर्वे तक उन विधायकों की हार तय बता रहे थे।
- अब हालत यह है कि, चुनाव में भाजपा जीत के ज्यादा नज़दीक मानी जा रही है, भाजपा हाईकमान ने सिर्फ पार्टी के प्रति निष्ठा को ही आधार बना कर टिकट दिया, बड़े नेताओं, चाहे वे वसुंधरा राजे हो, गजेन्द्र सिंह हो या ओम बिड़ला, के निष्ठावानों को दरकिनार कर दिया।

बहरहाल, इन पुराने विधायकों में से लगभग 80-90 प्रतिशत के हारने की प्रबल संभावना है। पर, यह "रोग" केवल कांग्रेस विधायकों तक सीमित नहीं, लगभग तीस प्रतिशत भाजपा विधायक भी सरकार के नजदीक गिने जाते हैं, "काम" करवाने की दृष्टि से। इस दृष्टि से भाजपा को लाभ है, क्योंकि, उसको नुकसान कम होगा, पुराने विधायकों को "रिपीट" करने से।

पर जहां तक "इन्टरनल सैबोटाज" का सवाल है, वर्तमान चुनाव में यह बात भाजपा पर ज्यादा सटीक बैठती है, क्योंकि, वर्तमान मूड में भाजपा जीतने के ज्यादा नजदीक मानी जाती है, और मु.मंत्री पद के स्वप्रचारित कई उम्मीदवार हैं। इतना ही नहीं, कोई बड़ा भाजपा नेता, या नेताओं का समूह, मु.मंत्री की दौड़ में जो सशक्त माना जाता है, उसको उसकी "कॉन्स्टिटुएन्सी" में बांधे रखने और यहां तक कि हराने की अपनी तरफ से व्यवस्था की है। चाहे आमेर में सतीश पूनिया हों या तारा नगर में राजेन्द्र राठौड़, या किरोड़ी लाल मीणा, या अर्जुन मेघवाल।

अपुष्ट चर्चाओं के अनुसार, तारा नगर में नरेन्द्र बुढ़ानिया ने पिछले चुनाव में जो खर्चा किया था, उसका, दस गुना तो गत सप्ताह तक वर्तमान चुनाव में कर चुके हैं। उसे कौन "फायनैन्स" कर रहा है?

भाजपा हाईकमान केवल टिकट वितरण के बाद में जरुर अपनी निष्ठा बरकरार रखे हुए है, तथा कौन सा टिकट, क्यों और किस दवाब में, किस लिहाज में दिया, इसको भूल कर सभी उम्मीदवारों के साथ समान व्यवहार कर रहा है। टिकट वितरण में भी एक ही डण्डे से हांकते हुए किसी भी नेता को सीट बदलने का अधिकार नहीं दिया। तथा, जिस भी उम्मीदवार पर यह छाप दिखी कि, वह फलाने नेता के कोटे में है, उसे टिकट नहीं दिया गया। चाहे वसुंधरा खेमे के परनामी हों या गजेन्द्र सिंह के नजदीकी जोधपुर में या ओम बिड़ला के नजदीगी बूंदी से।

बड़ी खूबी से वसुंधरा राजे के पुराने, पक्के समर्थक परनामी, यूनुस खान, राजपाल सिंह का टिकट काटा, तथा

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## राहुल एक दिन के दौरे पर आज राजस्थान में

तारानगर, 15 नवम्बर (निसं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद राहुल गाँधी आज 16 नवम्बर को तारानगर में आयेंगे। कांग्रेस के स्थानीय प्रवक्ता लीलाधर जोशी बांय ने यह जानकारी देते हुए बताया कि "हमारे नेता राहुल गाँधी दोपहर 12 बजे हैलिकॉप्टर से बालाजी पक्का जोहड़ स्थित मैदान

- राहुल गांधी तारा नगर (चूरु), नोहर (हनुमानगढ़) और सादुल शहर (श्री गंगानगर) में चुनावी जन सभाएं करेंगे और शाम 6 बजे बाद दिल्ली लौट जाएंगे।

पहुंचेंगे जहां पर कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित विशाल आम सभा को सम्बोधित करेंगे। इस अवसर पर उनके साथ राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# प्र.मंत्री ने कहा, "राहुल मूर्खों के सरदार", कांग्रेस के दो मुख्यमंत्रियों ने दिया जवाब

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विपक्ष के नेता राहुल गांधी को "मूर्खों का सरदार" कहने के बाद भाजपा और कांग्रेस के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है। कांग्रेस का कहना है कि ऐसी टिप्पणियों से जनतंत्र के कार्यपालक प्रमुख के कार्यालय का मान पूरी दुनिया की आंखों में गिरता है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मूर्खों का सरदार कहने पर प्रधानमंत्री मोदी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि प्रधानमंत्री ऐसी बात कहते हैं क्योंकि वे प्रतिष्ठापूर्ण पद पर हैं।

जयपुर में एक कार्यक्रम के अवसर पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए गहलोत ने कहा, "यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। प्रधानमंत्री का पद प्रतिष्ठापूर्ण है। यदि कोई व्यक्ति प्रतिष्ठित पद पर होकर ऐसी बातें करता है तो उससे क्या उम्मीद की जा सकती है।"

मंगलवार को मध्य प्रदेश के बैतुल में एक चुनावी सभा में राहुल गांधी का नाम लिए बिना प्रधानमंत्री ने उनकी खिल्ली उड़ाते हुए मूर्खों का सरदार कहा, जब राहुल ने भारत में चीन के बने मोबाइल फोन के वर्चस्व की बात कही।

इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया व्यक्त

- छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि, प्रधानमंत्री मोदी का ईगो इतना बढ़ गया है कि, वे जनता को गाली देने लगे हैं। उन्होंने हमारे नेता को गाली दी है।
- असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जवाब दिया कि, राहुल अगर जनता हैं तो यह जनता किसी और ग्रह की ही है। भारत की जनता राहुल के साथ नहीं है।
- राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि, यह दुर्भाग्य पूर्ण है कि, इतने गरिमा पूर्ण पद पर होने के बाद भी वो इस तरह की बाते करते हैं।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## कार बेच कर नाम ट्रांसफर नहीं कराना बैंक को महंगा पड़ा

जयपुर, 15 नवंबर (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, क्रम-द्वितीय ने लोन की किश्त नहीं चुकाने के चलते जब्त की गई कार को सार्वजनिक नीलामी में बेचने के बाद नए खरीदार के नाम पर ट्रांसफर नहीं कराने और फास्ट टैग को नहीं हटाने को सेवा दोष करार दिया है। इसके साथ ही आयोग ने आईडीएफसी

- जिला उपभोक्ता न्यायालय ने आई. डी. एफ.सी. बैंक पर 3.61 लाख रू. का हर्जाना लगाया है। बैंक ने किश्तें नहीं चुकाने पर जब्त कार बेच दी, पर, नाम ट्रांसफर नहीं कराया और फास्ट टैग भी नहीं हटाया। अदालत ने इसे सेवा दोष माना है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# तेलंगाना में भी कांग्रेस नेताओं में मुख्यमंत्री पद की रेस शुरु हुई

### तमाम ओपीनियन पोल्स में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी के कारण मुख्यमंत्री पद के दावेदारों की संख्या बढ़ती जा रही है, हालांकि कांग्रेस ने कोई नाम घोषित नहीं किया

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के मतदान में अभी एक पखवाड़ा शेष है, लेकिन राज्य के कांग्रेस नेताओं ने मुख्यमंत्री पद के लिए होड़ शुरु हो गई है।

चुनावी माहौल कांग्रेस के पक्ष में होने को लेकर चर्चाओं का बाज़ार गर्म है क्योंकि कई सर्वे ये बता रहे हैं कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बनाने जा रही है और इसके साथ ही सत्ता को लेकर एक सुपरिचित जद्दोजहद शुरु हो चुकी है।

इस संदर्भ में, कांग्रेस के सीनियर नेता एवं लोकसभा सांसद कोमाटी रेड्डी वैंकट रेड्डी की टिप्पणियों ने पार्टी को परेशानी में डाल दिया है और पार्टी के कई नेता उनके इन दावों के कारण उनसे दूरी बना रहे हैं कि कांग्रेस यदि राज्य में

- नालगोण्डा के सांसद के.आर. वेंकट रेड्डी ने तो यहाँ तक दावा कर दिया कि, कांग्रेस चुनाव जीती तो सोनिया गांधी उन्हें ही मुख्यमंत्री बनाएंगी।
- मुख्यमंत्री पद के सबसे सशक्त दावेदार प्रदेश अध्यक्ष रेवंत रेड्डी माने जा रहे हैं, जो ढाई साल से संघर्ष कर रहे हैं। उन्हीं के प्रयास से भाजपा को हटाकर आज कांग्रेस पार्टी सत्तारूढ़ पार्टी बी.आर.एस. को चुनौती देने वाली प्रमुख पार्टी बन गई है।
- मुख्यमंत्री पद के अन्य दावेदार हैं, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष उत्तम रेड्डी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष मधु याशी गौड़।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

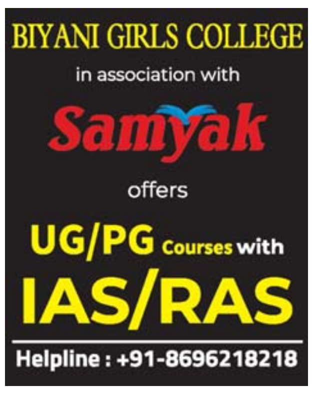

# पायलट के गढ़ अजमेर में मुख्यमंत्री गहलोत नहीं दिखा सके दम, रोड शो बना फ्लॉप शो

### भीड़ नहीं जुटने से नाराज़ मुख्यमंत्री आधे रास्ते में रोड शो खत्म कर सीधे सभा स्थल पहुंचे

अजमेर, 15 नवम्बर (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को अजमेर उत्तर और दक्षिण विधानसभा क्षेत्रों में गारंटी यात्रा के तहत रोड शो किया। मुख्यमंत्री अपने इस रोड शो से अजमेर की जनता का मूड जानना चाह रहे थे और साथ ही सचिन पायलट के गढ़ में अपनी लोकप्रियता दिखाना चाह रहे थे लेकिन अशोक गहलोत को अजमेर में ना तो आमजन का साथ मिला ना ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं का।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को गांधी भवन पर महात्मा गांधी को नमन करते हुए गारंटी यात्रा के दूसरे चरण का आगाज किया। यह यात्रा गांधी भवन से होते हुए मदार गेट, रेलवे स्टेशन, पड़ाव, केसरगंज, मार्टिंडल ब्रिज, अलवर गेट होते हुए नगरे पर एक जनसभा के रूप में समाप्त हुई।

- सभा स्थल पर भी कार्यकर्ता नाम मात्र के नज़र आए। मुख्यमंत्री भाषण की औपचारिकता पूरी कर लौट गए।
- मुख्यमंत्री ने गांरटी यात्रा अभियान के तहत अजमेर उत्तर व अजमेर दक्षिण में रोड शो किया था, वे पायलट के गढ़ में अपनी लोकप्रियता दिखाना चाहते थे।
- लेकिन क्षेत्र की जनता और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री के रोड शो को पूरी तरह से नकार दिया।
- रोड शो में सचिन पायलट के आने की बात थी, पर, पायलट मध्य प्रदेश के चुनावी दौरे पर होने की वजह से नहीं आए तो जनता ने भी कोई उत्साह नहीं दिखाया।

पिछले कई दिनों से कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी इस यात्रा की तैयारियों में जोर-शोर से जुटे हुए थे। दावा किया जा रहा था कि यात्रा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राजस्थान में कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट मौजूद रहेगे। सचिन पायलट और अशोक गहलोत के एक साथ आने की चर्चा मात्र से ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर थी, लेकिन मध्यप्रदेश में चुनावी यात्रा में व्यस्त होने के कारण पायलट अजमेर नहीं पहुंचे जिससे कांग्रेस कार्यकर्ताओं मे निराशा साफ देखी जा सकती थी।

अजमेर में पिछले बीस साल से लगातार हार रही कांग्रेस को अजमेर

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

*पायलट के गढ अजमेर में मु.मंत्री गहलोत का रोड शो बुरी तरह फ्लॉप हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक गारंटी यात्रा के तहत हुए रोड शो को न केवल जनता ने नकार दिया बल्कि कांग्रेस कार्यकर्ता भी गिनती के ही पहुंचे। कांग्रेस की इस यात्रा को लेकर पिछले कई दिनों से तैयारियां की जा रही थीं, दावा यह था कि, इस यात्रा में मल्लिकार्जुन खड़गे भी आयेंगे और पायलट भी। मध्यप्रदेश के चुनाव कार्यक्रम में व्यस्त होने के कारण पायलट नहीं आ पाए तो स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी उत्साह नहीं दिखाया।*

## विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

# मैक्सवेल ने दिखाया, कुछ भी नामुमकिन नहीं है

बचपन में पढ़ा था कि नेपोलियन के शब्दकोष में 'इंपॉसिबल' नाम का कोई शब्द नहीं है। बाद में यह भी बताया गया कि 'इंपॉसिबल' का अर्थ 'आई एम पॉसिबल' भी हो सकता है। इस बारे में जब कभी बात चलती है तो सामान्यतया यही सुना जाता है 'यह तो हमसे नहीं हो पाएगा' या 'यह तो संभव ही नहीं है' और लोग प्रयास तक करना छोड़ देते हैं।

इतिहास ने कई बार सिद्ध किया है कि कुछ भी असंभव नहीं है। मानव क्षमता असीमित है और जितना प्रयास करते हैं, वह उतनी और बढ़ जाती है। ऐसे उदाहरण कई बार देखने को मिले हैं, जहां बिल्कुल अप्रत्याशित रूप से लोग घोर संकट से निकलकर, शिखर तक पहुंचे हैं। आजकल जब इस प्रकार की बात की जाती है, विशेष कर भारत के युवाओं के साथ, तो अपनी अकर्मण्यता का सबसे बड़ा बहाना यह बताया जाता है कि क्या करें यह हमारे लिए संभव ही नहीं है। इसी मनोवृत्ति के कारण देश के युवा अपना शत प्रतिशत प्रयास भी नहीं करते।

इस मनोवृत्ति के ठीक विपरीत, हाल ही में अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के विश्व कप क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल ने सिद्ध कर दिखाया है कि कुछ भी नामुमकिन नहीं है। ऑस्ट्रेलिया की टीम पांच बार विश्व कप विजेता रही है और अफगानिस्तान की टीम इस विश्व कप में सबसे कमजोर टीमों में से एक थी। अफगानिस्तान ने अपने जुझारूपन, टीम भावना और अपने मनोबल के आधार पर तीन पूर्व विश्व विजेताओं श्रीलंका, इंग्लैंड और पाकिस्तान को मात देकर सबको आश्चर्यचकित कर दिया था। ऐसा लगने लगा था कि वह इस बार विश्व कप के सेमीफाइनल में स्थान पा लेगी। उनके 2 मैच ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के विरुद्ध शेष थे। यदि वह यह दोनों मैच जीत लेते तो उनका सेमीफाइनल में प्रवेश निश्चित था। जब ऑस्ट्रेलिया के साथ मैच प्रारंभ हुआ तो सब यही मानकर चल रहे थे कि ऑस्ट्रेलिया के पास, जिस प्रकार के दिग्गज खिलाड़ी हैं, वह बड़ी आसानी से अफगानिस्तान को हरा देगा । ऐसा प्रारंभ में लगा भी, जब अफगानिस्तान ने अविश्वसनीय बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 291 रन बना लिए। इसमें इब्राहीम ज़रदान का एक अविजित शतक भी शामिल था। तब भी यह लगा था कि ऑस्ट्रेलिया, क्योंकि पांच बार विश्व चैंपियन टीम रही है, उसके लिए इस स्कोर से अधिक रन बनाना असंभव कार्य नहीं था और ऐसा लगता था कि वह इस स्कोर को आसानी से पार कर सकते हैं। जब ऑस्ट्रेलिया की पारी की शुरुआत हुई तो उन्होंने एक के बाद एक सभी महारथी विशेषज्ञ बल्लेबाजों को लगातार खोना प्रारंभ कर दिया और एक समय ऐसा आया जब ऑस्ट्रेलिया के सात प्रमुख बल्लेबाज कुल 91 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट चुके थे। इनमें वार्नर, मार्श, स्टोनियस शामिल थे। मैक्सवेल उस समय खेल रहा था और उसे भी 30 के स्कोर पर जीवनदान मिल चुका था। यहां यह उल्लेखनीय है कि मैक्सवेल हाल ही में भयंकर मानसिक अवसाद के दौर से गुजरा है और कुछ दिनों उनका प्रदर्शन खराब रहा था। ऐसा लगा कि अब तो यह मैच अफगानिस्तान की झोली में आ ही गया है। अफगानिस्तान के समर्थक और खिलाड़ियों ने इस अप्रत्याशित जीत का जश्न, मैदान के अंदर और बाहर मनाना प्रारंभ कर दिया । यहीं से मैक्सवेल ने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान कमिंस के साथ ऑस्ट्रेलिया की पारी को संवारने और संभालने का काम प्रारंभ किया। कमिंस एक गेंदबाज है एवं उनसे बल्लेबाजी की अपेक्षा नहीं थी। इसके बाद जिस प्रकार के खेल का प्रदर्शन मैक्सवेल ने किया, क्रिकेट के इतिहास में कभी नहीं देखा गया। उसकी अद्भुत पारी ने इसे एक दिवसीय क्रिकेट के इतिहास का सर्वश्रेष्ठ मैच बना दिया। जिस पिच पर ऑस्ट्रेलिया के 7 दिग्गज बल्लेबाज 91 रन पर आउट हो गए हों, उसी पर मैक्सवेल ने लगातार चौकों और छक्कों की बारिश करते हुए 157 की स्ट्राइक रेट से अविजित 201 रन बनाए और आठवें विकेट के लिए 200 रन की अविजित साझेदारी की। मैक्सवेल ने यह रन बनाने में 21 चौके और 10 छक्के लगाए। यह दोनों ही विश्व कप के क्रिकेट इतिहास के लिए एक रिकॉर्ड बन गए। रिकॉर्ड तो वैसे भी विश्व कप में बनते रहे हैं किंतु मैक्सवेल की पारी और उससे मिली सीख का उल्लेख करना उपयुक्त होगा।

मानसिक एवं शारीरिक रूप से अस्वस्थ होने के बाद भी मैक्सवेल ने जिस प्रकार हिम्मत नहीं हारी और लगातार मैदान पर डटा रहा, वह एक यादगार पारी बन गई। वास्तव में यह बात सिद्ध हुई है कि असंभव कुछ भी नहीं है। यदि मैक्सवेल हार मान कर बैठ जाता तो ऑस्ट्रेलिया की पारी कभी की समाप्त हो जाती और वह मैच हार जाता । उसने न केवल स्वयं पर विश्वास रखा अपितु विपरीत शारीरिक और मानसिक परिस्थितियों के बावजूद, अपनी संकल्प शक्ति को बनाए रखा और अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ता रहा। जिन करोड़ों लोगों ने यह मैच देखा उनमें से शायद ही किसी ने सोचा होगा कि अफगानिस्तान यह मैच हार जाएगा और ऑस्ट्रेलिया इसमें तीन ओवर शेष रहते हुए यह मैच जीत लेगा। यह जीत इसलिए अधिक महत्वपूर्ण है कि मैक्सवेल ने अकेले अपने बलबूते पर ही यह मैच, ऑस्ट्रेलिया के लिए जीता।

कहा जाता है कि एक अकेला व्यक्ति क्या कर लेगा? मैक्सवेल ने दिखा दिया कि यदि एक व्यक्ति भी ठान ले तो, वह स्थितियों को काबू में करके उन्हें अपने पक्ष में ढाल सकता है। इसके पीछे सोच यही है कि आप यदि प्रयास ही नहीं करेंगे तो वैसे ही कुछ नहीं होना है, किंतु यदि पूरा प्रयास करें, तो संभावना है कि आप अपने लक्ष्य की ओर एक कदम आगे बढ़ा सकें।

**कहा जाता है कि एक अकेला व्यक्ति क्या कर लेगा? मैक्सवेल ने दिखा दिया कि यदि एक व्यक्ति भी ठान ले तो, वह स्थितियों को काबू में करके उन्हें अपने पक्ष में ढाल सकता है। इसके पीछे सोच यही है कि आप यदि प्रयास ही नहीं करेंगे तो वैसे ही कुछ नहीं होना है, किंतु यदि पूरा प्रयास करें, तो संभावना है कि आप अपने लक्ष्य की ओर एक कदम आगे बढ़ा सकें।**

मैक्सवेल की इस पारी से एक बात यह भी सिद्ध होती है कि सही दिशा में कार्य करने पर, एक व्यक्ति का प्रयास भी महत्वपूर्ण होता है। एक ही व्यक्ति स्थिति को बदलने में सक्षम हो सकता है। आसाराम को बलात्कार के आरोप में सजा दिलाने के लिए सारी विपरीत परिस्थितियों और अत्यधिक दबाव के बावजूद जोधपुर के एक वकील श्री सोलंकी ने अपने कानूनी ज्ञान और नैतिक मनोबल के आधार पर प्रयास जारी रखा । अंततः आसाराम को न केवल बलात्कार का दोषी पाए जाने पर सजा हुई अपितु अब तक उसकी जमानत भी संभव नहीं हो पाई है। इस पर एक अच्छी फिल्मी 'एक ही बंदा काफी है' बनी, जो प्रभावशाली थी। मैक्सवेल ने सिद्ध किया कि मैच जीतने के लिए भी एक ही बंदा काफी है। एक ही बंदा, नामुमकिन को मुमकिन बना सकता है। बस, आवश्यकता है इच्छा शक्ति की, मनोबल ऊंचा बनाए रखने की और विपरीत परिस्थितियों में हार नहीं मानने की।

कई और बातें भी अफगानिस्तान-ऑस्ट्रेलिया के इस मैच से सामने आती हैं और एक प्रकार की सीख हमें देती हैं । एक तो यह कि किसी भी विरोधी या शत्रु को कभी कमजोर नहीं समझना चाहिए। पहले ऑस्ट्रेलिया ने यह गलती की और वे हार के कगार तक पहुंच गए। अफगानिस्तान के 291 रन के जवाब में अपने सात विकेट 91 रन पर ही गवा दिए । सीख यही है कि कभी भी अपने विरोधी को कमजोर मत समझिए। पता नहीं कब उसे मौका मिले और वह वार कर दे। कहा भी गया है कि '100 सुनार की, एक लोहार की'।

दूसरी सीख है, कभी भी लक्ष्य प्राप्त होने तक अपने प्रयासों को कम नहीं करना चाहिए। जब अफगानिस्तान ने 91 रन पर ऑस्ट्रेलिया के सात खिलाड़ी आउट कर दिए तो वह यह मान बैठे कि उनकी जीत हो गई है । इसका संकेत दर्शक दीर्घा में अफ़गानियों द्वारा किए जा रहे डांस से मिल रहा था। मैदान पर भी अफगानिस्तान के खिलाड़ियों के अति आत्मविश्वास से यह स्पष्ट हो रहा था। जैसे-जैसे समय बीतता गया, बाज़ी उनके हाथ से निकलती गई और अंततः वे मैच ही हार बैठे। सीख यह कि, किनारे पर पहुंचने के बाद ही चैन की सांस लेनी चाहिए, बीच में नहीं। कई बार देखा है कि लंबी दौड़ में जो खिलाड़ी कई बार पीछे होता है वह अंतिम चरण में फर्राटा मार कर दूसरे को पीछे छोड़ते हुए विजय प्राप्त कर लेता है। लक्ष्य पूरा हुए बगैर हमें निश्चिंत नहीं होना है और अपना प्रयास पूरे जोर से जारी रखना है। क्रिकेट के बारे में तो वैसे भी कहा गया है कि जब तक अंतिम गेंद नहीं डाल दी जाय, तब तक खेल समाप्त नहीं होता है। इस मैच ने इसे बहुत अच्छी तरह से सिद्ध किया है।

दो प्रकार के व्यक्ति होते हैं । एक वे, जो विपरीत परिस्थितियों में शीघ्र ही हार मान कर हथियार डाल देते हैं और दूसरे वे, जो संकट के समय पूरे आत्मविश्वास के साथ अपना प्रयास दुगुनी मेहनत से जारी रखते हैं। मैक्सवेल इसी प्रकार का खिलाड़ी रहा जो स्वयं चोटिल होकर दर्द से मैदान पर लेट गया था। वह उसके बावजूद उठ खड़ा हुआ और दौड़ नहीं पाने के कारण एक स्थान पर खड़े-खड़े ही शॉट मारता रहा । मानसिक अवसाद के लंबे दौर से गुजरने के बाद तथा ऑस्ट्रेलिया की टीम के संकट में होने और खुद की चोट के बावजूद उसने अपना धैर्य नहीं छोड़ा, कष्ट की परवाह नहीं की और ऑस्ट्रेलिया को लक्ष्य तक पहुंचा कर ही दम लिया। इस पारी में जिस प्रकार अविजित दोहरा शतक बनाया, वह क्रिकेट के इतिहास में सुनहले अक्षरों में दर्ज हो चुका है। यह रिकॉर्ड टूटना सरल नहीं होगा। जिन करोड़ों दर्शकों ने अफगानिस्तान-ऑस्ट्रेलिया का यह क्रिकेट मैच टी वी पर देखा, वे इसे लंबे समय तक नहीं भूल पाएंगे। यदि इस मैच के आधार पर जो सीख जीवन के लिए मिलती है उसे हम ध्यान में रख सकें, तो हम अपने लक्ष्य की ओर अधिक तेजी से बढ़ सकेंगे, चाहे वह देश हो, समाज हो, परिवार हो, या व्यक्ति।

हमें यह परवाह नहीं करनी है कि दूसरे लोग क्या कर रहे हैं और क्यों नहीं कर रहे हैं? यह सिद्धांत भ्रष्टाचार की समाप्ति पर भी लागू होता है। कई बार अधिकारियों को यह कहते हुए सुना जाता है कि हमारे अकेले के करने से क्या होगा जब सब भ्रष्ट हैं? इसके प्रति उत्तर में यही कहा जा सकता है कि आप नहीं करेंगे तो वैसे भी कुछ नहीं होगा, किंतु यदि आप अपना प्रयास करेंगे तो संभावना बनती है कि कुछ हो जाए। वरना तो वही स्थिति होगी, जब राजा ने नागरिकों से एक-एक लोटा दूध डालने को कहा और सब यही सोच बैठे कि दूसरे तो दूध डालेंगे ही मैं एक लोटा पानी डाल दूं तो क्या फर्क पड़ेगा? परिणाम यह हुआ कि पूरा तालाब केवल पानी से ही भर गया और किसी ने दूध का एक लोटा तक नहीं डाला । अर्थ स्पष्ट है कि कोई भी प्रयास छोटा नहीं होता और कोई भी प्रयास कम नहीं होता। आवश्यकता इसी बात की है कि हम दूसरों द्वारा शुरुआत करने की प्रतीक्षा किए बिना पहला कदम अपने स्तर पर उठा लें। मैक्सवेल ने इसकी कतई परवाह नहीं की कि दूसरे खिलाड़ियों ने क्या किया और किस प्रकार से आउट हो गए? उसने केवल यह सोचा कि उसे टिककर खेलना है और ऑस्ट्रेलिया को जिताना है। बस यही इच्छा शक्ति इस मैच में जीत के लिए जिम्मेदार है।

हमें धन्यवाद दोनों टीमों अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया को देना होगा, जिन्होंने इस खेल के माध्यम से न केवल करोड़ों दर्शकों का मनोरंजन किया बल्कि क्रिकेट को भी अधिक समृद्ध बनाया । अफगानिस्तान जो कि विभिन्न प्रकार की विपरीत परिस्थितियों से गुजर रहा है और क्रिकेट में इसकी कोई पहचान नहीं थी, उसने तीन पुराने विश्व कप चैंपियन को हराकर, विश्व स्तरीय क्रिकेट में धमाकेदार तरीके से प्रवेश किया है । आशा है, भविष्य में हम अफगानिस्तान को और श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए देख पाएंगे।

आज तो हम यही कह सकते हैं, 'सलाम, ग्लेन मैक्सवेल'! आपने सबको यह दिखा दिया कि नामुमकिन को मुमकिन कैसे बनाया जाता है।

**–अतिथि सम्पादक,**
**राजेन्द्र भाणावत**
**( पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी )**

# ''विकसित भारत संकल्प यात्रा'' को प्रधानमंत्री मोदी ने रवाना किया

झारखंड के खूंटी जिले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाई।

**■ आईईसी वैनों को देश की बड़ी जनजातीय आबादी वाले दूरस्थ इलाकों से रवाना किया गया**

**नई दिल्ली।** जनजातीय नायक बिरसा मुंडा की जयंती के दिन जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के खूंटी जिले से विकसित भारत संकल्प यात्रा को हरी झंडी दिखाई। सरकार के प्रमुख कल्याणकारी कार्यक्रमों के संदेश प्रचारित करने वाली 5 विशेष रूप से डिजाइन की गई आईईसी (सूचना, शिक्षा और संचार) वैन खूंटी जिले और आसपास के क्षेत्रों में स्थित बड़ी आदिवासी आबादी वाली विभिन्न ग्राम पंचायतों से रवाना की गई। इसी तरह की आईईसी वैनों को देश भर के बड़ी आदिवासी आबादी वाले 68 जिलों से राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों, राज्य मंत्रियों जैसे महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जम्मू-कश्मीर में इस संकल्प यात्रा को क्रमशः राजौरी और बांदीपोरा जिलों के बुद्धल और गुरेज इलाकों से रवाना किया गया। समुद्र तल से 8,000 फीट की ऊंचाई पर सर्द हवाओं के बीच स्थानीय लोग, युवा, पंचायत राज संस्थान और सरकारी अधिकारी इस शुभारंभ समारोह में शामिल हुए। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल के टी पटनायक (सेवानिवृत्त) ने निचला सुबनसिरी जिले के जाइरो में आईईसी वैनों को हरी झंडी दिखाई। इस औपचारिक शुभारंभ समारोह में पीएम स्वनिधि, पीएम आवास योजना के लाभार्थियों ने भाग लिया। ये आईईसी वैन निचला सुबनसिरी, तवांग और पूर्वी कामेंग जिलों में यात्रा करेंगी और जमीनी स्तर पर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जन जागरूकता फैलाएंगी। नागालैंड में यह अभियान दीमापुर जिले के इंडिसेन गांव में शुरू किया गया था। निकटवर्ती असम में बक्सा, कोकराझार और कार्बी आंगलोंग में विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की गई।

महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैंस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे आदिवासी जिले नंदुरबार में इस शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री पुरूषोत्तम रूपाला ने गुजरात के दाहोद में कार्यक्रम में भाग लिया, जबकि राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने अंबाजी में वैनों को हरी झंडी दिखाई। केंद्रीय मंत्री बिश्वेश्वर टुडू ने ओडिशा के मयूरभंज जिले से विकसित भारत अभियान वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आंध्र प्रदेश में इस यात्रा को राज्यपाल एस अब्दुल नज़ीर ने अल्लूरी सीताराम राजू जिले से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तमिलनाडु में सूचना और प्रसारण, पशुपालन और मत्स्य पालन राज्य मंत्री डॉ. एल मुरुगन ने नीलगिरि जिले में यह अभियान शुरू किया। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने पलक्कड़ जिले के अट्टापडी में अभियान शुरू किया। यह अभियान केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप के करावत्ती द्वीप पर भी आरंभ किया गया।

**कवर किए जाने वाले विषय** :-इस यात्रा में मुख्य ध्यान लोगों से संपर्क करने, उनमें जागरूकता पैदा करने और उन्हें स्वच्छता सुविधाएं, आवश्यक वित्तीय सेवाएं, बिजली कनेक्शन, एलपीजी सिलेंडर को सुलभ कराने, गरीबों के लिए आवास, खाद्य सुरक्षा, उपयुक्त पोषण, विश्वसनीय स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छ पेयजल इत्यादि जैसी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान करने पर होगा। विकसित भारत अभियान, जोकि अब तक की सबसे बड़ी संपर्क (आउटरीच) पहलों में से एक है, का लक्ष्य अंततः 25 जनवरी 2024 तक देश के हर जिले से गुजरते हुए2.55 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों और 3,600 से अधिक शहरी स्थानीय निकायों को कवर करना है।

# विश्वविद्यालय के कुलपतियों के प्रकार

प्रो. अशोक कुमार

**कुलपति** एक विश्वविद्यालय का प्रमुख होता है। कुलपति का पद एक महत्वपूर्ण पद है। वह विश्वविद्यालय के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विश्वविद्यालय शिक्षा का केंद्र होता है। इसलिए, कुलपति का मुख्य कार्य शिक्षा को बढ़ावा देना होता है। कुलपति विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार करने, विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए एक अनुकूल शैक्षिणक वातावरण बनाने और विश्वविद्यालय को एक प्रतिष्ठित संस्थान बनाने के लिए काम करता है।

**कुलपति के इन दायित्वों को पूरा करने के लिए, उसे निम्नलिखित कौशल और योग्यताएं होनी चाहिए:-**

**नेतृत्वः** कुलपति को एक प्रभावी नेता होना चाहिए। उसे विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, छात्रों और शिक्षकों का नेतृत्व करने में सक्षम होना चाहिए।

**प्रशासनः** कुलपति को एक कुशल प्रशासक भी होना चाहिए। कुलपति को विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों को सुचारू रूप से चलाने में सक्षम होना चाहिए। कुलपति को विश्वविद्यालय के संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग करने में भी सक्षम होना चाहिए।

**प्रबंधनः** कुलपति को एक कुशल प्रबंधक होना चाहिए। उसे विश्वविद्यालय के संसाधनों का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने में सक्षम होना चाहिए।

**नीति-निर्माणः** कुलपति को एक दूरदर्शी नीति निर्माता होना चाहिए। उसे विश्वविद्यालय के भविष्य के लिए प्रभावी नीतियों का निर्माण करने में सक्षम होना चाहिए।

**शैक्षणिक मामलोंः** कुलपति को एक अनुभवी शैक्षिणक नेता होना चाहिए। उसे विश्वविद्यालय के शैक्षिणक मानकों को बनाए रखने में सक्षम होना चाहिए।

**सामाजिक दायित्वः** कुलपति को एक जिम्मेदार नागरिक होना चाहिए। उसे विश्वविद्यालय के सामाजिक दायित्वों को पूरा करने में सक्षम होना चाहिए।

भारत में विश्वविद्यालयों में कुलपति की कार्यशैली कुलपति की नियुक्ति के आधार पर निर्भर करती है।

**कुलपति मुख्य रूप से पाँच प्रकार के होते हैं:-**

**प्रशासकीय कुलपतिः** ये कुलपति विश्वविद्यालय के प्रशासनिक मामलों पर अधिक ध्यान देते हैं। वे विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और संकायों के बीच समन्वय बनाए रखने और विश्वविद्यालय की दैनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

**शैक्षिणक कुलपतिः** ये कुलपति विश्वविद्यालय के शैक्षिणक मामलों पर अधिक ध्यान देते हैं। वे विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार करने और विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों के लिए एक अनुकूल शैक्षिणक वातावरण बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

**सामाजिक कुलपतिः** ये कुलपति विश्वविद्यालय के सामाजिक दायित्वों को पूरा करने पर अधिक ध्यान देते हैं। वे विश्वविद्यालय के आसपास के समुदाय के साथ संबंध बनाने और विश्वविद्यालय के छात्रों को सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

**राजनीतिक कुलपतिः** राजनीतिक कुलपतियों की कार्यशैली विश्वविद्यालय के लिए कई चुनौतियों का कारण बन सकती है। उदाहरण के लिए, राजनीतिक कुलपति विश्वविद्यालय के शैक्षिणक और सामाजिक मामलों में कम ध्यान केंद्रित करने के कारण विश्वविद्यालय की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, राजनीतिक कुलपति विश्वविद्यालय के प्रशासन और नीति-निर्माण में अपने राजनीतिक पक्षपात को प्रभावित कर सकते हैं। इससे विश्वविद्यालय में राजनीति और विवाद बढ़ सकता है।

**रिश्वतखोर कुलपति :** विश्वविद्यालयों में जो कुलपति रिश्वत / धन देने के कारणों से नियुक्त होते हैं, उनकी कार्यशैली आमतौर पर निम्नलिखित प्रकार की होती है:-

वे विश्वविद्यालय के प्रशासन और नीति-निर्माण में व्यक्तिगत लाभ को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे विश्वविद्यालय के संसाधनों का उपयोग अपने निजी हितों को बढ़ावा देने के लिए कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, वे अपने परिवार के सदस्यों या दोस्तों को विश्वविद्यालय में नियुक्तियां दिलवा सकते हैं, या विश्वविद्यालय से अनुबंध प्राप्त कर सकते हैं।

इन पाँच प्रकार के अलावा, कुछ कुलपति ऐसे भी होते हैं जो इन श्रेणियों में फिट नहीं होते हैं। ये कुलपति अपनी अनूठी कार्यशैली के कारण पहचाने जाते हैं। उदाहरण के लिए, कुछ कुलपति ऐसे होते हैं जो विश्वविद्यालय के प्रशासनिक और शैक्षणिक दोनों मामलों में समान रूप से ध्यान देते हैं। इन कुलपतियों को समग्र कुलपति कहा जाता है। कुछ कुलपति ऐसे भी होते हैं जो विश्वविद्यालय के सामाजिक और राजनीतिक मामलों में समान रूप से ध्यान देते हैं। इन कुलपतियों को समाज-राजनीतिक कुलपति कहा जाता है।

**–प्रो. अशोक कुमार,**
**पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, वैदिक विश्वविद्यालय निंबहारा , निर्वाण विश्वविद्यालय जयपुर, अध्यक्ष आईएसएलएस, प्रिसिडेंट सोशल रिसर्च फाउंडेशन , कानपुर**

# प्याज, लहसून और मटर के भावों में एकाएक तेजी आई

**■ होटल, टिफिन सेंटरों और ढाबों पर सलाद में प्याज गायब होने लगा**

**श्रीगंगानगर, (निसं)।** इलाके में प्याज, लहसून और मटर के भाव एकाएक दाम बढ़ गए हैं। वहीं अन्य सब्जियों के दाम कम हुए हैं। सब्जी विक्रेताओं ने एकाएक दाम बढ़ा दिए हैं। हालांकि इन कारोबारियों का मानना है कि नई फसल जब तक पककर बाजार में नहीं आती तब तक प्याज और लहसून के दामों में कोई कमी नहीं आएगी। प्याज का स्टॉक अब बाहर निकाला जा रहा है। इधर, होटल, टिफिन सेंटरों और ढाबों पर सलाद में प्याज अब धीरे धीरे गायब होने लगा है। सलाद में अब मूली को प्राथमिकता मिल रही है। मूली आठ रुपए प्रति किलो की दर से रिटेल में बिक रही है।

सब्जी मंडी में प्याज के थोक भाव 48 रुपए और रिटेल भाव 60 से 80 रुपए प्रति किलो रहे। जबकि गत वर्ष इसी सीजन में प्याज के थोक भाव करीब बारह रुपए और रिटेल भाव करीब 20 रुपए प्रति किलो बिक रहा था। यही हाल लहसून का है। लहसून चाइनीज दो सौ रुपए प्रति किलो की दर से बिक रहा था जबकि रिटेल में इसका दाम 230 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गया। लेकिन बाजार में देसी लहसून को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। चाइनीज लहसून देखने में साफ और सुंदर दिखता है लेकिन खाने में उतना जायका नहीं है। लेकिन देसी लहसून ज्यादा जायकेदार रहता है। देसी लहसून सब्जी मंडी में 170 से 180 रुपए प्रति किलो बिका जबकि रिटेल में इसका दाम 240 रुपए तक पहुंच गया है। वहीं मटर भी महंगी दर से बिकने लगी है। मटर थोक में 115 रुपए और रिटेल में 140 से 150 रुपए प्रति किलो की दर से बिकने लगी है।

थोक कारोबारी गौरीशंकर बतरा ने बताया कि प्याज नया और पुराना दोनों तरह का बिक रहा है। अलवर, नासिक, एमपी और मथानिया की सब्जी मंडी से प्याज की आवक हो रही है। दीपावली पर अलवर में चार दिन, एमपी में दस दिन और नासिक में करीब पांच दिन सब्जी कारोबार बंद रहेगा।

सब्जी कार्य में लगी लेबर दीपावली अवकाश के बाद वापस काम पर लौटेगी। ऐसे में दो सप्ताह बाद नई फसल आएगी तो प्याज के दामों में कमी आ सकती है। दो माह पहले बरसात में प्याज की फसल खराब हो गईथी, इस कारण आवक कम होने पर डिमांड ज्यादा रहने पर स्टॉक करने वालों ने प्याज की कीमतों में वृद्धि कर दी। अदरक में भले की कई रोगों को दूर करने का नुस्खा हो लेकिन अदरक के बढ़ते दामों ने ग्राहकों को दर्द जरूर दे दिया है। अदरक बोली में एक सौ रुपए प्रति किलो की दर से बिकी जबकि रिटेल में यह 130 से 140 रुपए प्रति किलोग्राम से बिकने लगी है। सर्दी की आहट होने पर अदरक की डिमांड भी एकाएक बढ़ी है। अदरक की नई फसल अब सब्जी मंडी में आएगी। ज्यादा आवक आते ही इसका दाम कम हो पाएगा।

दो माह पहले अदरक महज चालीस से पचास रुपए प्रति किलो की दर से बिक रही थी। इधर, टमाटर भी अब भाव खाने लगा है। महज बीस रुपए में मिलने वाला टमाटर पचास रुपए तक पहुंच गया है।

## राशिफल गुरूवार 16 नवम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2080, मूल नक्षत्र रात्रि 2:17 तक, सुकर्मा योग प्रातः 9:59 तक, गर करण दिन 12:35 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थितिः** सूर्य-तुला, चन्द्रमा-धनु, मंगल-तुला, बुध-वृश्चिक, गुरू-मेष, शुक्र-कन्या, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग रात्रि 2:17 तक है। भद्रा रात्रि 11:49 से शुक्रवार दिन 11:04 तक रहेगी। आज मार्गशीर्ष संक्रांति है और सूर्य वृश्चिक में प्रवेश रात्रि 1:19 पर करेगा। मंगल वृश्चिक प्रवेश दिन 10:46 पर करेगा। आज विनायक चतुरथी, दुर्वा गणपति व्रत है। आज से डाला छठ महापर्व तीन का आरम्भ होगा। आज से जमादि-उल अव्वल मु. मास 5 आरम्भ होगा।

**श्रेष्ठ चौघड़ियाः** शुभ सूर्योदय से 8:11 तक, चर 10:51 से 12:11 तक, लाभ-अमृत 12:11 से 7:52 तक, शुभ 4:12 से सूर्यास्त तक।

**राहूकालः** 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:51, सूर्यास्त 5:32

### मेष

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। शुभ कार्य के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

### वृष
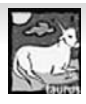
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

### मिथुन
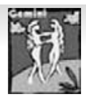
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी।

### कर्क

व्यक्तिगत परेशानियों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है।

### सिंह

घर-परिवार के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

### कन्या

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

### तुला

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

### वृश्चिक

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यक्तिगत प्रयासों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

### धनु

व्यावसायिक कार्यों के लिए यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

### मकर

घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अनावश्यक धन खर्च होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

### कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा।

### मीन
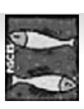
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

# फेफडों के रोगों को उचित इलाज से ठीक किया जा सकता है : डॉ. सोनी

बीकानेर, (कासं)। विश्व सी.ओ.पी.डी. दिवस वर्ष 2002 से हर साल नवम्बर के तीसरे बुधवार को मनाया जाता है। यह दुनियां भर की जनता के बीच क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल कार्यक्रम है।

सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर के प्राचार्य एवं नियंत्रक डॉ. गुंजन सोनी जो स्वयं श्वसन रोग विशेषज्ञ डॉक्टर है। सोनी ने बताया कि एक और जोखिम भरा रोग होने के बावजूद भी सीओपीडी को उचित प्रबंधन और इलाज के साथ ठीक किया जा सकता है। इसके अलावा उचित इलाज और जीवनशैली में परिवर्तन द्वारा अन्य फेफड़े के रोग होने या इससे फेफड़ों के कैंसर होने के जोखिम को भी काफी कम किया जा सकता है।

विश्व सीओपीडी दिवस कार्यक्रम को सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज बीकानेर के प्राचार्य एवं नियंत्रक गुंजन सोनी ने संबोधित किया।

- डॉक्टर गुंजन सोनी ने बताया कि फेफड़ों के कई रोग, जो सांस के रास्ते में रूकावट पैदा कर देते हैं, जिसके कारण सांस लेना कठिन हो जाता है

डॉक्टर सोनी ने बताया कि इस वर्ष 2023 के लिए सीओपीडी दिवस की थीम 'सांस लेना ही जीवन है - पहले कार्य करें' निर्धारित की गई है। इस वर्ष की थीम का उद्देश्य फेफड़ों से संबंधित रोगों की प्रारंभिक देखभाल, शीघ्र निदान और प्रारंभिक हस्तक्षेप के महत्व को उजागर करना है।

डॉक्टर गुंजन सोनी के अनुसार फेफड़ों के कई रोग, जो सांस के रास्ते में रूकावट पैदा कर देते हैं। जिसके कारण सांस लेना कठिन हो जाता है, फेफड़ों में हवा की थैलियाँ (ऐल्वीयोलाई) में सूजन (वातस्फीति) और लम्बे समय से सांस की नली में सूजन (क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस) सीओपीडी के आम लक्षण हैं। सीओपीडी से फेफड़ों को हुए नुकसान की भरपाई नहीं की जा सकती। अन्य लक्षणों में सांस फूलना, सांस लेने में घरघराहट की आवाज़ या लम्बे समय तक चलने वाली खांसी शामिल है।

स्वास्थ्य पेशेवरों के अनुसार वायु प्रदूषण के उच्च स्तर के लम्बे समय तक संपर्क में रहने से अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) जैसी गंभीर श्वसन समस्याएं हो सकती हैं। उनका कहना है कि दिल्ली की प्रदूषित हवा में सांस लेना एक दिन में लगभग 10 सिगरेट पीने के हानिकारक प्रभावों के बराबर है। डॉ. सोनी ने कहा कि वायु प्रदूषण क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम कारक है। वायु प्रदूषक एल्वियोलर लेवल पर फेफड़ों को नुकसान पहुंचाते हैं। एल्वियोली वह थैली होती है, जहां कार्बन डाइऑक्साइड और ऑक्सीजन गैस का एक्सचेंज होता है। ऐसे में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर की वजह से इन एल्वियोली को नुकसान हो सकता है, जो सीओपीडी का कारण बनता है।

सूक्ष्म कण यानी फाइन पार्टिकुलेट मैटर (पीएम2.5) और अन्य प्रदूषक फेफड़ों में अंदर तक प्रवेश कर सकते हैं, जिससे एयरवेज में सूजन और जलन हो सकती है। हवा में मौजूद इन प्रदूषकों के लम्बे समय तक संपर्क में रहने से ऑक्सीडेटिव तनाव और फेफड़ों के टिशूज को नुकसान हो सकता है। खासतौर पर पहले से रेस्पिरेटरी संबंधी समस्याओं वाले व्यक्ति वायु प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के प्रति ज्यादा संवेदनशील होते हैं।

क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) को रोकने और इससे बचने के लिए सबसे पहले जरूरी है अपने फेफड़ों की रक्षा करना। फेफड़ों को हेल्दी रखने के लिए सबसे जरूरी है तंबाकू के धुएं यानी धूम्रपान से बचना। धूम्रपान बंद करने और सेकंड हैंड स्मोकिंग से बचने से सीओपीडी के खतरे को काफी कम किया जा सकता है। इसके अलावा प्रदूषण से बचने के लिए जरूरी कदम उठाना, सभी जरूरी गाइडलाइंस को फॉलो करना और कम से कम प्रदूषकों के संपर्क में आकर भी इसका खतरा कम कर सकते हैं। अपने घर के अंदर हवा का स्तर बेहतर बनाए रखने के लिए पर्याप्त वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। साथ ही क्लीनिंग एजेंट और खाना बनाने के दौरान होने वाले धुएं के संपर्क को कम कर आप इनडोर एयर क्वालिटी को बेहतर बनाए रख सकते हैं। व्यायाम की मदद से भी आप अपने फेफड़ों की कार्यक्षमता को बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा इन्फ्लूएंजा और निमोनिया का टीका लगाकर भी सीओपीडी को खराब करने वाले रेस्पिरेटरी संक्रमण को रोकने में मदद मिलती है। सीओपीडी को रोकने के लिए एलर्जी और अस्थमा जैसी पुरानी बीमारियों को मैनेज करना, नियमित जांच कराना और निर्धारित दवाओं का समय से सेवन करना जरूरी है।

## डाक मतपत्र केन्द्रों की स्थापना

बीकानेर, (कासं)। विधानसभा आम चुनाव 2023 के मतदान दल कार्मिकों, पुलिस कार्मिकों, सेक्टर अधिकारियों सहित नियोजित अन्य कार्मिकों को सुविधा केन्द्रों में जाकर डाक मत पत्र के माध्यम से मतदान करना होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि मतदान प्रक्रिया संपादित करने में नियोजित गए किये गए समस्त कार्मिकों के लिए डाक मत पत्रों के माध्यम से वोट हेतु फैसिलिटेशन सेंटर स्थापित किये गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने समस्त मतदान दल कार्मिकों, पुलिस व अन्य कार्मिकों को इन केन्द्रों पर पहुंचकर अपना मत डालने के निर्देश दिए हैं।

भगवती प्रसाद कलाल ने बताया कि जिला स्तर पर राजकीय डूंगर महाविद्यालय बीकानेर के कमरा नंबर 9 में फैसिलिटेशन सेंटर स्थापित किया गया है। यहां 14 से 20 नवम्बर तक मतदान दलों में नियोजित कार्मिकों द्वारा वोट डाले जायेंगे।

वोट डालने का समय प्रातः 9:30 बजे से सायं 6 बजे तक रहेगा। इसी प्रकार पुलिस कार्मिकों के लिए 17 और 18 नवम्बर को पुलिस लाइन बीकानेर में फैसिलिटेशन सेंटर स्थापित किया गया है। यहां 9.30 से सायं 6 बजे तक संबंधित कार्मिकों द्वारा वोट डाले जायेंगे। 22 से 24 नवम्बर तक सभी विधानसभा क्षेत्रों में रिटर्निंग अधिकारी स्तर पर भी एक सुविधा केन्द्र कार्य करेगा जहां सेक्टर अधिकारी, आर.ओ. स्टाफ सहित चुनाव प्रक्रिया में नियोजित अन्य पात्र कार्मिक मतदान कर सकेंगे। मतदान दल रवानगी के दिन भी 24 नवम्बर को भी सुविधा केन्द्र बनाया गया है, जहां से भी डाक मतपत्र द्वारा वोटिंग सुविधा रहेगी।

## सार-समाचार

### जयंती पर बिरसा मुंडा को याद किया

स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती पर मीणा महासभा ने श्रद्धांजलि दी।

बीकानेर, (कासं)। अखिल आदिवासी मीणा महासभा राजस्थान द्वारा जल, जंगल, जमीन एवं आदिवासी समुदाय के हक-अधिकार के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले और देश के लिए शहादत देने वाले आदिवासी महानायक व स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की 148वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महासभा के प्रदेश संयोजक मोहर सिंह सलावद ने कहा कि बिरसा मुण्डा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को हुआ था। वे एक भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक थे। उन्होंने ब्रिटिश राज के दौरान 19वीं शताब्दी के अंत में बंगाल प्रेसीडेंसी (अब झारखंड) में हुए एक आदिवासी धार्मिक सहस्राब्दी आंदोलन का नेतृत्व किया, जिससे वे भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गए। भारत देश में निवास करने वाले आदिवासी उन्हें भगवान मानते हैं और मुंडा को 'धरती आबा' के नाम से भी जाना जाता है। महासभा के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार मीणा ने कहा कि भारत सरकार के द्वारा 10 नवम्बर 2021 को आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान को याद करने के लिए बिरसा मुंडा की जयंती 15 नवम्बर को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में घोषित किया। कार्यक्रम में महासभा के प्रदेश संयोजक मोहर सिंह सलावद, जिलाध्यक्ष मनोज कुमार मीणा, जिला सभाध्यक्ष मदन लाल मीणा, मोहित मीना, डूंगर राम,भानु प्रताप, राकेश कुमार, अरबाज खान, ऋषभ कौशिक आदि उपस्थित थे।

### सलीम बेग ने जीता स्वर्ण पदक

एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में बीकानेर के सलीम बेग के स्वर्ण पदक जीतने पर कलेक्टर भगवती प्रसाद ने स्वागत किया।

बीकानेर, (कासं)। 22 वीं एशियन मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए बीकानेर के सेवानिवृत्त कार्मिक सलीम बेग ने 70 प्लस आयु वर्ग में 400 मीटर रिले रेस में गोल्ड तथा 100 मीटर रिले रेस में ब्रोंज मेडल हासिल किया। फिलिपींस की न्यू स्टार सिटी में 8 से 12 नवम्बर तक आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्ग में बेग, रतन सिंह, रामप्रकाश ने भारत का प्रतिनिधित्व किया और मैडल हासिल किये। 60 आयु वर्ग में रतनसिंह शिवरान ने तार गोला फेंक में कांस्य पदक हासिल किया। 45 प्लस आयु वर्ग में पैदल चाल में राम प्रकाश ने गोल्ड मैडल हासिल किया। विजेताओं की उपलब्धि पर जिला निर्वाचन अधिकारी और जिला कलेक्टर भगवती प्रसाद कलाल ने शुभकामनाएं दी और कहा कि इस आयु वर्ग में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक हासिल करने से देश में युवा पीढ़ी को भी खेल क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

### 76 प्रत्याशियों के नाम में राम शब्द

बीकानेर, (कासं)। विधानसभा चुनाव में जिले के सातों विधानसभा क्षेत्रों में उतरे प्रत्याशियों के नाम के साथ राम का उल्लेख सर्वाधिक है। चुनाव में 76 प्रत्याशी चुनाव मैदान में करीब पच्चीस फीसदी प्रत्याशियों के नाम के साथ राम शब्द का उल्लेख है। चुनाव मैदान में करीब पच्चीस फीसदी प्रत्याशियों के नाम के साथ राम शब्द का उल्लेख है। जबकि लाल और सिंह शब्द का उल्लेख भी अधिक प्रत्याशियों के साथ है। प्रत्याशियों के नाम के साथ कुमार, दास, नाथ, दयाल, देवी, कुमारी शब्दों का उल्लेख भी कई नाम के साथ है। महिला प्रत्याशियों के नाम के साथ देवी, कुमारी शब्द है। वहीं दास, नाथ, दयाल, सुंदर, श्याम, चन्द्र, चंद, प्रकाश आदि शब्दों का उपयोग भी प्रत्याशियों के नाम के साथ हुआ है। सातों विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों में से 18 प्रत्याशियों के नाम के साथ राम शब्द का उल्लेख हुआ है। चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशियों तोला राम उपाध्याय, तीर्थराम, मंगला राम गोदारा, भीखाराम नाई, गोविन्द राम मेघवाल, सीताराम, पप्पू राम, रेवन्त राम पंवार, प्रताप राम, खेता राम, शिवदान राम, मगना राम, मोतीराम, रामप्रताप, आशाराम, फूसाराम, भरत राम, परमा राम में नाम की शुरुआत, मध्य अथवा अंत में राम शब्द का उल्लेख हुआ है। चुनाव मैदान में उतरे 76 प्रत्याशियों में से कई प्रत्याशियों के नाम सिंह शब्द भी शामिल है। इनमें किशन सिंह, जय सिंह, भगवान सिंह, मोहर सिंह, श्रवण सिंह, सांवत सिंह, भंवर सिंह भाटी, अंशुमान सिंह भाटी, नरपत सिंह शामिल है। वहीं लाल शब्द का उपयोग भी कई प्रत्याशियों के नाम के साथ हुआ है। इनमें बिहारी लाल बिश्नोई, गिरधारी लाल महिया, कन्हैयालाल झंवर, लालचंद, हरद्वारी लाल, कन्हैया लाल, मांगीलाल आदि है। वहीं छह प्रत्याशियों के नाम के साथ कुमार शब्द भी है।

# सतरंगी सप्ताह आज से शुरू, मतदान के लिए करेंगे प्रेरित

- कम मतदान प्रतिशत वाले केन्द्रों पर रहेगा फोकस
- कार्यक्रमों में स्वीप से जुड़े 21 विभागों की भागीदारी रहेगी

बीकानेर,(कासं)। प्रत्येक मतदाता तक मतदान का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से 16 से 22 नवम्बर तक सतरंगी सप्ताह आयोजित किया जायेगा। इसके तहत प्रतिदिन जिला मुख्यालय से लेकर ग्राम पंचायत तक विभिन्न कार्यक्रम होंगे। प्रत्येक कार्यक्रम की थीम, स्लोगन और लक्षित वर्ग निर्धारित की गई है।

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी और स्वीप प्रभारी नित्या के. ने आज इसकी तैयारियों को समीक्षा की। इस दौरान गत विधानसभा चुनाव में कम मतदान वाले केन्द्रों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। जिला परिषद सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार सप्ताह भर विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। इस दौरान वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कम मतदान वाले केन्द्रों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए के विशेष प्रयास होंगे। प्रत्येक कार्यक्रम के लिए जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर नोडल अधिकारी नियुक्त किये गए हैं। वहीं स्वीप से जुड़े 21 विभागों की भागीदारी भी इनमें रहेगी।

उन्होंने बताया कि पहले दिन 16 नवम्बर को लोक नृत्यों के माध्यम से पीवीटीजी, विमुक्त और घुमंतु वर्ग के मतदाताओं को जागरूक किया जायेगा। पहले दिन का थीम का रंग वायलेट और स्लोगन 'हम भी नाचेंगे-गायेंगे, वोट डालकर आयेंगे' रहेगा। दूसरे दिन 17 नवम्बर को म्यूजिकल बैंड की सुर लहरियों के माध्यम से कामगार, मजदूर, दिहाड़ी मजदूरों को जागरूक किया जायेगा। साथ ही मतदाता शपथ का कार्यक्रम भी होगा। इस दिन की थीम का रंग इंडिगो और स्लोगन 'अंगुली पर निशान, राष्ट्र के नाम' तय किया गया है।

इसी प्रकार 18 नवम्बर को वॉकाथन का आयोजन होगा। इसमें सेवारत मतदाता, सरकारी कार्मिक, खिलाड़ी, शिक्षक, शारीरिक शिक्षक, पुलिस के जवान शामिल होंगे। इस दिन का रंग ब्लू तथा स्लोगन 'कर्तव्य पथ पर राष्ट्रहित में' रहेगा। यह कार्यक्रम जिला स्तर पर पुलिस विभाग, बीएसएफ, कॉलेज शिक्षा, स्कूल शिक्षा विभाग, जिला खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में होगा। उन्होंने बताया कि 19 को ट्राई साइकिल रैली निकालकर दिव्यांग मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया जायेगा।

## परीक्षा आवेदन आज से भरेंगे

बीकानेर,(कासं)। एम.जी.एस.यू. ने मुख्य परीक्षा वर्ष 2024 एवं सेमेस्टर प्रथम दिसम्बर 2023 के परीक्षा आवेदन पत्र भरने का कार्यक्रम जारी कर दिया है।

विश्वविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. मेघना शर्मा के अनुसार परीक्षा आवेदन 16 नवम्बर से भरे जायेंगे। आवेदन पत्र भरवाने से संबंधित विस्तृत दिशा निर्देश विश्वविद्यालय वेबसाइट पर जारी कर दिये गए हैं।

परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजाराम चोयल ने बताया कि इस बार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली की गाइडलाइन की पालना में परीक्षा आवेदन पत्र भरने से पूर्व एबीसी आई डी बनानी आवश्यक होगी। इसके लिए विस्तृत दिशा निर्देश भी जारी किए गए हैं।

विश्वविद्यालय विभागों एवं संबद्धता प्राप्त समस्त महाविद्यालयों में स्नातक स्तर के समस्त परीक्षार्थियों की सत्र 2023-24 से परीक्षाएं सेमेस्टर प्रणाली से आयोजित होगी।

# मोदी की चुनावी सभा की तैयारी का लिया जायजा

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 नवम्बर को पीलीबंगा में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे

हनुमानगढ़, (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 21 नवम्बर को पीलीबंगा में चुनावी सभा को संबोधित करने आ रहे हैं। इसकी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

प्रदेश में चुनावी दंगल के बीच लाल डायरी पार्ट-टू रिलीज हो गई है। इसकी जानकारी भाजपा प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने मीडिया को दी। उन्होंने दावा किया कि यह डायरी कई राज उगलेगी। इसमें कई कांग्रेस नेताओं की असलियत सामने आयेगी। किस तरह कांग्रेस ने जनता को लूटा है, इसका पूरा हिसाब-किताब डायरी में दर्ज है। यह डायरी कांग्रेस नेताओं को सोने नहीं देगी। इस दौरान उन्होंने मोदी सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का जिक्र भी किया।

सिंह ने कहा कि इस बार प्रदेश की जनता कांग्रेस को उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। पेपर लीक, किसानों की ओर से की जा रही आत्महत्या आदि का उल्लेख कर कहा कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया था, जो झूठा निकला। अब वह दोबारा हनुमानगढ़ में किस मुंह से आ रहे हैं यह नहीं पता।

प्रदेश प्रभारी ने दावा किया कि हमारी सरकार बनेगी तो हम किसानों पूरी बिजली देंगे, नहरों में पूरा पानी चलायेंगे। प्रेसवार्ता के दौरान जिलाध्यक्ष देवेन्द्र पारीक, पूर्व विधायक कृष्ण कड़वा, मदन पारीक, कृष्ण तायल, सुशील जोशी, पूर्व पार्षद महेश शर्मा आदि मौजूद थे। भाजपा के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने कहा कि हमारी पार्टी दो दिन बाद चुनावी घोषणा पत्र जारी करेगी।

# बस-पिकअप की भिड़ंत में एक की मौत

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र में बुधवार को एक स्लीपर कोच बस-पिकअप की भिड़ंत में एक की मौत हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

घायल को बीकानेर रैफर किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यह हादसा श्रीडूंगरगढ़-जयपुर नेशनल हाईवे पर हुआ। जहां स्लीपर बस व पिकअप की भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप पूरी तरह से चकनाचूर हो गई तथा बस का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सूत्रों के मुताबिक स्लीपर बस बीकानेर की ओर आ रही थी। जबकि पिकअप बीकानेर की ओर से जा रही थी। बताया जा रहा है कि हादसे में पिकअप गाड़ी में सवार लाडनूं निवासी एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। उधर हादसे के बाद मौके पर लखासर टोल नाके से पहुंची टीम ने क्रेन की मदद से दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को हाईवे से हटाया।

**ट्रेक्टर पलटने से मौत :** श्रीडूंगरगढ़ थाना क्षेत्र में ट्रैक्टर के पलटने से उसके नीचे दबे युवक की मौत हो गई। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक बींझासर गांव की रोही स्थित खेत में बुधवार सवेरे स्थानीय निवासी ओमप्रकाश पुत्र मामराज बिजाई कर रहा था। इसी दौरान अचानक ट्रेक्टर संतुलन खो देने से अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रेक्टर पलटने से ओमप्रकाश उसके नीचे दब गया। जिससे उसकी मौत हो गई।

## पुलिस पर्यवेक्षक मिलेंगे 17 को

श्रीगंगानगर, (कासं)। विधानसभा आम चुनाव 2023 के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लगाये गए पुलिस पर्यवेक्षक आईपीएस अरविन्दा कालिता जो विधानसभा सूरतगढ़, अनूपगढ़ व रायसिंहनगर के पुलिस पर्यवेक्षक है। इनके मोबाइल नम्बर 9216114221 पर भी सम्पर्क किया जा सकता है।

कालिता 17 नवम्बर को प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक विधानसभा सूरतगढ़ के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय सूरतगढ़ में मिलेंगे। दोपहर 3 बजे से 4 बजे तक अनूपगढ़ एवं रायसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र के लिए पुलिस अधीक्षक कार्यालय अनूपगढ़ में रहकर चुनाव से संबंधित शिकायत एवं समस्या के लिए उपलब्ध रहेंगे। आमजन चुनाव संबंधी शिकायत कर सकेंगे।

# कुन्नर के निधन से करणपुर का चुनाव स्थगित

बीकानेर, (कासं)। कांग्रेस प्रत्याशी गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन के कारण करणपुर विधान सभा क्षेत्र का चुनाव स्थगित हो गया है।

अब राजस्थान में 199 सीटों के लिए 25 नवम्बर को मतदान होगा। श्रीगंगानगर जिले के करणपुर विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी गुरमीत सिंह कुन्नर के निधन की खबर की पुष्टि कर दी गई है। ब्रेन हेमब्रेज के चलते कुन्नर को मृत घोषित कर दिया गया। कांग्रेस पार्टी ने कुन्नर को टिकट दिया था। कितु अब उनके निधन हो जाने के बाद राजस्थान में 199 सीटों पर मतदान होगा। 75 वर्षीय कुन्नर का बुधवार को निधन हो गया है। कुन्नर करणपुर विधानसभा क्षेत्र से तीन बार विधायक रहे हैं। ग्रामीण राजनीति से राज्य स्तर तक की राजनीति में पहुंचे गुरमीत कुन्नर गहलोत सरकार में मंत्री भी रहे हैं।

**कांग्रेस नेताओं ने शोक जताया :** करणपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी गुरमीत सिंह कुन्नर का बुधवार को असामयिक निधन हो गया। इस दुखद घड़ी में बीकानेर शहर कांग्रेस ने भी शोक संवेदना व्यक्त की। काबीना मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला ने कहा कि गुरमीत सिंह कुन्नर सच्चे जनप्रतिनिधि थे। कृषि मंडी के विकास के लिए उन्होंने बहुत कार्य किए। बीकानेर में भी मंडी विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान था। उनके निधन से वे शोक संतप्त है और परमपिता से अरदास करते है कि पुण्यात्मा को शांति प्रदान करें।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष यशपाल गहलोत ने कहा कि गुरमीत सिंह कुन्नर एक सच्चे जनसेवक थे। उनके कार्यकाल में राजस्थान में हर शहर में कृषि मंडियों और किसानों को उचित सम्मान और हक मिला। उनके निधन पर आत्मिक शांति की प्रार्थना करता हूं। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रितु चौधरी ने शोक प्रकट करते हुए कहा की सरल सहज प्रवृति के व्यक्ति थे। उनका निधन अपूरणीय क्षति है। प्रदेश महासचिव गंगानगर प्रभारी जिया उर रहमान आरिफ ने कहा कि गुरमीत सिंह सरल हृदय और मिलनसारिता की प्रतिमूर्ति थे।

# कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. बी. डी. कल्ला ने कई मौहल्लों में जनसम्पर्क कर समर्थन मांगा

बीकानेर,(कासं)। बीकानेर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. बी. डी. कल्ला ने बुधवार कई मौहल्लों में जनसम्पर्क कर अपने पक्ष में समर्थन मांगा। लोगों ने भी कल्ला का स्वागत, सत्कार किया। साथ ही समर्थन का भी वादा किया।

डॉ.कल्ला ने आज रत्ताणी व्यासों का चौक, बड़ी चौकी, छोटी चौकी, राजरंगों की गली, काश नदी और सूरदासानी गली में सम्पर्क किया। रत्ताणी व्यासों के चौक में जनसम्पर्क के दौरान डॉ. कल्ला ने बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया। साथ ही नौजवान साथियों से कहा कि इन गलियों-मोहल्ले में ही सारा जीवन बीता है। यहीं दोस्ती, बड़े बुजुर्ग, मेरे छोटे भाई-भतीजे सभी यहीं है। हम सभी एक दूसरे के सुख-दुख के भागीदार है। हम सभी बीकानेरी आपस में अपनायत की एक मजबूत डोरी से जुड़े हुए हैं। कल्ला ने पुराने स्मरण याद करते हुए कहा कि

बीकानेर पश्चिम से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. बी. डी. कल्ला (बीच में) ने जनसंपर्क के दौरान आमजन से संवाद किया।

बुलाकी दास कल्ला आपके स्नेह और आशीष का ऋणी है। आप सभी का आभार। उन्होंने बीती रात को वार्ड 79 और 80 में जनसम्पर्क किया।

इस दौरान लोगों ने गर्मजोशी के साथ कल्ला का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से आप लोगों की खुशी साफ देखी जा सकती है। जनसम्पर्क के दौरान

- जनसम्पर्क के दौरान डॉ. कल्ला ने बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया

डॉ. कल्ला ने सर्वोदय बस्ती में लोगों के बीच में पहुंचकर संवाद किया। डॉ. कल्ला ने कहा कि बीते पांच सालों में आपसे जो भी वादा किया, हमने पूरा किया है। हमारी सरकार कितनी अच्छी योजनाएं आपके लिए लेकर आई। चिरंजीवी से फ्री इलाज, महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल में बच्चों को अच्छी शिक्षा, सौ यूनिट बिजली फ्री। जरूरतमंद परिवारों के लिए महंगाई के इस दौर में अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना लेकर आए जिसमें हर महीने दालें, चीनी, नमक, खाने का तेल, मिर्च, धनिया और हल्दी सभी कुछ इन परिवारों को दिया जाता है ताकि किसी जरूरतमंद घर में रोटी-पानी की परेशानी नहीं हो।

# भाजपा प्रत्याशी सिद्धिकुमारी ने मोहल्लों में जाकर वोट मांगे

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर पूर्व से भाजपा प्रत्याशी सिद्धिकुमारी ने बुधवार को अनेक स्थानों पर जनसंपर्क कर अपने पक्ष में वोट मांगे।

भाजपा प्रत्याशी ने तुलसी सर्किल हाउस के सामने,गवर्मेंट प्रेस रोड, इन्द्रा कॉलोनी, तिलक नगर, धोबी तलाई गली नं 9,जेलवेल टंकी के पास, भड़सीसर मेघवालों का मोहल्ला, माजीसा के बास में घर- घर संपर्क साधा।

इस अवसर पर भाजपा प्रत्याशी का क्षेत्र वासियों की ओर से स्वागत सत्कार किया गया। इन सभी कार्यक्रमों में कर्नल हेमसिंह,प्रदीप सिंह चौहान, लक्ष्मी सोढ़ा, गुलाब कंवर,भगवान सिंह मेड़तिया, गिरिराज सिंह, असद रजा भाटी, सीताराम जांगिड़, छैलाराम मेघवाल, बनवारी लाल महरदा, तेजसिंह, अरूण सक्सेना सहित बड़ी संख्या में महिला व पुरूष मौजूद थे। कार्यक्रमों के दौरान सिद्धिकुमारी ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार ने पिछले नौ वर्षों में देश का नाम दुनिया में रोशन किया है। जिससे भारत की प्रतिष्ठा आज शक्तिशाली देशों में की जाने लगी है। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में जो काम अधूरे रह गये हैं। उनको वे इस कार्यकाल में हर हाल में पूरा करेंगी। भाजपा प्रत्याशी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को मजबूत बनाने के लिए भाजपा के पक्ष में अधिकाधिक मतदान करने की अपील की। भाजपा प्रत्याशी की ओर से जहां इन्द्रा कॉलोनी में रोड शो किया गया तो चुनाव कार्यालय में एस.सी. मोर्चा की बैठक कर कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को कमर कसने की बात कही।

बीकानेर पूर्व से भाजपा प्रत्याशी सिद्धिकुमारी (काला चश्मा पहने) ने अनेक स्थानों पर जनसंपर्क किया।

# भाईदूज का पर्व मनाने जा रहे भाई-बहन और मां की सड़क हादसे में मौत

## बाइक पर सवार होकर भवानीमंडी से चेचट भाईदूज का पर्व मनाने जा रहे थे

हादसे में कार और बाइक क्षतिग्रस्त हो गई।

- स्कॉर्पियो कार और बाइक की आमने-सामने तेज भिड़ंत होने से हादसा हुआ

**रामगंजमंडी,** (निसं)। भवानीमंडी से चेचट भाईदोज का पर्व मनाने आ रहे बाइक पर सवार एक ही परिवार के तीनों सदस्यों भाई-बहन और मां की एक सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। वहीं कार में बैठे दूसरे परिवार की एक महिला को मामूली चोट आई है। हादसे में बाइक चालक की मौके पर मौत हो गई। वहीं एक लड़की और महिला को रामगंजमंडी सीएचसी से झालावाड़ रैफर किया। जिन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हादसा उंडवा और बंदा गाँव के बीच पेट्रोल पंप के पास हुआ है।

जानकारी के अनुसार सुबह 10:30 बजे उंडवा रोड पर एक बाइक पर तीन जने रामगंजमंडी की ओर आ रहे थे। वहीं एक स्कॉर्पियो कार रामगंजमंडी से मध्यप्रदेश की ओर जा रही थी। अचानक कार और बाइक की आमने सामने तेज भिड़ंत हो गई। जिसमें बाइक ड्राइवर हितेश मेवाडा उर्फ़ पिंटू की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक पर मृतक की बहन पूजा और माँ कमलेश भी बैठी थी जो गंभीर रूप से घायल हुई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुँची और घायलों को सीएचसी पहुँचाया। गंभीर हालत में दोनों मां-बेटियों को झालावाड़ एसआरजी भेजा गया। जहां महिला कमलेश और उसकी बेटी पूजा मेवाडा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक हितेश का पोस्टमार्टम रामगंजमंडी और दोनों मां-बेटियों का पोस्टमार्टम झालावाड़ किया जा रहा है। पुलिस ने कार को जब्त कर ड्राइवर को हिरासत में लिया है। वहीं कार में एक महिला घायल का भी रामगंजमंडी हॉस्पिटल में इलाज़ चल रहा है।

दो साल पहले ही हितेश के पिता बगदीराम का भी हार्टअटैक आने से निधन हो गया था। इसके बाद बड़े बेटे हितेश मेवाड़ा पर घर की जिम्मेदारी आ गई थी। जो भवानीमंडी में एक निजी कंपनी में काम करता है। वहीं छोटा भाई सिद्धार्थ कोटा में एक निजी कंपनी में काम करता है और कोटा ही रहता है। दोनों भाइयों की इसी साल शादी करने की तैयारी चल रही थी। दीपावली पर छोटा भाई सिद्धार्थ अपने घर पर आया था। सभी ने मिलकर दीपावली मनाई थी। कंपनी का काम आने से कल यानी मंगलवार को सिद्धार्थ कोटा चला गया। बुधवार को भाई दूज मनाने के लिए सुबह मृतक कमलेश हितेश और पूजा बाइक से दाहोद आ रहे थे।इसी दौरान हादसा हो गया।अब परिवार में सिद्धार्थ ही बचा है जो घटना की जानकारी के बाद कोटा से सीधा झालवाड़ पहुंचा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक्सीडेंट इतना भयानक हुआ कि बाइक टक्कर के बाद उस पर बैठी महिला 20 फीट दूर हवा में उछल कर खेत पर गिरी। वहीं एक लड़का और एक लड़की कार के टायर चढ़ने से गंभीर घायल हुए। हादसे के दौरान एक की मौके पर ही मौत हो गई थी। सीआई मनोज कुमार ने बताया कि हितेश मेवाड़ा अपनी मां कमलेश और बहन पूजा के साथ सुबह 9 बजे अपने घर भवानीमंडी पचपहाड़ से निकले थे। जो भाईदूज पर अपने मामा चेचट क्षेत्र के दाहोद गांव जा रहे थे। इस दौरान रास्ता में यह हादसा हुआ।

# मोबाइल चोरी करने वाली गैंग का पर्दाफाश, छह गिरफ्तार

## पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से सवा दस लाख रुपए के 41 मोबाइल बरामद किये

अजमेर में पुलिस ने जायरीन की भीड़ में जेब काटने और मोबाइल चोरी करने वाली गैंग पकड़ी।

- पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है, महंगे मोबाइल किसे बेचते थे, पता लगाया जा रहा है

**अजमेर,** (कासं)। अजमेर पुलिस ने दरगाह ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की जियारत करने आने वाले जायरीन की भीड़ में जेब काटने और मोबाइल चोरी करने वाली गैंग को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से 41 मोबाइल बरामद किये हैं, जिनका मूल्य करीब सवा दस लाख रुपए आंका गया है। अजमेर दरगाह थाना पुलिस ने जुलाई माह से अभी तक मोबाइल चोर गैंग के कब्जे से कुल 241 चोरी के मोबाइल बरामद कि है जिनकी कीमत 61.75 लाख बताई जा रही है। पुलिस आरोपियों से आगे पूछताछ कर रही है। आरोपित विभिन्न कंपनियों के इतने महंगे मोबाइल आगे किन्हें बेचा करते थे, इसका भी पता लगाया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महमूद खां के सुपरवीजन में गठित टीम ने दरगाह परिसर तथा आस पास के सी.सी.टी.वी. कैमरों के फुटजे लेकर तकनीकी सहायता से विशषण किया गया। पूर्व के चोरी में चालानशुदा अभियुक्तों तथा अन्य संदिग्ध व्यक्तियों से गहन पूछताछ की। निरन्तर निगरानी कर संग्रहित गिरोह का सुराग लगा कर आरोपी मालदा पश्चिम बंगाल निवासी अब्दुल रउफ, नयन इफ्तकार उर्फ सालेजर, आमीर खान, शादाब शेख, मोहम्मद फाजिल, नौशाद आलम इन छह आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपितों ने मोबाइल चोरी की वारदात करना स्वीकार करने पर इनके कब्जे से 41 विभिन्न कम्पनियों के कीमती मोबाइल फोन बरामद किये जा चुके हैं।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि टीम द्वारा माह जुलाई से अब तक करीब 241 कीमती मोबाइल कीमत लगभग 61.75 लाख के फोन बरामद कर प्रकरण पंजीबद्ध किया जा चुका है। गिरफ्तारशुदा मुल्जिमों से गहनता से पूछताछ जारी है। जिनसे अन्य साथियों और मोबाइल फोन बेचने के बारे में जानकारी की जा रही है। इनसे और मोबाइल फोन बरामद होने की संभावना है।

# जालोर-सांचोर में भाजपा व कांग्रेस पर बागी भारी, पार्टी प्रत्याशियों को सता रहा डर

- जालोर में चतुष्कोणीय मुकाबला होने से निर्दलीय, भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशी के गणित बिगाड़ने का कार्य कर रहे हैं
- सांचोर विधानसभा क्षेत्र में भी चतुष्कोणीय मुकाबला होने से इस क्षेत्र में चार धुरंधर नेताओं की साख दांव पर लगी है

**जालोर,** कासं)। विधानसभा चुनाव को लेकर जालोर व सांचोर में भाजपा व कांग्रेस के बागी उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरने से दोनों प्रमुख पार्टियों के प्रत्याशी के लिए परेशानी का सबब बने हुए हैं। वहीं भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशी पर बागी उम्मीदवार भारी पड़ते नजर आ रहे हैं। ऐसे में इस बार इस क्षेत्र से परिणाम चौकाने वाले आ सकते हैं।

विधानसभा चुनाव को लेकर चुनावी रण में डटे प्रत्याशी गांव-गांव ढाणी-ढाणी मत व समर्थन मांगते नजर आ रहे है। प्रतिदिन भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशी सुबह से शाम तक चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। ऐसे में इस बार बागी चुनाव मैदान में होने से भाजपा व कांग्रेस दोनों का समीकरण बिगाड़ने का कार्य कर रहे हैं। जालोर व सांचोर विधानसभा क्षेत्र में इस बार कांग्रेस व भाजपा को बागी उम्मीदवार से सीधा मुकाबला करना पड़ रहा है। जालोर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस ने बाहरी प्रत्याशी रानीवाडा की पूर्व प्रधान रमिला मेघवाल को टिकट देने के बाद पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल व पूर्व प्रत्याशी मंजू मेघवाल ने पार्टी से बगावत करते हुए पूर्व विधायक रामलाल निर्दलीय चुनाव रण में उतरने से कांग्रेस प्रत्याशी के लिए मुसीबत बने हुए हैं। रामलाल 1990 से लगातार इस क्षेत्र से चुनाव लड़ते आये हैं तथा आमजन में काफी चर्चित होने से चुनाव प्रचार के दौरान भी उनको भारी समर्थन मिलने से कांग्रेस प्रत्याशी को सीधा नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं भाजपा ने जोगेश्वर गर्ग को टिकट देने पर महिला मोर्चा की जिला मंत्री पवनी मेघवाल ने बगावत करते हुए निर्दलीय पर्चा भरा। पवनी के निर्दलीय पर्चा भरने से भोमिया राजपूत सहित स्वर्ण वोटर उसका साथ जरूर दे रहे हैं। ऐसे में पवनी भी कुछ हद तक भाजपा प्रत्याशी को कुछ नुकसान पहुंचने का प्रयास जरूर कर रही हैं। जालोर में चतुष्कोणीय मुकाबला होने से निर्दलीय, भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशी के गणित बिगाड़ने का कार्य कर रहे हैं।

वहीं सांचोर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा ने सांसद देवजी पटेल को टिकट देने से पूर्व विधायक जीवाराम चौधरी व पूर्व प्रत्याशी दानाराम चौधरी ने बगावत करते हुए पूर्व विधायक जीवाराम ने निर्दलीय ताल ठोकने से देवजी पटेल के लिए मुसीबत बन गये हैं। जीवाराम सांचोर में चौधरी समाज में दबदबा रखते हैं तथा जीवाराम व दानाराम एक होने से देवजी पटेल की राह मुश्किल होती नजर आ रही है। वहीं कांग्रेस ने पूर्व मंत्री सुखराम विश्नोई को टिकट देने से नाराज कांग्रेस के पूर्व प्रधान डॉ. शमशेर अली ने भी बगावत करते हुए निर्दलीय नामांकन दाखिल करने से मुस्लिम वोटर व एससी-एसटी वोटर के भरोसे बसपा से चुनाव लड़ने से कांग्रेस प्रत्याशी के लिए मुसीबत कर कारण बन गये हैं। ऐसे में शमशेर अली के बसपा से खड़ा होने से कांग्रेस प्रत्याशी को भी पसीना बहना पड़ रहा है। शमशेर अली भी भाजपा व कांग्रेस को टक्कर देते नजर आ रहे है। वही सांचोर में बढ़ते क्राईम व एक ही जाति के चुनावी रण में खड़े होने से नाराज मतदाता इस बार परिवर्तन के मुड में नजर आ रही है। ऐसे में सांचोर विधानसभा क्षेत्र में भी चतुष्कोणीय मुकाबला होने से इस क्षेत्र में चार धुरंधर नेताओं की साख दांव पर लगी हुई है। वहीं भाजपा ने बागी जीवाराम व पवनी को पार्टी से निष्कासित कर दिया हैं। वहीं जालोर व सांचोर विधानसभा क्षेत्र में इस बार बागी प्रत्याशी भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशियों का समीकरण बिगाडा सकते है। इस क्षेत्र से परिणाम चौकाने वाले जाये तो कुछ कोई कहा नहीं जा सकता है। लेकिन बागी प्रत्याशी के प्रचार को देखते हुए भाजपा व कांग्रेस प्रत्याशी के लिए मुसीबत बने हुए हैं।

# हेरोइन तस्कर गिरफ्तार

## नाइजीरियन सप्लायर से मिली सूचना की जांच में जुटी पुलिस

- आरोपी सप्लायर को पुलिस कोर्ट में पेश करेगी
- एक करोड़ चालीस लाख का हेरोइन (चिट्टा) बरामदगी प्रकरण

**हनुमानगढ़,** (निसं)। करीब एक करोड़ चालीस लाख रुपए कीमत की हेरोइन (चिट्टा) बरामदगी मामले में गिरफ्तार नाइजीरियन मूल के सप्लायर से पुलिस को नशे की खरीद-फरोख्त के संबंध में अहम जानकारी मिली है। अब टाउन थाना पुलिस की विशेष टीम आरोपी सप्लायर से मिली सूचना की तस्दीक करने में जुटी हुई है। सप्लायर पाब्लो से मिली सूचना के बाद टाउन पुलिस ने प्रेमनगर निवासी बाबू नामक चिट्टा तस्कर को गिरफ्तार किया। नाईजीरियन मूल का आरोपी पाब्लो उर्फ पिटर पुत्र जॉन निवासी लोगास सिटी, नाईजीरिया हाल किराएदार विपिन गार्डन 55 फीट रोड गली, दिल्ली पांच दिन के पुलिस रिमांड पर है। पुलिस उसको रिमांड अवधि समाप्त होने पर कोर्ट में पेश करेगी।

पुलिस के अनुसार पाब्लो के मोबाइल फोन तथा उससे पूछताछ में चिट्टे की खरीद करने वाले तस्कर तथा पेड्डलर के संबंध में अहम सुराग हाथ लगे हैं। अब उन सूचनाओं की तस्दीक की जा रही है। इसके बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी। इस प्रकरण में गिरफ्तार मुख्य आरोपी प्रकाश भाट (32) पुत्र बनवारीलाल भाट निवासी वार्ड 46, बरकत कॉलोनी, टाउन को पुलिस ने आठ नवम्बर को कोर्ट में पेश कर जेल भिजवा दिया था। एसपी डॉ. राजीव पचार ने नाइजीरियन सप्लायर पाब्लो उर्फ पीटर को विशेष प्रयासों से गिरफ्तार करने में अहम भूमिका निभाने वाले 11 पुलिसकर्मियों को 99 हजार रुपए की पुरस्कार राशि तथा प्रशंसा पत्र दिए थे।

गौरतलब है कि गौरतलब है कि तीन नवम्बर को प्रकाश भाट को रेलवे स्टेशन के पास से 700 ग्राम चिट्टे सहित गिरफ्तार किया था। जब्त चिट्टे की कीमत निर्वाचन विभाग के मापदंडों के अनुसार करीब करोड़ 40 लाख रुपए आंकी गई। पूछताछ के दौरान आरोपी प्रकाश भाट ने नाईजीरियन मूल के आरोपी से चिट्टे की खरीद की बात स्वीकारी। पाब्लो पीटर की सप्लायर के रूप में संलिप्तता सामने आने के बाद उसे दिल्ली से दबोचा गया। वह इलाज के बहाने तीन माह पहले भारत आया तथा तस्करी करने लगा।

# महंगाई के साथ-साथ हर तरह से केंद्र सरकार विफल साबित हुई है : तिवारी

**जोधपुर,** (कासं)। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि केंद्र सरकार ने जनता के साथ वादाखिलाफी वाली राजनीति की है। महंगाई से लेकर से हर तरह से केंद्र सरकार विफल साबित हुई है। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जनता का दर्द समझते हुए कई योजनाओं को लागू किया और राहत प्रदान की है। वे आज जोधपुर प्रवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

तिवारी ने कहा कि केंद्र सरकार ने जनता से कई वादे कि मगर पांच साल बाद भी महंगाई चरम पर है। बेरोजगारी बढ़ी है, ओपीएस का लागू नहीं करने दिया। मगर गहलोत ने इन सबके उलट जनता का दर्द समझते हुए उन्हें राहत प्रदान की है। राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सांसद तिवारी ने प्रेसवार्ता में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर जुबानी हमले करते हुए कहा कि आज राजस्थान में पेयजल की सबसे बड़ी समस्या है, यहां जोधपुर से केन्दीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत है मगर आज भी पेयजल की समस्या बनी है। करोड़ों का पैकेज देने की बात केंद्र से हुई थी, मगर आज तक कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि देश के पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस चार राज्यों में अपनी सरकार बनाएगी।

# जेल में बंदी की हत्या

**बीकानेर,** (निसं)। बीती रात बीकानेर की सेन्ट्रल जेल में एक बंदी की हत्या कर दी गई। यह हत्या किसी और ने नहीं बल्कि दूसरे बंदी ने की है। हमले में घायल हुए बंदी को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसको मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि इन दोनों ही बंदियों के बीच लम्बे समय से तनातनी चल रही थी। इस बीच देर रात एक बंदी बुधराम ने दूसरे बंदी मोहम्मद साजिद हुसैन पर ईंट से हमला कर दिया।

# किशोर से किया कुकर्म

- परिजनों ने थाने में पॉक्सो में केस दर्ज कराया

**जोधपुर,** (कासं)। जिला पूर्व के एक हलके में एक किशोर को बहला-फुलसाकर बाइक पर ले जाकर तीन लोगों ने कुकर्म किया। पीड़ित ने घर आकर जानकारी दी। इसके बाद परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और केस दर्ज करवाया। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में प्रकरण दर्ज किया। संदेह के आधार आरोपियों को पकड़ा गया है। फिलहाल उनसे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने बताया कि सोमवार की शाम को एक हलके में 17 साल के किशोर को तीन जने अपनी बाइक पर बहला-फुसलाकर ले गए। जहां एक जगह पर गाड़ी को रोककर किशोर से बारी बारी कुकर्म किया गया। पीड़ित किशोर ने घर आने के बाद इस बारे में अपने परिजन को जानकारी दी तब वे थाने पहुंचे और पॉक्सो में केस दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि संदेह के आधार पर तीन लोगों को लाया गया है, जिनसे पूछताछ चल रही है।

# सैलानियों से गुलजार हुई पर्यटन नगरी जैसलमेर

- दीपावली के दिन से ही जैसलमेर में सैलानियों की संख्या बढ़ने लगी थी, हर ओर टूरिस्ट ही नजर आ रहे हैं

**जैसलमेर,** (निसं)। दीपावली के त्यौहार के साथ ही वेकेशन पर आए गुजरातीयों से गोल्डन सिटी जैसलमेर गुलजार हुई है। दीपावली के दिन से ही जैसलमेर में सैलानियों की संख्या बढ़ने लगी थी। हर ओर टूरिस्ट ही नजर आ रहे हैं। टूरिज्म से जुड़े कारोबारियों के चेहरे खिल उठे हैं। ज्यादातर सैलानी गुजरात से आए हैं।

दीवाली सीजन में ये शहर गुजरातीयों से आबाद है। भीड़ इतनी हो गई है कि पर्यटन स्थलों पर जाम सा लग गया है। सोनार किले में जाने वाला रास्ता ही जाम हो गया। सैलानियों ज्यादातर गुजराती हैं। दरअसल दीपावली सीजन में लंबे वेकेशन मिलने पर गुजराती घूमने निकल पड़ते हैं और गोल्डन सिटी को आबाद करते हैं। गुजरातीयों की आवक से जैसलमेर के टूरिस्ट बिजनेस से जुड़े लोगों के साथ स्थानीय निवासी भी बेहद खुश हैं।

जैसलमेर के पर्यटन स्थलों पर इन दिनों सैलानियों की भीड़ है। सबसे ज्यादा गुजरात से टूरिस्ट आ रहे हैं। सोनार किला, गड़ीसर सरोवर, पटवा हवेली आदि स्थानों पर अच्छी-खासी भीड़ देखी जा रही है। भीड़ इतनी है कि पर्यटन स्थलों पर जाम लग गया है। सोनार दुर्ग जाने वाला रास्ता तो हर सुबह जाम हो ही जाता है।

दरअसल दीपावली के बाद से ही गुजराती पर्यटकों का फ्लो बढ़ गया है। गुजरात से आए सैलानियों का कहना है कि दीपावली से गुजरात में छुट्टियां हो जाती हैं। लाभ पंचम तक हम लोग घूमने निकल जाते हैं। जैसलमेर को इंडिया का नंबर वन टूरिस्ट प्लेस मानते हैं। ऐतिहासिक शहर के पीले पत्थर और उनसे बनी हवेलिया और किले सबको अपनी ओर खींचते हैं। सैलानियों ने बताया कि जैसलमेर जैसी शांत और प्यारी जगह कहीं नहीं देखी। सोने जैसी पीली नगरी और इसकी रेत यहां खींच लाई है। हम यहां रेत के टीलों पर कैमल राइडिंग करेंगे। साथ ही भारत-पाकिस्तान बॉर्डर स्थित तनोट माता मंदिर के दर्शन करेंगे। उनके परिवार की इच्छा है कि वे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर भी देखें।

# माउंट आबू में प्रदेश के सबसे ऊंचे गांव "शेरगांव" में पहली बार पोलिंग बूथ स्थापित

## पोलिंग पार्टी को भी पन्द्रह किमी पैदल रास्ता तय कर जाना पड़ेगा बूथ पर

- बाडमेर और जैसलमेर जिले में केवल एक परिवार के लिए पोलिंग बूथ बनाया है

**जालोर,** (कासं)। प्रदेश में विधानसभा चुनावों के लिए अगले सप्ताह 25 नवंबर को मतदान होगा। इस बार निर्वाचन विभाग ने वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए अलग-अलग इनोवेशन कि हैं। इसी क्रम में बाडमेर और जैसलमेर जिले में केवल एक परिवार के लिए पोलिंग बूथ बनाया है। सिरोही जिले के माउंट आबू में प्रदेश के सबसे ऊंचे गांव में इस बार नया बूथ स्थापित किया है। बाडमेर में चार बूथ ऐसे हैं, जहां 100 से भी कम वोटर हैं।

प्रदेश में विधानसभा चुनाव 25 नवम्बर को सम्पन्न होंगे। वहीं निर्वाचन आयोग ने इस बार मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए किसी प्रकार की कोई कोर कसर नहीं छोड़ी है। बाड़मेर जिले के पारा गांव में 35 वोटर्स के लिए पोलिंग बूथ बनाया गया है। वही भारत-पाक बॉर्डर से सटे बाड़मेर जिले में कई गांवों के बीच बहुत ज्यादा दूरी है। वहां वोटिंग बढ़ाने के लिए इस बार 20 बूथों का इजाफा किया गया है। शिव विधानसभा के बाड़मेर का पार बूथ एक फैमिली के लिए बनाया गया है। पिछले विधानसभा चुनाव में इस बूथ पर 27 वोटर थे, जो इस बार बढ़कर 35 हो गए हैं। शिव विधानसभा क्षेत्र में दो, बाड़मेर में पांच, गुड़ामालानी में पांच और चौहटन में आठ नए बूथ बनाए गए हैं। जिले में सबसे कम वोटर वाला बूथ शिव विधानसभा क्षेत्र बूथ संख्या 201 बाड़मेर का पार है। यहां के लोगों का कहना है कि पहले 20 किलोमीटर दूर जाकर वोट डालना पड़ता था, लेकिन इस बार हमारे लिए आसान होगा। बूथ हमारे घर के पास ही बना गया है, इसलिए बुजुर्ग लोग भी वोट कर सकेंगे।

एक वोटर नसीर बताते हैं कि यहां अब पहले से अच्छी सुविधा है। पांचवीं तक स्कूल और पानी की भी व्यवस्था है। खुशी की बात है कि बूथ यहां बना है। नसीर बताते हैं पिछली बार हमारे परिवार के 27 लोगों ने वोटिंग की थी। इसके लिए हमें 20 किलोमीटर दूर पैदल ही जाना पड़ा था। बाडमेर के इस गांव में सभी मतदाता एक ही परिवार के हैं। ग्रामीण सत्तार का कहना है कि बहुत खुशी होती है। जब घर के नजदीक वोट देने के लिए जाते हैं। पहले 15-20 किलोमीटर तक जाकर वोट करना पड़ता था। इससे कई वोटर वंचित हो जाते थे। अब बूथ नजदीक होने से सौ फीसदी पोलिंग होगी। सत्तार का कहना है कि उनके दादा की तीन संतान हैं। तीन बेटों के परिवार में अब वोट डालने वाले सदस्यों की संख्या 35 हो गई है। इसमें 18 पुरुष और 17 महिलाएं हैं। पिछले चुनाव में 27 वोटर थे। अब इस बार 8 वोटर बढ गये हैं। 2008 के विधानसभा चुनाव में हमारे परिवार के लिए एक मोबाइल बूथ बनाया गया था।

वही सिरोही जिले का शेरगांव है। जहां पहली बार पोलिंग बूथ बनाया गया है। प्रदेश में पहली बार सबसे ऊंचे स्थान माउंट आबू (सिरोही) के शेरगांव में बूथ बनाया गया है। इस गांव से करीब 117 वोटर रजिस्टर्ड हैं, लेकिन यहां तक पहुंचना आसान नहीं है। ये पोलिंग बूथ प्रदेश के एक मात्र हिल स्टेशन माउंट आबू से करीब 15 किलोमीटर दूर है। यहां तक पहुंचने के लिए माउंट से सबसे ऊंचे गुरु शिखर की तरफ जाना पड़ता है। करीब 15 किलोमीटर का पूरा रास्ता पथरीला और उबड-खाबड है। पोलिंग बूथ पार्टी को भी पन्द्रह किमी पैदल रास्ता तय कर जाना पड़ेगा।

रिटर्निंग अधिकारी सिद्धार्थ पालानीचामी ने बताया कि दो महीने पहले ही यहां के गांव के लोगों को ट्रेनिंग दी गई थी, उस समय टीम को कच्चे रास्तों से होकर यहां तक पहुंचना पड़ा था। यहां वोटिंग के लिए 25 नवंबर को हमारी टीम को सबसे पहले रवाना किया जाएगा। ताकि समय पर पोलिंग बूथ पर पहुंच जाये। पोलिंग पार्टी को 15 किमी पैदल चलकर ही गांव जाना होगा। वहीं बॉर्डर से सटे जैसलमेर जिला मुख्यालय से करीब 100 किमी दूर भी एक ऐसा ही मतदान बूथ इस बार बनाया गया है, जहां केवल 35 वोटर हैं। पारुराम भील की ढाणी में 35 लोगों का परिवार है। ये सभी एक ही खानदान से हैं। वीरू राम (80) इस परिवार के मुखिया हैं। उनके साथ इस पर इस परिवार का भरता राम (18) पहली बार मतदान का प्रयोग करेगा।

बूथ के बीएलओ जिले सिंह ने बताया कि ये बूथ सम इलाके से करीब 45 किमी दूर है। परिवार के सभी सदस्य खेती और पशुपालन करते हैं। विधानसभा चुनाव- 2018 से पहले यहां के वोटर एक किमी दूर नहरी इलाके में 196 आरडी पर एक अस्थायी बूथ पर बड़ी मुश्किल से वोट डालने जाते थे। लेकिन अब इसी ढाणी के स्कूल में ही बूथ बना दिया गया है। जैसलमेर के पारू की ढाणी में इस जगह पर एक परिवार के लिए वोटिंग बूथ बनाया जाएगा।

आमतौर पर करीब 1500 वोट पर ही बूथ बनाया जाता है। लेकिन जैसलमेर के क्षेत्रफल को देखते हुए पटवारी-तहसीलदार की रिपोर्ट पर एसडीएम और कलेक्टर ने अपनी रिपोर्ट तैयार की थी। कलेक्टर ने निर्वाचन आयोग को विशेष परिस्थितियों का हवाला देते हुए बूथ निर्माण का अनुरोध किया था। इसी अनुरोध पर इस बूथ का निर्माण हुआ। ये जिले का बूथ नंबर-195 है, जहां 35 वोटर ही हैं। रिटर्निंग अधिकारी के मुताबिक यहां वोटिंग के लिए एक ईवीएम मशीन लगेगी।

# राजधानी में होनेवाला है रोचक चुनावी मुकाबला

## कांग्रेस के पुराने चेहरों के सामने भाजपा के नए चेहरे हैं मैदान में

■ भाजपा ने सात नए चेहरे, तो कांग्रेस ने एक नया चेहरा उतारा चुनावी रण में

**जयपुर**, (का.प्र.)। दिवाली के बाद अब राजस्थान में चुनाव प्रचार परवान पर चढ़ने लगा है और दोनों ही प्रमुख दलों कांग्रेस और भाजपा के दिग्गज स्टार प्रचारक चुनाव मैदान में उतरने वाले हैं। इस बीच राजधानी जयपुर की बात करें तो यहां की आठों सीटों पर मुकाबला रोचक होने वाला है।

राजधानी जयपुर में उम्मीदवारों की बात करें, तो कांग्रेस ने सिर्फ एक हवामहल सीट पर नया उम्मीदवार उतारा है और बाकी 7 सीटों पर वही पुराने चेहरे मैदान में हैं। दूसरी ओर भाजपा ने ठीक विपरीत जयपुर में सिर्फ एक मालवीय नगर में पुराने चेहरे को उतारा है और 7 सीटों पर नए चेहरे दिए हैं। वैसे तो राजधानी में हर सीट का अलग-अलग स्वभाव है, लेकिन चारदीवारी और उसे लगती सीट पर मुकाबला काफी रोचक होने वाला है। इन चार सीटों में से किशनपोल, आदर्श नगर, हवा महल और सिविल लाइन में कांग्रेस ने तीन पर जहां फिर से अपने विधायकों को रिपीट किया है। वहीं हवामहल में उम्मीदवार तो नया है लेकिन चेहरा पुराना है। सिविल लाइन में कांग्रेस ने फिर प्रताप सिंह खाचरियावास को, किशनपोल में अमीन कागजी को और आदर्श नगर में रफीक खान को मौका दिया है। तो हवामहल में जिला कांग्रेस के अध्यक्ष और जयपुर के खांटी कार्यकर्ता कहे जाने वाले आरआर तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। वहीं भाजपा ने चारों ही सीटों पर नए उम्मीदवार के तौर पर सिविल लाइन में गोपाल शर्मा, आदर्श नगर में रवि नैयर, किशनपोल में चंद्र मोहन बटवाड़ा और हवामहल में बालमुकुंद आचार्य को उम्मीदवार बनाया है।

यहां बात करें तो कांग्रेस के चारों उम्मीदवारों के सामने पहचान का संकट नहीं है। वहीं भाजपा में आदर्श नगर सीट पर रवि नैयर पहचाना हुआ चेहरा है। वहीं बालमुकुंद आचार्य भाजपा में तो नहीं, लेकिन हिंदूवादी मंचों पर नजर आते रहे हैं। बाकी दो चेहरों में से गोपाल शर्मा जयपुर के जाने-माने पत्रकार हैं, लेकिन सिविल लाइंस के कितने मतदाता उन्हें पहचानते हैं, यह दूसरी बात है। वैसे भी गोपाल शर्मा सांगानेर से उम्मीदवारी चाहते थे, लेकिन अंतिम समय में उन्हें भाजपा ने सिविल लाइन भेज दिया। वहीं चंद्र मोहन बटवाड़ा एक बार पार्षद रहे हैं, लेकिन उसके बाद उनकी सक्रियता आम लोगों में बहुत ज्यादा नहीं देखी गई है। ऐसे में कहा जा रहा है कि यह चुनाव जयपुर में ध्रुवीकरण की ओर जा सकता है और ध्रुवीकरण होने पर जहां भाजपा सोचती है कि उसे फायदा मिलेगा, वहीं जयपुर की इन चारों सीटों पर मुस्लिम मतदाताओं की बड़ी संख्या ध्रुवीकरण में कांग्रेस का भी फायदा करवा सकती है। यही कारण है कि भाजपा चारदीवारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लाना चाहती है। वहीं कांग्रेस भी 19 नवंबर को राहुल गांधी की पदयात्रा जयपुर में करने जा रही है। ऐसे में यहां उम्मीदवारों की पहचान तो उनके काम आएगी ही, वहीं ध्रुवीकरण के बाद अल्पसंख्यकों का मतदान प्रतिशत क्या रहता है और हिंदुओं का मतदान प्रतिशत क्या रहता है। यह भी चुनाव परिणाम को काफी प्रभावित करने वाला होगा।

जहां तक चारदीवारी के बाहर की चारों सीटों की बात करें, तो सांगानेर में भाजपा के भजनलाल शर्मा और कांग्रेस के पुष्पेंद्र भारद्वाज के बीच मुकाबला है। वहीं बगरू में एक बार फिर पुराने प्रतिद्वंद्वी वर्तमान विधायक गंगा देवी के सामने भाजपा के पूर्व विधायक कैलाश वर्मा मुकाबले में हैं। मालवीय नगर में भी दोनों पार्टियों के पुराने प्रतिद्वंदी कांग्रेस से अर्चना शर्मा तीसरी बार, वहीं भाजपा के वर्तमान विधायक कालीचरण सराफ आमने-सामने हैं। विद्याधर नगर से कांग्रेस ने एक बार फिर सीताराम अग्रवाल को, तो भाजपा ने नरपत सिंह राजवी के स्थान पर संसद दीया कुमारी को मैदान में उतारा है।

चारदीवारी के बाहर की इन चार में से तीन सीट सांगानेर, मालवीय नगर और विद्याधर नगर भाजपा का गढ़ कहलाती है क्योंकि परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई इन सीटों में अभी तक कांग्रेस का खाता नहीं खुल पाया है। वहीं बगरू में मुकाबला बराबरी का रहता है यहां दो बार कांग्रेस तो एक बार भाजपा जीत चुकी है। इन चारों सीटों पर ध्रुवीकरण का बहुत ज्यादा असर नहीं होता, क्योंकि इन चारों ही सीटों पर बहुतसंख्यक मतदाताओं की संख्या ज्यादा है। वहीं बगरू में बात करें, तो मुस्लिम इन बाकी सीटों से ज्यादा है। वही मालवीय नगर में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या सबसे कम है। ऐसे में इन चारों सीटों पर हार जीत इस बात पर निर्भर करती है कि कौन सा उम्मीदवार लोगों को प्रभावित करने में सफल होता है।

## ई.वी.एम.मशीनों की कमिशनिंग शुरू

**जयपुर**, (का.सं.)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की पालना में बुधवार को अभ्यर्थियों या उनके प्रतिनिधियों की मौजूदगी में प्रदेश भर में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं वीवीपीएटी की कमिश्निंग के कार्य की शुरुआत हुयी। इस दौरान पहली बार अभ्यर्थियों या उनके प्रतिनिधियों ने सिंबल लोडिंग की प्रक्रिया टीवी मॉनिटर के माध्यम से देखी। विधानसभा आम चुनाव-2023 में पहली बार अभ्यर्थी या उनके प्रतिनिधि को ये सुविधा मिली है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि एम-3 ईवीएम बीयू, सीयू एवं वीवी पेट मशीनों की कमिश्निंग का कार्य बुधवार से राज्य के समस्त जिलों में प्रारंभ हुआ। ईवीएम वीवीपेट मशीनों की कमिश्निंग का कार्य आगामी 4 दिवस में पूर्ण कर लिया जाएगा।

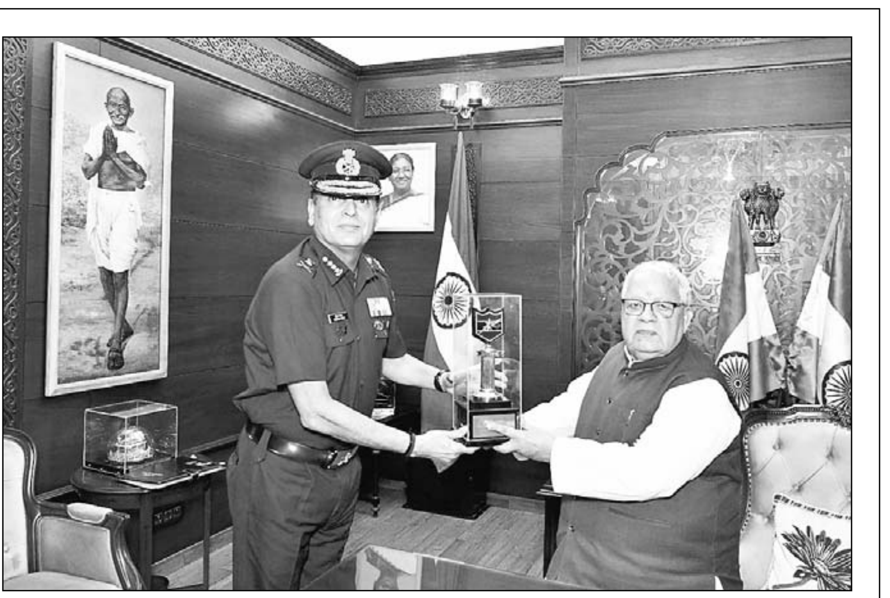

राज्यपाल कलराज मिश्र से बुधवार को राजभवन में सप्त शक्ति कमांड के लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

# कांग्रेस ने 49 नेताओं को किया निष्कासित

## पार्टी के खिलाफ बागी होकर लड़ रहे हैं चुनाव

**जयपुर**, (का.प्र.)। राजस्थान में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के अधिकृत प्रत्याशियों के विरूद्ध चुनाव लड़ने वाले कांग्रेस नेताओं तथा पार्टी द्वारा जारी चेतावनी के बावजूद अधिकृत प्रत्याशी के पक्ष में रिटायर ना होकर चुनाव लड़ते हुए कांग्रेस के अधिकृत उम्मीदवार का विरोध कर नुकसान पहुंचाने वाले बागी उम्मीदवारों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए छः वर्ष के लिए निष्कासित करने के आदेश जारी किए हैं।

पार्टी ने विधानसभा क्षेत्र राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ से जौहरीलाल मीना, राहुल कुमार मीना, शीला मीना, पुष्कर से डॉ. श्रीगोपाल बाहेती, श्रीगंगानगर से करूणा अशोक चाण्डक, नगर से डॉ. गोविन्द शर्मा, सादुलशहर से ओम बिश्नोई, सिवाना से सुनील परिहार, केशोरायपाटन से राकेश बोयत, छबड़ा से नरेश कुमार मीना, सवाईमाधोपुर से डॉ. अजीजुद्दीन आजाद, मालपुरा से गोपाल गुर्जर, नागौर से हबीबुर्रहमान खान अशरफी, शिव से फतेह खान, सरदारशहर से राजकरण चौधरी, मनोहरथाना से कैलाश मीना, डूंगरपुर से देवराम रोत, चौरासी से महेन्द्र बरजोड़, लूणकरणसर से वीरेन्द्र बेनीवाल, विराटनगर से रामचन्द्र सराधना, भीमसहन गुर्जर, झोटवाड़ा से सुरज्ञान सिंह घौसल्या, हरिकिशन तिवारी, टोडाभीम से राघव मीना, कल्पना, महुआ से रामनिवास गोयल, बसेड़ी से खिलाड़ी लाल बैरवा, जालोर से रामलाल मेघवाल, धरियावद से विशेष कुमार मीना, सागवाड़ा से पन्नालाल डोडियार, श्रीमाधोपुर बलराम यादव, हनुमानगढ़ से गणेश राज बंसल, सांचौर से डॉ. शमशेर अली सैय्यद, मुण्डावर से अंजली यादव, किशनगढ़ बास से सिमरत संधू, उदयपुरवाटी से मीनू सैनी, लोहावट से सत्यनारायण विश्नोई, मसूदा से वाजिद खान, कोलायत से रेवतराम पंवार, परबतसर से लच्छाराम बढ़ारड़ा, जोधपुर से डॉ. अजय त्रिवेदी, आदर्श नगर से उमरदराज, देवली-उनियारा से डॉ. विक्रम सिंह गुर्जर, सोजत से अशोक खाण्डपा मेघवाल, हिण्डौन से बृजेश जाटव, कपासन से आनन्दी राम खटीक, संगरिया से डॉ. परम नवदीप सिंह, धोद से महेश मोरदिया तथा निवाई से प्रहलाद नारायण बैरवा के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए छः वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित करने के आदेश जारी किए हैं।

# सिविल लाइंस की बहनों ने गोपाल शर्मा का किया विजय तिलक

**जयपुर**। सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार वरिष्ठ पत्रकार गोपाल शर्मा ने बुधवार को सोडाला, हसनपुरा, पानीपेच, नेहरू नगर, बनीपार्क और शास्त्रीनगर के कांवटिया सर्किल पर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ सघन जनसंपर्क किया। भाजपा के झंडे लहराते कार्यकर्ताओं ने जय श्रीराम और वंदे मातरम् के जयघोष से वातावरण को भाजपामय बना दिया। सुबह के जनसंपर्क की शुरुआत मजदूर नगर से की। यहां जब्बर महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ और हनुमान जी महाराज के दर्शन किए। मंदिर के पुजारी ने गोपाल शर्मा को विजयश्री का आशीर्वाद दिया।

वहीं, भाई दूज का त्यौहार होने के कारण मजदूर नगर और हसनपुरा क्षेत्र में जनसंपर्क के दौरान भाजपा उम्मीदवार गोपाल शर्मा को बहनों का अपार स्नेह और समर्थन मिला। जगह-जगह बहनों ने पूजा की थाली लेकर गोपाल शर्मा का विजय तिलक किया और भाई दूज पर विजयश्री का कामना की। साथ में ही हाथ पर रक्षा सूत्र बांधकर माता और बहनों ने रक्षा का संकल्प लिया। गोपाल शर्मा ने आश्वस्त किया कि जीत और हार अपनी जगह। वह अपनी बहनों की रक्षा के लिए हमेशा समर्पित रहेंगे। हसनपुरा क्षेत्र में शर्मा का ढोल-नगाड़ों के साथ पुष्पवर्षा कर जोरदार स्वागत किया गया। लोगों ने उत्साहपूर्वक आतिशबाजी की।

हर वर्ग के लोगों से गोपाल शर्मा आत्मीयता से मिले और उनकी हर परेशानी को दूर करने का आश्वासन दिया। लोगों ने जगह-जगह गोपाल शर्मा के सिर पर साफा बांधकर स्वागत किया। वहीं बच्चों में गोपाल शर्मा के साथ फोटो खिंचवाने का क्रेज रहा। रामनगर सोडाला में राधा कृष्ण मंदिर के आसपास के क्षेत्र में शर्मा को बहुत ही गर्मजोशी से स्थानीय लोगों ने स्वागत किया।

## अब तक 600 करोड़ रूपये सीज किये

**जयपुर**, (का.सं.)। प्रदेश में विधानसभा चुनाव को देखते हुए निर्वाचन विभाग ने 9 अक्टूबर से अब तक 600 करोड़ रुपये सीज किये हैं। 2018 के चुनावों के 65 दिन के मुकाबले इस चुनाव में केवल 36 दिन में 858 फीसदी सीजर बढ़ा है।

दस जिले 20 करोड़ से ज्यादा सीज करने वाले हैं जिनमें जयपुर 99.25 करोड़, अलवर 33.97 करोड़, जोधपुर 28.56 करोड़, बूंदी 23.75 करोड़, अजमेर 23.19 करोड़, उदयपुर 22.82 करोड़, भीलवाड़ा 22.72 करोड़, चित्तौड़गढ़ 22.42 करोड़, नागौर 22.21 करोड़ और बीकानेर 20.84 करोड़ शामिल हैं।

# महिला सुरक्षा के लिये लगाए हैं सी. सी. टी. वी. कैमरे : खाचरियावास

**जयपुर**। कैबिनेट मंत्री एवं सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी प्रताप सिंह खाचरियावास ने वार्ड नंबर 47 में रामनगर, गणेश कॉलोनी, गौतम पथ, तेजाजी का मंदिर, रामदेव जी का मंदिर का पैदल दौरा कर जनसभाओं को संबोधित किया। वार्ड नंबर 46 में पंचवटी कॉलोनी में महिला सम्मेलन को संबोधित किया।

महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि जयपुर की राजधानी सिविल लाइंस में 5 करोड़ 3 लाख रुपए की लागत से प्रत्येक कॉलोनी में कैमरे लगाए जा रहे हैं, हमने वादा किया था सुरक्षा के मध्य नजर सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र की सभी कॉलोनियों मे कैमरे लगाए जाएंगे, उपस्थित महिलाओं ने सिविल लाइंस विधानसभा क्षेत्र में कैमरे लगाए जाने पर खाचरियावास को आने वाले चुनाव में पूर्ण समर्थन देने का वचन दिया। महिलाओं ने कहा कि खाचरियावास हमारा भाई और बेटा बनकर हर समय हमारी समस्याओं का समाधान करता है, आज जब वह चुनाव मैदान में उतरा है तो हम सभी महिलाएं प्रताप सिंह खाचरियावास को हाथ के निशान का बटन दबाकर चुनाव में भारी मतों से विजय दिलाएंगे। इसके बाद खाचरियावास ने बनीपार्क स्थित बड़ोदिया बस्ती, फुस का बंगला, कबीर मार्ग में पैदल दौरा कर जनसंपर्क किया और कबीर मार्ग पर जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान लोगों ने खाचरियावास का आतिशबाजी, पटाखे एवं ढोल नगाड़े बजाकर भव्य स्वागत किया। जगह-जगह कॉलोनी में मां बहन बेटियों ने खाचरियावास को तिलक लगाकर एवं पुष्प वर्षा करके स्वागत किया और विजय का आशीर्वाद दिया।

## नड्डा कल जयपुर आएंगे

**जयपुर**। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा कल एक दिवसीय प्रवास पर राजस्थान आएंगे इस दौरान वे विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। तय कार्यक्रमानुसार जेपी नड्डा सुबह 10 बजे जयपुर एयरपोर्ट पर पहुंचेंगे जहां भाजपा प्रदेश पदाधिकारी और कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे। इसके बाद सुबह 10:30 बजे भाजपा प्रदेश मीडिया सेंटर पर भाजपा के संकल्प-पत्र के विमोचन कार्यक्रम में भाग लेंगे। दोपहर बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जगतप्रकाश नड्डा दौसा के महुवा और सिकराय में दो विशाल जनसभाओं को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद शाम को जयपुर में विभिन्न बैठकों और कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

## पुलिस पर्यवेक्षक से आमजन कर सकते हैं मुलाकात

**जयपुर**, (का.सं.)। आगामी विधानसभा चुनाव के दौरान पुलिस पर्यवेक्षक गौरव शर्मा से प्रत्याशी, राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि एवं आमजन संपर्क एवं व्यक्तिगत मुलाकात कर चुनाव संबंधी समस्या, सुझाव, आचार संहिता के उल्लंघन की जानकारी साझा कर सकते हैं।

शर्मा से जयपुर स्थित सर्किट हाउस के कमरा नंबर 120 में प्रतिदिन सांय 4:30 से 5:30 बजे तक व्यक्तिगत मुलाकात की जा सकती है, साथ ही, मोबाइल नंबर 9460848657 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

गौरतलब है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी गौरव शर्मा को दूदू, बगरू, बस्सी, चाकसू, फुलेरा एवं सांगानेर विधानसभा क्षेत्रों के लिए पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

# सतरंगी सप्ताह 16 से

■ कम मतदान वाले केन्द्रों पर रहेगा विशेष फोकस

**जयपुर**, (का.सं.)। प्रत्येक मतदाता तक मतदान का संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से 16 से 22 नवंबर तक प्रदेशभर में सतरंगी सप्ताह आयोजित किया जाएगा। इसके तहत प्रतिदिन जिला मुख्यालय से लेकर ग्राम पंचायत तक मतदान जागरूकता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम होंगे। प्रत्येक कार्यक्रम की थीम, स्लोगन और लक्षित वर्ग निर्धारित की गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने विधानसभा चुनाव- 2018 में कम मतदान वाले केन्द्रों पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने अवगत कराया कि सप्ताह भर विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। इस दौरान गत विधानसभा चुनाव में कम मतदान वाले केंन्द्रों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए के विशेष प्रयास होंगे इसके लिए प्रत्येक कार्यक्रम के जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर एवं 51756 मतदान केन्दों तक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। वहीं स्वीप से जुड़े इक्कीस विभागों की भागीदारी भी इनमें रहेगी।

उन्होंने बताया कि पहले दिन 16 नवंबर को लोक नृत्यों के माध्यम से पीवीटीजी, विमुक्त और घुमंतू वर्ग के मतदाताओं को जागरूक किया जाएगा। पहले दिन का थीम का रंग वायलेट और स्लोगन हम भी नाचेंगे -गायेंगे यें , वोट डालकर आएंगे रहेगा। दूसरे दिन 17 नवंबर को म्यूजिकल बैंड की सुर लहरियो के माध्यम से कामगार, मजदूर, दिहाडी मजदूरों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही मतदाता शपथ का कार्यक्रम भी होगा। इस दिन की थीम का रंग इंडिगो और स्लोगन अंगुली पर निशान,राष्ट्र के नाम तय किया गया है। इसी प्रकार 18 नवंबर को वॉकाथोन का आयोजन होगा। इसमें सेवारत मतदाता, सरकारी कार्मिक, खिलाड़ी, शिक्षक, शारीरिक शिक्षक, पुलिस के जवान शामिल होंगे। इस दिन का रंग ब्लू तथा स्लोगन कर्तव्य पथ पर, राष्ट्रहित में रहेगा।

## गडकरी आज करेंगे रोड शो

**जयपुर**। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी गुरूवार को विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी दीया कुमारी के साथ एक रोड शो में भाग लेंगे। यह रोड शो सायं 4:30 बजे से विद्याधर नगर स्थित परशुराम सर्किल से शुरू होकर आरसी पैराडाइज, नाड़ी का फाटक पर समाप्त होगा। इसके बाद नितिन गडकरी विद्याधर नगर विधानसभा में जनसभा को संबोधित करेंगे। दीया कुमारी का चुनाव प्रचार अपने चरम पर है।

दीया कुमारी ने बुधवार को दिन की शुरुआत में ढेहर के श्री बालाजी महाराज के दर्शन करके आशीर्वाद प्राप्त कर प्रभु से लोकमंगल की कामना की। इसके उपरांत उन्होंने वार्ड 26 और वार्ड 35 में जनसभाओं को सम्बोधित किया।

# नाइट क्लब एवं डांस बार से 36 जने गिरफ्तार

■ थाना वैशाली नगर में स्थित अवैध एंडोर क्लब एवं डांस बार के खिलाफ कार्यवाही

■ नियमों के विरूद्ध संचालित किया जा रहा था डांस बार

**जयपुर**, (का.सं.)। आम्रपाली वैशाली नगर स्थित अवैध रूप से संचातिल डांस बार एंडोर क्लब में देर रात्रि में युवक-युवतियों द्वारा शराब पीकर हंगामा करने की सूचना पर पुलिस थाना वैशाली नगर जयपुर (पश्चिम) की टीम के साथ कार्यवाही करते हुये मौके पर शांति भंग करने वाले 36 व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही कर थाना वैशाली नगर जयपुर (पश्चिम) में गिरफ्तार किया गया। पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ व अति. पुलिस आयुक्त (प्रथम), कैलाश चन्द्र बिश्नोई के निर्देश पर रानू शर्मा, अति. पुलिस उपायुक्त, संगठित अपराध, आयुक्तालय जयपुर के निकट सुपरविजन में आयुक्तालय जयपुर की टीम के मनीष कुमार, पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में टीम द्वारा आसूचना संकलन कर कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार लोगों में नवीन कुमार, सुनिल कुमार जाबडोलिया, अभिषेक शर्मा, मोहम्मद इरशाद, हंसराम मीणा, शौकीन कुरैशी, उमंग राज, इमरान खान उर्फ बन्टी, मोहम्मद सोयल, सलमान, सिद्धार्थ भण्डारी, लक्की धीरवानी, शक्ति सिंह, शाकिर खान, मोहसिन, पायलेट सैनी, विश्वेन्द्र सिंह, रणजीत सिंह, विकास मेहता, समीर खान, मोतीलाल उर्फ कार्तिक, फूलचन्द बिलोनिया, अनुपम सिंह, दीपक यादव, भवानी शंकर, अमित गुप्ता, फरहान, उम्मेद खान, जाहिद हुसैन, अजय कुमार, राहुल वर्मा, इमरान, राकेश यादव, महेन्द्र शर्मा, प्रवीण गुप्ता, वीर सिंह शामिल हैं। पुलिस टीम के सदस्य में मनीष कुमार पुलिस निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक दीपक कुमार त्यागी, हैड कांस्टेबल मौ. मरगूब, कांस्टेबल राजेश कुमार, अजय कुमार, कृष्णपाल, रविन्द्रपाल सिंह शामिल हैं।

# लाल डायरी का जिक्र होते ही मुख्यमंत्री गहलोत की बौखलाहट बढ़ जाती है : जयराम ठाकुर

■ 'हिमाचल के लोगों को कांग्रेस ने झूठी गारंटियों के नाम पर ठगा राजस्थान की जनता उसका शिकार ना हो मेरा केवल यही प्रयास है'

■ 'राजस्थान के लिए डबल इंजन की सरकार अति आवश्यक, कांग्रेस की विदाई तय'

**जयपुर**। हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और हिमाचल के नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भाजपा मीडिया सेंटर में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस की सभी गारंटियां पूरी तरह झूठ हैं। आज से करीब 11 महीने पहले हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव हुए थे जिसमें कांग्रेस ने राजस्थान की तरह ही गारंटियां दी थी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शिमला में प्रेसवार्ता करके कहा कि कांग्रेस के नेता राहुल गांधी जो वादा करते हैं उसे पूरा करते हैं। आपके राजस्थान में 10 दिन में किसानों का संपूर्ण कर्ज माफ करने वादा भी किया था उसका क्या हुआ? बिल्कुल इसी तरह हिमाचल के लोगों को झूठी गारंटियों में गुमराह किया गया। राजस्थान की जनता को समझने की जरूरत है कि वह इस तरह के झूठे प्रलोभन में ना आए। हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सरकार बनने से पहले कांग्रेस ने 10 गारंटीयां दी थी जिसमें कहा गया था कि प्रदेश की 18 साल से 70 साल उम्र की 22 लाख महिलाएं हैं उनके लिए कैबिनेट की पहली ही बैठक में निर्णय लिया जाएगा कि उनके खाते में 1500 रुपए प्रत्येक महीने डाले जाएंगे। लगभग 12 महीने हो चुके लेकिन अभी तक किसी महिला के खाते में एक रुपया भी नहीं आया। इसके अलावा कांग्रेस ने गारंटी दी थी कि 300 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाएगी, लेकिन मुफ्त बिजली देना तो दूर कांग्रेस सरकार ने वहां बिजली की दरें बढ़ा दी। दूसरी ओर भाजपा ने बिना गारंटी के भी वहां काम किया और जो पहले से ही 125 यूनिट बिजली मुफ्त मिलती थी वह चालू रखी।

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और हिमाचल के नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भाजपा मीडिया सेंटर में प्रेसवार्ता को संबोधित किया।

हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री और हिमाचल चुनाव के प्रभारी भूपेश बघेल ने चुनाव के दौरान वादा किया था कि गाय का गोबर दो रुपये किलो में खरीदा जाएगा, लेकिन वह भी पूरी तरह झूठा निकला। जबकि छत्तीसगढ़ का गोबर घोटाला लोगों को ध्यान जरूर है। बघेल ने कहा था कि हिमाचल में बागवानी बड़े स्तर पर की जाती है, कांग्रेस सत्ता में आई तो यहां की फसलों का रेट किसान खुद तय करेगा, हिमाचल में सेब का 5000 करोड़ का व्यापार होता है यहां के लोग झांसे में आ गए जबकि धरातल पर हालात बेहद खराब हैं।

हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने भूपेश बघेल पर तंज कसते हुए कहा कि आप यदि गूगल पर 508 टाईप करेंगे तो छत्तीसगढ़ का 508 करोड़ का महादेव ऐप घोटाला सामने आता है और भूपेश बघेल की फोटो सामने आती है। भूपेश बघेल ने हिमाचल में जाकर झूठे वादे किये अब वहां की जनता उन्हे तलाश कर रही है। इसके अलावा कांग्रेस ने वादा किया था कि हमारी सरकार बनते ही कैबिनेट की पहली बैठक में यह प्रस्ताव पारित होगा कि गाय का दूध 80 रुपये किलो और भैंस का दूध 100 रूपये किलो सरकारी रेट पर खरीदा जाएगा, जबकि हिमाचल में दूध के दाम पहले से कम होकर 30-32 रूपये किलो हो गए हैं। ठाकुर ने कहा कि राजस्थान में अभी तक जो 7 गारंटियां दी हैं उनमें अधिकांश वही हैं जो हिमाचल में दी गई थी। किसानों का संपूर्ण कर्जा माफ करने का वादा खोखला निकला उल्टा यह स्थिति हो गई कि लगभग 20000 से ज्यादा किसानों की जमीन नीलाम हो गई दर्जनों किसानों ने आत्महत्या कर ली। राजस्थान में भी गाय का गोबर खरीदने की बात कही है, जबकि लंपी वायरस के समय सबसे ज्यादा 70 प्रतिशत गौ माता राजस्थान में ही मरी थी जो लोग गाय की सुरक्षा नहीं कर सकते वो गोबर कैसे खरीद सकते हैं। राजस्थान में लाल डायरी का नाम सीएम गहलोत से ऐसे जुड़ गया कि जैसे लाल डायरी का जिक्र होता है मुख्यमंत्री गहलोत की बौखलाहट बढ़ जाती है। राजस्थान के लिए डबल इंजन की सरकार अति आवश्यक है, और आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ जीत हासिल करेगी और कांग्रेस की विदाई होगी।

## प्रदेश में अब तक 25,980 ने किया घर पर ही मतदान

**जयपुर**, (का.सं.)। राजस्थान विधानसभा आम चुनाव-2023 में 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाता भारत निर्वाचन आयोग की पहल पर पहली बार घर से ही उत्साहपूर्वक मतदान कर रहे हैं। बुधवार से शुरू हुयी होम वोटिंग में अब तक प्रदेश भर में 25,980 मतदाताओं ने घर से मतदान किया है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि राजस्थान विधानसभा आम चुनाव-2023 के अंतर्गत प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा दिव्यांग मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा का विकल्प दिया गया है। प्रदेश में मंगलवार को होम वोटिंग के पहले दिन 9,687 बुजुर्ग तथा 2,655 दिव्यांग एवं बुधवार को 10,354 बुजुर्ग एवं 2701 दिव्यांग मतदाताओं ने घर से मतदान करने की सुविधा का लाभ लिया। उन्होंने बताया कि पात्र 62927 मतदाताओं ने विकल्प के तौर पर होम वोटिंग सुविधा के लिए आवेदन किया है।

## ऐतिहासिक जीत के साथ भाजपा सरकार बनाएगी : डॉ. सतीश पूनिया

जयपुर। आमेर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक गाँव-ढाणी पहुंचकर जनता से संवाद कर विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया निरंतर जनसंपर्क कर आशीर्वाद ले रहे हैं।

सुबह से लेकर रात तक जनसम्पर्क कर पूनिया प्रतिदिन 17-18 घंटे परिश्रम कर रहे हैं। आज जनसंपर्क के दौरान 21 से अधिक गाँवों में सतीश पूनिया का जनता और कार्यकर्ताओं ने फूलों की बारिश कर भव्य स्वागत अभिनंदन किया। डॉ. पूनिया ने आज दादर, देवका हरवाड़ा में दूध व्यवसाय से जुड़े किसानों से संवाद किया, खोरा श्यामदास इत्यादि कई गांवों में जनसम्पर्क कर किसानों और युवाओं से अपील कर राजस्थान में भाजपा की प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने के लिए आमेर में भाजपा को भारी मतों से जिताने का निवेदन किया। उन्होंने कहा कि, आमेर से लेकर पूरे राजस्थान में साफ दिख रहा है कि भाजपा भारी बहुमत से जीतेगी और ऐतिहासिक जीत के साथ भाजपा सरकार बनाएगी।

## 'राजस्थान में युवाओं को ना प्रशिक्षण मिला और ना रोजगार'

**जयपुर**। भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ. अलका गुर्जर ने एक बयान जारी कर कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने पिछले 5 सालों तक बेरोजगार युवाओं के साथ धोखा किया और हजारों युवाओं को रोजगार के नाम पर नरेगा में काम थमा दिया। कांग्रेस सरकार की युवाओं को लेकर गलत नीतियों के कारण ही बेरोजगारी दर देश में सबसे ज्यादा राजस्थान में है। यहां पर पिछले पांच साल से युवा बेरोजगारी भत्ते का इंतजार कर रहे हैं लेकिन उन्हें भत्ता नहीं दिया गया है। वहीं रोजगार मांग रहे युवाओं पर पुलिस बल का प्रयोग भी कांग्रेस शासन में ही देखने को मिला है। हाल यह है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की नीतियों के कारण बेरोजगारी की दर 28.03 फीसदी पहुंच गई है।

# परंपरागत वेशभूषा पहने रोबीलों ने बाइक रैली से दिया मतदान करने का संदेश

**बीकानेर, (कासं)।** मतदाता जागरूकता की विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से गत एक महीने में 10 लाख से अधिक लोगों तक पहुंचकर रोबीलों ने बाइक रैली से मतदान करने का संदेश दिया।

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी और स्वीप प्रभारी नित्या के. ने बताया कि आगामी विधानसभा चुनाव में प्रत्येक मतदाता अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें, इसके मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी भगवती प्रसाद कलाल के निर्देशानुसार मतदाता जागरूकता की सघन गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इनमें 17 साल के भावी मतदाताओं से लेकर शतायु मतदाताओं का योगदान रहा।

बीकानेर में स्वीप गतिविधियों के तहत मूंछदार रोबीलों ने बाइक रैली से मतदान का संदेश दिया।

उन्होंने बताया कि 17 अक्टूबर को चालू हुए अभियान के तहत 14 नवम्बर तक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के 10 लाख से ज्यादा मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया गया है। इस दौरान शपथ, रंगोली, दीपदान, विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अब तक 2 लाख 25 हजार मतदाताओं ने विभिन्न कार्यक्रमों में मतदान की शपथ ली और अपने परिवारजनों एवं अन्य रिश्तेदारों को भी मतदान के लिए प्रेरित किया। इस दौरान जिले के सभी सरकारी कार्यालयों, नरेगा और शहरी रोजगार गारंटी योजना कार्यस्थलों पर कार्यक्रम हुए। इनमें बड़ी संख्या में मतदाताओं ने भागीदारी निभाई। उन्होंने बताया कि एक दिन वृहद स्तर पर वोटर हेल्पलाइन और सी विजिल ऐप डाउनलोड करवाया गया।

मतदाताओं ने इनके माध्यम से मतदान से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। इस कार्यक्रम में 1 लाख 34 हजार 29 लोगों की भागीदारी रही। मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए मतदाताओं के साथ बैठकें, चर्चा व संवाद कार्यक्रम हुए। इनमें एक लाख 42 हजार 8 सौ 71 लोग शामिल हुए। दीपावली से दो दिन पहले मतदाताओं की भागीदारी से 1 लाख से ज्यादा दीप प्रज्वलित कर मतदान का संदेश दिया गया।

इसमें 35 हजार लोग शामिल हुए। दीपोत्सव के माध्यम से जगह-जगह स्वीप, वोट, माय वोट, माई राइट, मतदान दिवस 25 नवम्बर जैसे संदेश दीपों के माध्यम से उकेरे गए। पचास हजार से अधिक स्कूली विद्यार्थियों की कार्य पुस्तकों और डायरी में मतदान अवश्य करें। मतदान दिवस 25 नवम्बर की मोहर लगाकर विद्यार्थियों के माध्यम से उनके अभिभावकों और रिश्तेदारों को मतदान का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रक्रिया के प्रति जानकार और जागरूक बनाने हेतु विद्यालय में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम आयोजित हुए। इनमें चुनाव प्रक्रिया से जुड़े प्रश्न उनसे पूछे गए।

इस कार्यक्रम में पूरे जिले के 85 हजार 6 सौ 13 विद्यार्थियों ने भागीदारी निभाई। आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मतदान की मेहंदी के माध्यम से 37 हजार 7 सौ 63 मतदाताओं तक शत -प्रतिशत मतदान का संदेश दिया गया। इस तरह पूरे जिले में मानव श्रृंखला के आयोजन में 78 हजार 3 सौ 78 मतदाताओं, रैलियों और प्रभात फेरियों में 44 हजार 4 सौ 9, दशहरा महोत्सव में 32 हजार 8 सौ 35 एवं अलग-अलग स्थान पर रंगोली के माध्यम से 30 हजार एक सौ 4 मतदाताओं के माध्यम से मतदान का संदेश दिया गया।

> ■ 14 नवम्बर तक शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के 10 लाख से ज्यादा मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया

26 हजार 6 सौ 72 मतदाताओं को सी-विजिल ऐप डाउनलोड करवाया गया। इस तरह पोस्टर निर्माण, कविता एवं गीत रचना, घर-घर संपर्क, जागरूकता से जुड़े नारों के लेखन वाद विवाद प्रतियोगिता, संदेश, जागरूकता दीवारों, डांडिया महोत्सव, गीत रचना, वोट मैराथन साइकिल रैली, बाइक रैली, फूलों की रंगोली, काव्य पाठ कंपटीशन, सेंड आर्ट जैसे अनेक कार्यक्रमों से दस लाख से अधिक लोगों तक पहुंच बनाई गई है।

## दीपावली स्नेह मिलन समारोह

**हनुमानगढ़, (कासं)।** स्वयंसेवी संस्था एकता मंच हनुमानगढ़ का दीपावली स्नेह मिलन समारोह उल्लास के साथ मनाया गया।

शहरी कोलाहल से दूर, शांत-हरे-भरे वातावरण में रेयान कॉलेज परिसर में एकता मंच सदस्यों और शहर के गणमान्य नागरिकों ने समारोह का आनंद उठाया। कार्यक्रम का आगाज मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित करके शुरू किया गया। एकता मंच अध्यक्ष विनोद दुग्गल, नीलकंठ सेवा समिति अध्यक्ष अश्विनी नारंग, व्यापार मंडल हनुमानगढ़ अध्यक्ष प्यारेलाल बंसल एवं रेयान कॉलेज प्रिंसिपल डॉक्टर संतोष राजपुरोहित ने मां भारती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके कार्यक्रम का आगाज किया।

कार्यक्रम में एकता मंच अध्यक्ष विनोद दुगड़, उपाध्यक्ष हेमंत गोयल, पूर्व अध्यक्ष गणेश सोलंकी, पूर्व अध्यक्ष गुरदीप सिंह, कोषाध्यक्ष आशीष गोयल प्रभारी कार्यक्रम प्रभारी सतीश गोयल, सदस्य राजेन्द्र ग्रोवर, संजीव गोयल, पारस गर्ग, लविश जिंदल, राजेश भूतना, नीलकंठ सेवा समिति के अध्यक्ष अश्विनी नारंग, उपाध्यक्ष रामचंद्र बाघला, उपसचिव चिमनलाल मित्तल, सदस्य वीरेन्द्र गोयल सदस्य सुरेश गुप्ता, व्यापार मंडल अध्यक्ष प्यारे लाल बंसल, गणमान्य नागरिक दिवेश नागपाल उर्फ देबू, अनिल मिश्रा, यशु नारंग, मनीष कौशिक, साहिल दुगड़, सुंदर बंसल, सुरेन्द्र सैनी, सुरेश गोयल आदि मौजूद थे।

## सार-समाचार

### बाल कविता संग्रह का लोकार्पण

साहित्यकार कमल रंगा ( बीच में ) ने गौरी के बाल कविता संग्रह 'मुझे याद आता है बचपन सुहाना' का लोकार्पण किया।

**बीकानेर, (कासं)।** अदब सराय बीकानेर द्वारा बीकानेर के जाने-माने वरिष्ठ शायर लेखक वली मोहम्मद गौरी रज़वी 'वली' के पंडित जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी एवं साहित्यगार प्रकाशन जयपुर की तरफ से प्रकाशित पहले बाल कविता संग्रह 'मुझे याद आता है बचपन सुहाना' का लोकार्पण समारोह बाल दिवस के अवसर पर स्थानीय महारानी सुदर्शन आर्ट गैलरी नागरी भण्डार में नगर के साहित्यकारों की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ कवि कथाकार कमल रंगा ने बाल पुस्तकों के लुप्त होने पर चिंता प्रकट करते हुए कहा कि बच्चों को साहित्य से जोड़ना बहुत ज़रूरी है। इसलिए नगर के प्रत्येक रचनाकार को निरंतर बाल साहित्य की पुस्तक अवश्य लिखनी चाहिए। साथ ही आपने बाल साहित्य के इतिहास पर भी संक्षेप में रोशनी डाली। आज लोकार्पित हुई बाल कविता संग्रह के लेखक वली गौरी ने इस पुस्तक के माध्यम से मूल्यों की शिक्षा दी है, जिससे बाल साहित्य एवं पुस्तक संस्कृति को बल मिलेगा। अदब सराय संस्था की ओर से शायर लेखक वली मोहम्मद गौरी को शॉल, साफा, माल्यार्पण एवं साहित्यिक कृति भेंट करके अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। नागरी भण्डार पाठक मंच, अज़ीज आज़ाद लिटरेरी सोसायटी एवं राष्ट्रीय कवि चौपाल बीकानेर द्वारा भी वली मोहम्मद गौरी को शॉल,माल्यार्पण एवं उपहार भेंट करके सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष वरिष्ठ कवि कथाकार कमल रंगा ने संग्रह के शीर्षकों पर लिखी अपनी भावप्रद कविता वली मोहम्मद गौरी को भेंट की।

### भाजपा प्रत्याशी ने जनसंपर्क किया

**सादुलपुर, (निसं)।** भाजपा प्रत्याशी सुमित्रा पूनियां ने मंगलवार को सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जनसंपर्क किया। इस दौरान पूर्व विधायक कमला कस्वां व भाजपा की टीम उनके साथ रही। जनसंपर्क के दौरान भाजपा प्रत्याशी सुमित्रा पूनियां ने कहा कि सादुलपुर में सुशासन और विकास के रास्ते पर आगे लेके जाना ही उनका लक्ष्य है। ऐसी व्यवस्था जिसमें सबका साथ हो, सबका सम्मान हो और विकास के काम हों, इसके लिये भरपूर प्रयास करेंगे। पूर्व विधायक कमला कस्वां ने कहा कि सुमित्रा पूनियां युवा और महिला होने के नाते सभी समस्याओं और जिम्मेदारीयों से अवगत है और सादुलपुर क्षेत्र की भरपूर सेवा और विकास कार्य करेगी। हमने विकास की राजनीति को आगे बढाने के लिये बहुत बडा फैसला लिया है। इस अवसर पर उनके साथ पंचायत समिति प्रधान विनोद पूनियां व पूर्व बीडीसी सदस्य राजेश पूनियां सहित अन्य भाजपा कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

### करणी सेना की बैठक आयोजित

**सूरजगढ़, (निसं)।** आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए करणी सेना जिला उपाध्यक्ष अजीत सिंह बिजौली के नेतृत्व में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान युवाओं ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर चिंतन मनन किया। इस दौरान युवाओं ने कहा कि दोनों पार्टियां चुनाव के समय समाज के लोगों को बहला फुसलाकर वोट बटौर लेती है समाज की जायज मांगों को दरकिनार कर दिया जाता है। उन्होनें बताया कि विधानसभा क्षेत्र में राजपूत समाज के करीब तीस हजार वोट होने के बावजूद भी समाज के युवाओं को सिर्फ आश्वासन देकर शांत कर दिया जाता है जो हमारा दुर्भाग्य है। बैठक के दौरान समाज के युवाओं ने कस्बे में महाराणा प्रताप चौक सहित राजपूत छात्रावास के निर्माण की मांग रखी। जिला उपाध्यक्ष के नेतृत्व में युवाओं ने हुंकार भरते हुए कहा अगर हमारी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो समाज की बड़ी बैठक कर समाज हित में बड़ा निर्णय लिया जाएगा। इस मौके पर समाज के लक्ष्मण सिंह, आशीष सिंह तंवर, हीरा सिंह चौराड़ी, रतन सिंह, शेर सिंह, राजु सिंह, मेघ सिंह, समुन्द्र सिंह, भगवान सिंह, जगमाल सिंह सहित समाज के युवा मौजूद रहे।

### वरिष्ठ जनों का सम्मान किया

**चूरू, (कासं)।** चांदनी चौक स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में समाज के वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान किया गया। अग्रवाल समाज के प्रमोद कुमार क्याल ने बताया कि कार्यक्रम में गोपीराम भावसिंहका, राधेश्याम भावसिंहका, सत्यनारायण महनसरिया, मुरलीधर गोयनका, इन्द्रचन्द दूधवेवाला, डॉ. प्रेम प्रकाश गोयल, काशीराम क्याल, महावीर प्रसाद गोटेवाला सहित अनेक वरिष्ठ सदस्यों का माल्र्यापण कर व शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इसी क्रम में समाज के पार्षद विजय कृष्ण जालान, अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन के नवनिर्वाचित चूरू जिलाध्यक्ष संतोष महनसरिया व ताराचन्द सर्राफ का अभिनन्दन किया गया। इस दौरान अग्रवाल समाज के बालक-बालिकाओं ने गीत-संगीत, भाषण और भजनों की शानदार प्रस्तुतियां दी। इससे पूर्व अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। क्याल ने बताया कि इस अवसर पर सामाजिक कुरीतियों को त्याग करने का संकल्प लिया गया और कार्यक्रम स्थल पर जागरूकता के स्लोग्न लगाए गए। कार्यक्रम का संचालन प्रेम प्रकाश बगड़िया व अजय भालेरीवाला ने संयुक्त रूप से किया।

### पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही की मांग

**पाटन, (निसं)।** देश में चौथा स्तंभ कहलाने वाले पत्रकार आज के दौर में स्वयं की समस्याओं से संघर्ष कर रहे हैं। सर्दी, गर्मी, बरसात के समय में भी दिन भर दौड़ धूप कर समाचार एकत्रित करने वाले पत्रकारों को पुलिस टार्चर कर रही है।

# 80 साल के बुजुर्गों व दिव्यांगों ने घर बैठे मतदान किया

**हनुमानगढ़, (कासं)।** जिले में होम वोटिंग का कार्य 14 नवम्बर से शुरू हो गया। एडीएम कपिल यादव ने बताया कि 19 नवम्बर तक यह कार्य चलेगा। इसी तरह हनुमानगढ़ विधानसभा में पहले दिन खूब उत्साह के साथ होम वोटिंग करवाई गई।

हनुमानगढ़ एसडीएम दिव्या चौधरी ने बताया कि हनुमानगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 151 मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा दी गई है। पहले दिन करीब चालीस प्रतिशत मतदाताओं ने होम वोटिंग की। बताया जा रहा है कि हनुमानगढ़ विधानसभा क्षेत्र में पंद्रह नवम्बर को शत-प्रतिशत होम वोटिंग का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। निर्वाचन टीम के अनुसार 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन मतदाताओं के लिए प्रदेश में पहली बार विधानसभा आम चुनाव 2023 में होम वोटिंग की पहल की गई है।

इसके तहत मंगलवार को जिले की 5 विधानसभाओं में पात्र मतदाताओं को होम वोटिंग की सुविधा मिली। जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रूक्मणि रियार ने बताया कि बूथ लेवल अधिकारी घर-घर जाकर चिन्हित 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग श्रेणी के विशेष योग्यजन मतदाताओं को होम वोटिंग की जानकारी दी गई।

> ■ होम वोटिंग का काम 14 से 19 नवम्बर तक चलेगा

पहले दिन जिले की 5 विधानसभाओं में पात्र मतदाताओं को होम वोटिंग सुविधा दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि होम वोटिंग सुविधा का लाभ देने के लिये मतदान दल जिले की सभी विधानसभा क्षेत्र में निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार पात्र मतदाताओं के घर तक पहुंचे। यहां सभी आवश्यक तैयारियों के बाद निर्वाचन प्रक्रिया के तहत बूथ बनाकर होम वोटिंग करवाई गई।

इसके तहत हनुमानगढ़ विधानसभा में भाग संख्या 64 की 90 वर्षीय वरिष्ठ नागरिक सरला ने होम वोटिंग से मतदान करते हुए कहा कि अगर होम वोटिंग की सुविधा नहीं मिलती तो वो कभी वोट नहीं कर पाती। भादरा विधानसभा के गोगामेडी निवासी 85 वर्षीय सूरजमाल सिंह , विधानसभा संगरिया के भाग संख्या 62 निवासी दिव्यांग गौरव शर्मा ने होम वोटिंग सुविधा के जरिये मतदान की गोपनीयता बनाये रखते हुए मतदान किया।

जिले में नोहर विधानसभा में सर्वाधिक 458 मतदाता 80 वर्ष से अधिक उम्र और 112 पीडब्लयूडी सहित 570 मतदाता घर से मतदान करेंगे। इसके अतिरिक्त भादरा विधानसभा से 214 मतदाता 80 वर्ष से अधिक और 67 पीडब्लयूडी मतदाता सहित कुल 281, पीलीबंगा विधानसभा से 163 मतदाता 80 वर्ष से अधिक और 68 पीडब्लयूडी मतदाता सहित कुल 231, हनुमानगढ़ विधानसभा से 113 मतदान 80 वर्ष से अधिक और 38 पीडब्लयूडी मतदाता सहित कुल 151 और संगरिया विधानसभा से 102 मतदान 80 वर्ष से अधिक और 55 पीडब्लयूडी मतदाता सहित कुल 157 लोगों ने वोट डाले। होम वोटिंग का कार्य 14 नवम्बर से शुरू हो गया। एडीएम कपिल यादव ने बताया कि 19 नवम्बर तक यह कार्य चलेगा। मतदाता घर से मतदान करेंगें।

## रास आ रही होम वोटिंग प्रक्रिया

**नोहर, (निसं)।** विधानसभा आम चुनाव 2023 के मध्य नजर सत्यनारायण सुथार (एसडीएम) नोहर के नेतृत्व में सेक्टर ऑफिसर एवं मतदान दलों की टीमें होम वोटिंग प्रक्रिया द्वारा सीनियर सिटीजन एवं दिव्यांगजनों को मतदान करवा रही है जिसका आज दूसरा दिन है। होम वोटिंग प्रक्रिया के लिए कुल 29 टीमें गठित की गई है जिनमें से 10 टीमें आज होम वोटिंग प्रक्रिया पूरी करवाएंगे। इन 10 टीमों के द्वारा कुल 189 मतदाताओं कि होम वोटिंग प्रक्रिया पूरी कार्रवाई जावेगी। इसमें से 153 सीनियर सिटीजन तथा 36 दिव्यांगजन मतदाता है। दिव्यांगजन एवं वृद्ध मतदाता होम वोटिंग प्रक्रिया के संबंध में अपने अनुभव व्यक्त करते हुए बताते हैं कि यह निर्वाचन व्यवस्था में एक सकारात्मक कदम हैं । उनके अनुसार से उन्हें मतदान केंद्र तक जाकर वोट करने में अत्यधिक परेशानी होती थी जिस कारण कई बार वें मतदान करने से वंचित भी रह जाते थे जबकि इस बार निर्वाचन आयोग के होम वोटिंग नवाचार से उन्हें घर बैठे मतदान करने का मौका मिल रहा है। 14 नवंबर से 16 नवंबर तक होम वोटिंग प्रक्रिया द्वारा कुल 570 मतदातों द्वारा घर बैठे मतदान किया जाएगा।

# महिला मतदाताओं को मतदान की शपथ दिलाई

**हनुमानगढ़, (कासं)।** विधानसभा चुनाव में महिला मतदाताओं को मतदान के प्रति सजग करने के लिए कई तरह के आयोजन किए जा रहे हैं। मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए बुधवार को जिले के कम मतदान वाले 60 बूथों, ब्लॉक व जिला स्तर पर मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए आधी आबादी -पूरा मतदान विशेष अभियान के तहत रंगोली सजाई।

इससे महिला मतदाताओं को मतदान में भागीदारी बढ़ाने के लिए आव्हान किया गया। जिला स्तर पर जिला सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के पास चौराहे पर रंगोली सजाने का कार्य राजीविका की प्रभारी संजू पूनिया व उनकी टीम की सदस्य कोमल, कांता, जसवीर निर्मला, दर्शना द्वारा किया गया। दीपदान की शुरूआत नोडल अधिकारी स्वीप सुनीता चौधरी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी बबीता, पीडब्लयूडी वोटर पूनम रानी, स्वच्छ भारत मिशन की सुनीता राठौड़ द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अंत में नोडल अधिकारी स्वीप द्वारा नैतिक मतदान की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर पीडब्लयूडी वोटर पूनम रानी ने सभी महिलाओं से आगामी 25 नवम्बर को बढ़-चढकर मतदान करने की अपील की गई।

> ■ कम मतदान वाले 60 बूथों, ब्लॉक व जिला स्तर पर मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए रंगोली सजाई

परियोजना प्रबंधन राजीविका वैभव अरोड़ा, उद्योग महाप्रबंधक हरीश मित्तल, सहायक निदेशक समाज कल्याण विभाग विक्रम सिंह, महिला अधिकारिता विभाग के उप निदेशक प्रवेश सोलंकी, सुपरवाइजर मधु महाजन, रजनी, एपीआरओ राजपाल लंबोरिया, सहायक प्रशासनिक अधिकारी संजीव बैरवाल, स्वीप प्रभारी राजेश वर्मा, उपखण्ड अधिकारी हनुमानगढ़ की स्वीप टीम के तरूण कुमार, मधुसूदन, जिला परिषद के सुनील भारद्वाज, पंचायत प्रसार अधिकारी कर्मजीत सिंह, वरिष्ठ सहायक रजनीश सुथार मौजूद थे।

# विकास के दम पर दोबारा से बनेगी कांग्रेस सरकार : मनीषा

**खेतड़ी, (निसं)।** खेतड़ी कस्बे के मुख्य बस स्टैंड पर बुधवार को कांग्रेस कार्यालय के उद्घाटन किया गया। इसके बाद कस्बे के मुख्य बाजार में आम सभा का आयोजन भी किया गया। पालिका अध्यक्ष गीता सैनी की अध्यक्षता में हुई आमसभा में एकजुट होकर पार्टी को बेहतर स्थिति में ले जाने को लेकर कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया गया।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी मनीषा गुर्जर ने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने प्रदेश में बेहतर विकास कार्य करवाए गए हैं, जिनके दम पर प्रदेश में दोबारा से कांग्रेस सरकार बनाई जाएगी। एक पार्टी को मजबूत दिशा में ले जाने में कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऐसे में प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ स्तर पर अपने स्थिति को मजबूत करते हुए पार्टी को मजबूती प्रदान करने का काम करें। चुनाव में किसी प्रकार की कोई आपसी मतभेद नहीं होने चाहिए। खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र में भाईचारे की भावनाओं को बढ़ावा दिया जाता है। ऐसे में किसी भी कार्यकर्ता द्वारा ऐसा कोई कार्य ना किया जय की आगामी समय के लिए वैमनस्य से की भावना पैदा हो। पालिका अध्यक्ष गीता सैनी ने कहा कि खेतड़ी में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान खेतड़ी को पर्यटन के क्षेत्र में विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई है।

## कुल्हाड़ी से किया सिर पर वार

**बीकानेर, (कासं)।** एक जने को शराब पीने के लिए पैसे नहीं देना महंगा पड़ गया। शराब पीने के लिए पैसे नहीं दिए तो आरोपी ने उसको जान से मारने की नियत से उसके सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया। जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आई है।

मामला श्रीडूंगरगढ़ पुलिस थाना क्षेत्र का है। जहां आडसर पुरोहितान निवासी मघाराम नायक ने ताराचन्द जाट के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में उसने बताया कि शाम को आरोपी ने उससे शराब पीने के लिए रूपये मांगे। जब उसने रूपये देने से इनकार किया तो आरोपी ने जान से मारने की नियत से उसके सिर पर कुल्हाड़ी से वार से घायल कर दिया।

# लोकतंत्र के महापर्व पर मतदान का महत्व समझें : डॉ. कृष्णा पूनिया

**सादुलपुर, (निसं)।** भारत में मतदान का बहुत महत्व है। जो देश के लोकतांत्रिक ढाचे का आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। लोकतंत्र के महापर्व पर 25 नवम्बर को अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए मतदान का महत्व समझते हुए अपने चेहते व मनपंसद उम्मीदवार के पक्ष में मतदान कर उसे जिताएं।

यह बात सादुलपुर विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी पदमश्री डॉ. कृष्णा पूनिया ने सुलखनिया बडा, सुलखनिया छोटा, मालियों की ढाणी, नोरगपुरा, बूढावास, ठिमाऊ छोटी, ठिमाऊ बडी, डिंगली, थिरपाली छोटी, थिरपाली बडी, नूहन्द, बास मामराज, बास गोविन्द सिंह, भरीण्ड, बास किरतान व गुझान क्षेत्र में जनसभाएं एवं नुक्कड सभाओं को सम्बोधित करते हुए क्षेत्रवासियों से कहीं। डॉ. पूनिया ने कहा कि भारत अपने जीवंत लोकतंत्र के प्रसिद्ध है, जो अपने नागरिकों सक्रिय भागीदारी पर पनपता है। वोट देने के अपने अधिकार का प्रयोग करके, नागरिक इन लोकतांत्रिक सिद्धांतों को संरक्षित और मजबूत करने में योगदान देते है। चुनावों में सक्रिय रूप से भाग लेकर, नागरिक यह सुनिश्चित करते है कि उनकी आवाज सुनी जाए और बोलने, अभिव्यक्ति, धर्म और समानता की स्वतंत्रता के उनके अधिकारों की रक्षा की जाएं। इस मौके पर क्षेत्रवासियों की ओर से कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. पूनिया का गर्म जोशी से स्वागत किया गया।

> ■ कांग्रेस प्रत्याशी डॉ. पूनिया ने जनसभा एवं नुक्कड़ सभाओं को सम्बोधित किया

# जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया होम वोटिंग प्रक्रिया का निरीक्षण

**श्रीगंगानगर, (कासं)।** राजस्थान विधानसभा आम चुनाव 2023 में 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले विशेष योग्यजन मतदाता भारत निर्वाचन आयोग की पहल पर पहली बार घर से ही उत्साहपूर्वक मतदान कर रहे हैं। जिले में बुधवार को दूसरे दिन भी पात्र मतदाताओं ने घर पर मतदान किया। जिला निर्वाचन अधिकारी अंशदीप ने सादुलशहर विधानसभा क्षेत्र में होम वोटिंग प्रक्रिया का निरीक्षण भी किया।

जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंशदीप ने सादुलशहर विधानसभा क्षेत्र के गांव चमारखेडा में पात्र मतदाता के घर होम वोटिंग प्रक्रिया का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने एसडीएम कार्यालय में निर्वाचन कार्यों से जुड़े अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि राजस्थान विधानसभा आम चुनाव 2023 के अंतर्गत प्रदेश में 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ मतदाता तथा विशेष योग्यजन मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा का विकल्प दिया गया है। उन्होंने बताया कि होम वोटिंग सुविधा के लिए आवेदन करने वाले मतदाताओं के घर जाकर विशेष मतदान दल पूरी गोपनीयता के साथ डाक मतपत्र के माध्यम से उनका मतदान करवा रहे हैं। पोस्टल बैलेट के माध्यम से 19 नवम्बर तक घर पर ही मतदान करवाया जायेगा। जो मतदाता होम वोटिंग के पहले चरण के दौरान घर पर अनुपस्थित रहेंगे। उनके लिए 20 और 21 नवम्बर को विशेष मतदान दल दूसरी बार विजिट करेंगे। अनिवार्य सेवाओं से जुड़े मतदाताओं के लिए मतदान की तारीखें 19 से 21 नवम्बर तक तय की गई हैं।

गंगानगर जिला निर्वाचन अधिकारी अंशदीप ( दाएं ) ने सादुलशहर विधानसभा क्षेत्र के गांव चमारखेड़ा में पात्र मतदाता के घर होम वोटिंग प्रक्रिया का निरीक्षण किया।

> ■ 80 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाता तथा विशेष योग्यजन को घर से ही मतदान करने की सुविधा का विकल्प दिया

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि होम वोटिंग सुविधा का लाभ देने के लिये मतदान दल जिले की सभी विधानसभा क्षेत्र में निधारित रूट चार्ट के अनुसार पात्र मतदाताओं के घर तक पहुंचे। यहां सभी तैयारियों के बाद निर्वाचन प्रक्रिया के तहत बूथ बनाकर होम वोटिंग करवाई गई।

# पर्यवेक्षक ने फीडबैक लेकर कार्यकर्ताओं को जीत के गुर बताये

**श्रीगंगानगर, (कासं)।** अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक टहलसिंह संधू और किसान कांग्रेस के नेशनल कोऑर्डिनेटर सतपाल सिंह सिद्धू ने जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में बैठक आहुत कर कांग्रेस प्रत्याशी अंकुर मगलानी के चुनाव प्रचार को और तेज करने की रणनीति तैयार की।

पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव टहलसिंह संधू को एआईसीसी ने श्रीगंगानगर विधानसभा क्षेत्र के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। वे 25 नवम्बर को मतदान होने के दिन तक यहीं पर रहेंगे।

बैठक में प्रत्याशी अंकुर मगलानी उपस्थित थे। जिला संगठन महामंत्री श्यामलाल शेखावटी, महामंत्री भीमराज, डॉ. बी. वरिष्ठ महिला नेत्री एवं पार्षद कमला बिश्नोई, जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद नमिता सेठी, पार्षद प्रेम नायक, पार्षद कृष्ण सियाग, पूर्व पार्षद माडचंद असवाल, सोहन लाल नायक, कश्मीरी लाल इंदौरा, पूर्व सरपंच किरण कुमार जग्गा, दीपक कांडा, डॉ. के. के. गिल्होत्रा, पूर्व सरपंच अर्जुन राजपाल, पार्षद प्रदीप चौधरी, डॉ. कश्मीरी लाल कथूरिया, रमेश मक्कड़, जोगिंदर बजाज, मीनू मिगलानी, प्रियंका शर्मा, वीना इंदौरा, इंटक नेता हरनेक सिंह चंदी, अमित चावला, हरीश मेहंदीरत्ता, पूर्व पार्षद धर्मपाल झोरड़ आदि पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अब तक चले चुनाव प्रचार के बारे में फीडबैक दिया।

गंगानगर में ए.आई.सी.सी. पर्यवेक्षक टहलसिंह संधू ( खड़े ) ने बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

पर्यवेक्षक ने सभी सुझावों और विचारों को नोट किया। उन्होंने भी चुनाव संचालन और प्रबंधन के बारे में आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

ग्लेन मैक्सवेल बिल्कुल ठीक हैं। उन्हें कल थोड़ा दर्द महसूस हुआ था, लेकिन हम यह सुनिश्चित करने में लगे हैं कि वह पूरी तरह से ठीक होने के बाद ही मैदान पर उतरें, इसलिए उनका स्कैन कराया गया जिसमें वह पूरी तरह से फिट नजर आए हैं। वह पूरी तरह ठीक हैं। - पैट कमिंस

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, मैक्सवेल की चोट पर बोलते हुए।

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी**

## आभास राणा

भारत के 15 वर्षीय उभरते आर्म रेसलर आभास राणा को हाल ही में कजाकिस्तान के अल्माटी में आयोजित डब्लूएएफ विश्व चैंपियनशिप में बाएं और दाएं हाथ दोनों वर्गों में विश्व चैंपियन का ताज पहनाया गया था। आभास राणा ने सुपर मैच में मैट कॉनली को 4-0 से हराया। मैच सात राउंड के लिए निर्धारित था। दूसरे सुपर मैच में ऑस्ट्रेलिया के रयान बोवेन ने भारत के मजाहिर सैदु को 4-3 से हराया। मजाहिर सैदु ने लड़ाई में शुरुआती फायदा उठाया और बोवेन को स्ट्रैप बैटल में आसानी से हरा दिया। दूसरे राउंड में, बोवेन ने सैदु को पिन कर बराबरी कर ली।

**क्या आप जानते हैं ?...** टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

## धर्मशाला स्टेडियम में हिमाचल की टीम चार रणजी मैच खेलेगी

धर्मशाला, 15 नवंबर। हिमाचल प्रदेश की क्रिकेट टीम अपने प्रदेश में चार रणजी मैच खेलेगी। ये सभी मैच धर्मशाला के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। अगले साल जनवरी और फरवरी में होने वाले रणजी मैचों में हिमाचल की टीम उतराखंड, बड़ौदा, मध्य प्रदेश और दिल्ली से भिड़ेगी। बीसीसीआई की ओर हिमाचल प्रदेश की क्रिकेट टीम को रणजी के एलीट ग्रुप-डी में रखा गया है। बीसीसीआई के घरेलू क्रिकेट सीजन में इसमें हिमाचल सहित अन्य चार टीमें शामिल हैं। धर्मशाला में पहला मैच 12 से 15 जनवरी तक हिमाचल प्रदेश और उतराखंड के बीच होगा। दूसरा मैच 19 से 22 जनवरी तक हिमाचल और बड़ौदा के बीच होगा। तीसरा मैच दो से पांच फरवरी तक मध्य प्रदेश और हिमाचल के बीच खेला जाएगा। चौथा मैच में 9 से 12 फरवरी तक हिमाचल और दिल्ली के बीच होगा। जो टीम अपने ग्रुप में टॉप पर रहेगी, वह रणजी के अगले दौर में प्रवेश करेगी। धर्मशाला में होने वाले रणजी मैच हिमाचल के लिए अहम होंगे।इनमें जीत हासिल करने की स्थिति में टीम क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करेगी। एचपीसीए के सचिव अवनीश परमार ने कहा कि इस बार रणजी के चार मैच धर्मशाला क्रिकेट स्टेडियम में खेले जांएगे। इसमें दिल्ली, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और बड़ौदा की टीमें धर्मशाला आएंगी। उन्होंने कहा कि रणजी मैचों के बाद धर्मशाला स्टेडियम में सात से 11 मार्च तक भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट मैच भी होगा।

## कोहली के 50 शतक : 2009 में श्रीलंका के खिलाफ लगाई थी पहली वनडे सेंचुरी, वानखेड़े में तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा

मुंबई, 15 नवम्बर। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने बुधवार को सचिन तेंदुलकर के वनडे शतकों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अब उनके वनडे क्रिकेट में 50 शतक पूरे हो चुके हैं। सचिन तेंदुलकर के नाम 49 वनडे शतक हैं। कोहली ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में शतक लगाया। इसी के साथ उन्होंने सचिन के होम ग्राउंड मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम 50 शतकों का कीर्तिमान स्थापित किया। विराट ने वनडे करियर का पहला शतक श्रीलंका के खिलाफ 2009 में लगाया था। 279 इनिंग्स के बाद विराट कोहली ने 50 शतकों का आंकड़ा छुआ। उनके इंटरनेशनल क्रिकेट में 80 शतक हो गए हैं। वनडे के अलावा टेस्ट में 29 और टी-20 में एक शतक है।

## सिनर ने एटीपी फाइनल्स में जोकोविच को हराया

ट्यूरिन 15 नवंबर। इटली के जैनिक सिनर ने एटीपी फाइनल्स में 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैम्पियन और दुनिया के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को हराया मंगलवार को यहां खेले गये मुकाबले में सिनर ने जोकोविच की 19 मैचों की जीत का सिलसिला तोड़ते हुए उसे तीन सेटों में 7-5, 6-7 (5), 7-6 (2) से हराया। सिनर 121 दिनों में जोकोविच को हराने वाले पहले खिलाड़ी हैं। उन्होंने तीन घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले जोकोविच के जीत की लय को तोड़ा। यह मौजूदा नंबर वन पर उनके करियर की दूसरी जीत है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में मियामी के सेमीफाइनल में नंबर वन रैंक वाले अलकराज को हराया था। सिनर ने घरेलू दर्शकों के सामने जोकोविच पर अपनी जीत के बारे में कहा, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। उन्होंने कहा, जब आप दुनिया के नंबर वन के खिलाफ जीतते हैं और उसने 24 ग्रैंड स्लैम जीते हैं तो यह स्पष्ट रूप से शीर्ष पर है। सिनर ने अब शीर्ष पांच खिलाड़ियों के खिलाफ अपने आखिरी पांच मैच जीते हैं।

## हॉकी इंडिया सुब्रत रॉय के निधन पर व्यक्त किया शोक

नयी दिल्ली, 15 नवंबर। हॉकी इंडिया ने सहारा समूह के अध्यक्ष सुब्रत रॉय के निधन पर बुधवार को शोक व्यक्त किया। हॉकी इंडिया के सूत्रों ने आज यहां बताया कि सहारा समूह 1995 से 2017 तक हॉकी की सर्वोच्च संस्था का प्रमुख भागीदार था और उसने अपने अटूट समर्थन के जरिए खेल के पुनरुद्धार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज यहां हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. दिलीप टिर्की ने सुब्रत राय के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, हॉकी इंडिया में हम श्री सुब्रत रॉय के निधन के बारे में सुनकर बहुत दुखी हैं। वह एक सच्चे खेल प्रेमी थे और खेलों को बढ़ावा देने के लिए सहारा इंडिया परिवार के साथ उनका दृष्टिकोण प्रेरणादायक था। हॉकी में उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। दुख की इस घड़ी में हम उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, श्री सुब्रत रॉय हॉकी के प्रति बहुत संवेदनशील थे। सहारा इंडिया परिवार के माध्यम से उनके समर्थन ने भारत में हॉकी के पुनरुद्धार में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और हॉकी बिरादरी के बीच उन्हें हमेशा याद किया जाएगा। खेल में उनका योगदान के लिए हम हॉकी इंडिया उनके परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

# भारत चौथी बार वनडे वर्ल्ड कप के फाइनल में

## न्यूज़ीलैंड को 70 रन से हराया, विराट और अय्यर के शतक, शमी ने सात विकेट लिये

मुंबई, 15 नवम्बर। भारत ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड को 70 रन से हराकर वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम चौथी बार फाइनल में पहुंची है। इससे पहले टीम 1983, 2003 और 2011 में इस टूर्नामेंट फाइनल में पहुंची थी। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 4 विकेट 397 रन बनाए। विराट कोहली ने करियर की 50वीं वनडे सेंचुरी जमाते हुए 117 रन की पारी खेली। श्रेयस अय्यर ने 105 रन बनाए। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 48.5 ओवर में 327 रन पर ऑलआउट हो गई। डेरिल मिचेल ने 134 रन बनाए। मोहम्मद शमी ने 7 विकेट लिए। वे शानदार गेंदबाजी के लिए मैन ऑफ द मैच रहे।

मोहम्मद शमी न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 विकेट ले चुके हैं, इसी के साथ उन्होंने वर्ल्ड कप में 8वीं बार पारी में 4 या उससे ज्यादा विकेट लिए। इस रिकॉर्ड में शमी ही टॉप पर हैं, दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क हैं, जिनके नाम वर्ल्ड कप में 6 बार 4 विकेट लेने का रिकॉर्ड है। मोहम्मद शमी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा विकेट लेने के साथ ही वर्ल्ड कप में अपने 50 विकेट भी पूरे कर लिए। इसके लिए उन्होंने महज 17 पारियां लीं, जो टूर्नामेंट इतिहास में सबसे तेज है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 19 पारियों में 50 विकेट लिए थे। डेरिल मिचेल एक वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड की ओर से सबसे ज्यादा छक्के जमाने वाले बैटर बने।

उन्होंने मौजूदा सीजन में 18वां छक्का जमाया। मिचेल ने ब्रैंडन मैकुलम के 2015 के सीजन में 17 छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा। 398 रन का टारगेट चेज कर रहे न्यूजीलैंड की शुरुआत खास नहीं रही। टीम ने पावरप्ले में 46 रन बनाने में ओपनर्स के विकेट गंवा दिए। रचिन रवींद्र और डेवोन कॉन्वे ने 13-13 रन बनाकर आउट हुए। पावरप्ले के शुरुआती ओवर में कीवी ओपनर्स ने संभलकर शॉट खेले। 5 ओवर में टीम का स्कोर बिना नुकसान के 30 रन था। यहां मोहम्मद शमी ने अपनी पहली बॉल पर सफलता हासिल की और कॉन्वे को चलता किया। इतना ही नहीं, शमी ने 8वें ओवर की चौथी बॉल पर रचिन रविद्र को विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच कराया। टीम इंडिया ने वानखेड़े मैदान पर टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 4 विकेट पर 397 रन बनाए।

यह वर्ल्ड कप के नॉकआउट मुकाबले में किसी भी टीम का सबसे बड़ा स्कोर है। विराट कोहली ने 113 बॉल 117 रन की पारी खेली। उन्होंने वनडे करियर का 50वां शतक जमाया। वे वनडे में सबसे ज्यादा शतक जमाने वाले बल्लेबाज बन गए। विराट ने सचिन तेंदुलकर के 49 शतकों का रिकॉर्ड तोड़ा। दूसरी ओर श्रेयस अय्यर ने 70 बॉल पर 105 रन बनाए। अय्यर ने वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी सेंचुरी जमाई। शुभमन गिल ने 66 बॉल पर 80 और कप्तान रोहित शर्मा ने 29 बॉल पर 47 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड की ओर से टिम साउदी ने 2 विकेट लिए।

कोहली (711 रन) एक वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का 20 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। तेंदुलकर ने 2003 वर्ल्ड कप में 673 रन बनाए थे। विराट कोहली ने इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 50 रन बनाने के मामले में श्रीलंकाई बैटर कुमार संगाकारा को पीछे छोड़ दिया। संगाकारा ने 216 बार 50 रन बनाए हैं, जबकि विराट 217वीं बार यह कारनामा कर चुके हैं। विराट अब ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज रिकी पोंटिंग (217 बार) के बराबर पहुंच गए हैं। वर्ल्ड कप के एक एडिशन में सबसे ज्यादा बार 50 प्लस रन के मामले में विराट कोहली ने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। विराट ने इस वर्ल्ड कप में आठ बार 50 रन बनाए हैं, जबकि सचिन तेंदुलकर 2003 वर्ल्ड कप में 7 और शाकिब अल हसन ने 2019 वर्ल्ड कप में 7 बार 50 प्लस रन बनाए थे।

मौजूदा वर्ल्ड कप में 600 छक्के पूरे हो चुके हैं। भारतीय बैटर श्रेयस अय्यर ने रचिन रवींद्र की बॉल पर 600वां छक्का लगाया। विराट कोहली ने 36वां रन लेते ही वनडे वर्ल्ड कप के नॉकआउट में अपना बेस्ट स्कोर बनाया। इससे पहले, कोहली 2011 के वर्ल्ड कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 43 बॉल पर 35 रन बनाए थे। विराट कोहली (13794 रन) वनडे क्रिकेट के तीसरे टॉप रन स्कोरर बन गए हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़ा। न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में 28वां रन लेते ही विराट ने पोंटिंग को पीछे छोड़ दिया। पोंटिंग के नाम 375 वनडे में 13704 रन हैं।

कोहली 291वें मैच में इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ चुके हैं। कोहली से आगे श्रीलंका के कुमार संगकारा (14234 रन) और भारत के सचिन तेंदुलकर (18426 रन) ही हैं। विराट कोहली वर्ल्ड कप के एक सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाने वाले भारत के तीसरे बैटर बने। इससे पहले, सचिन तेंदुलकर 2003 और रोहित शर्मा 2019 में ऐसा कर चुके हैं। रोहित शर्मा वर्ल्ड कप के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जमाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। वे मौजूदा सीजन में 28 छक्के जमा चुके हैं। रोहित ने कैरेबियाई बल्लेबाज क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ा। गेल ने 2015 वर्ल्ड कप में 26 छक्के जमाए थे। रोहित शर्मा ने इस पारी में 4 छक्के जमाए। उन्होंने तीसरा छक्का जमाते ही वनडे वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा छक्के का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया।

## बाबर आजम ने तीनों फॉर्मेट से पाकिस्तान की कप्तानी छोड़ी

मुंबई, 15 नवम्बर। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने वनडे वर्ल्ड कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने गुरुवार 15 नवंबर शाम करीब 7 बजे तीनों फॉर्मेट से टीम की कप्तानी छोड़ने का ऐलान सोशल मीडिया पर किया।

बाबर ने लिखा- वे बतौर खिलाड़ी तीनों फॉर्मेट में टीम का हिस्सा रहेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट टीम वनडे वर्ल्ड कप 2023 के 9 में से 4 ही मैच जीत सकी थी। टीम पॉइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर रहकर सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच सकी। बाबर 2019 में पाकिस्तान टीम के कप्तान बने थे। उनकी कप्तानी में पाकिस्तान वर्ल्ड रैंकिंग में टॉप पर भी पहुंची। साउथ इंडियन फिल्म के स्टार रजनीकांत मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच सेमीफाइनल मैच देखने मुंबई पहुंचे। उन्हें पत्नी लता के साथ मुंबई के एयरपोर्ट पर देखा गया। उन्होंने जर्नलिस्ट को बताया कि वह मुंबई में सेमीफाइनल देखने के लिए आए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन, सचिन तेंदुलकर और रजनीकांत को गोल्डन टिकट दिया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल मैच आज खेला जाना है।

## कोहली को 50वें शतक की पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने बुधवार को 50वां वनडे शतक ठोका। उन्होंने इंडिया वर्सेस न्यूजीलैंड वर्ल्ड कप 2023 सेमीफाइल में 113 गेंदों में 9 चौकों और 2 छक्कों की बदौलत 117 की पारी खेली। कोहली ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का सर्वाधिक वनडे सेंचुरी का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। कोहली को ऐतिहासिक शतक की जमकर बधाइयां मिल रही हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कोहली को 50वीं वनडे सेंचुरी पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि कोहली ने उत्कृष्टता की भावना का उदाहरण प्रस्तुत किया है।

## टॉस के समय अंतिम एकादश की घोषणा करूंगा : कमिंस

कोलकाता 15 नवंबर। ईडन गार्डन में कल होने वाले दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने बुधवार को कहा कि हम मैच वाले दिन टॉस के समय अपनी एकादश की घोषण करेंगे।

पांच बार के विश्वकप चैंपियन ने इस साल के टूर्नामेंट में लगातार सात मैच जीते हैं। कमिंस ने आज यहां एक अतिरिक्त ऑलराउंडर या फिर अतिरिक्त बल्लेबाज को खिलाने के सवाल पर कहा कि हम अपनी एकादश की घोषणा टॉस के समय करेंगे। ऐसा माना जा रहा है ऑस्ट्रेलिया मार्नस लाबुशेन और मार्कस स्टोइनिस दोनों को एकदश में शामिल कर सकता है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने दक्षिण अफ्रीका से निपटने वाली एकादश के बारे में अपना मन बना लिया है, उन्होंने कहा कि वह अभी भी इस बात पर विचार कर रहे हैं कि अपनी अंतिम टीम में एक अतिरिक्त ऑलराउंडर या एक अतिरिक्त बल्लेबाज को शामिल किया जाए या नहीं।

मैक्सवेल की चोट पर कमिंस ने कहा, ग्लेन मैक्सवेल बिल्कुल ग्रीक हैं। उन्हें कल थोड़ा दर्द महसूस हुआ था, लेकिन हम यह सुनिश्चित करने में लगे हैं कि वह पूरी तरह से ग्रीक होने के बाद ही मैदान पर उतरें, इसलिए उनका स्कैन कराया गया जिसमें वह पूरी तरह से फिट नजर आए हैं। वह पूरी तरह ग्रीक हैं। कल दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए ग्लेन मैक्सवेल का फिट होना बड़ी चुनौती है। मैक्सवेल अफगानिस्तान के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय चोटिल हो गये थे। अगर मैक्सवेल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलते है तो मार्कस स्टोइनिस को बाहर बैठना पड़ेगा।

उन्होंने कहा, पहले दो मैचों में दो कठिन टीमों का मुकाबला करना था। और गेंदबाजी के मामले में, मुझे लगता है कि हम सभी चरणों में बेहतर से बेहतर होते गए हैं। तो हां, ऐसा लगता है कि हम वास्तव में अच्छी स्थिति में हैं। उन्होंने कहा, हमने पिछले महीने में काफी क्रिकेट खेला है और ऐसा लगता है कि हर कोई अपनी भूमिका जानता है और अब असर होना शुरू हो गया है। उन्होंने पिच विवाद को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ते हुए कहा है कि आईसीसी का एक अलग स्वतंत्र पिच क्यूरेटर है जो इसका प्रबंधन करता है। जहां तक बात है पिच की तो मुझे कोई समस्या नजर नहीं आई। हम भारतीय पिचों पर इतने मैच खेल चुके हैं।

## वेंगर करेंगे एआईएफएफ-फीफा अकादमी का 21 को उद्घाटन

नयी दिल्ली,15 नवंबर। अनुभवी फुटबॉल कोच आर्सेन वेंगर वैश्विक फुटबॉल संस्था की प्रतिभा विकास योजना के तहत शुरू की जाने वाली एआईएफएफ (अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ)-फीफा अकादमी का 21 नवंबर को भुवनेश्वर में उद्घाटन करेंगे।

सूत्रों ने बुधवार को बताया कि फीफा टीडीएस कार्यक्रम का उद्देश्य दुनिया भर में विभिन्न सदस्य संघों के साथ सहयोग करके उनकी राष्ट्रीय टीमों की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढावा देना है। फीफा ने अपना टैलेंट कोचिंग प्रोग्राम भी शुरू किया है, जिसके साथ वह सदस्य संघों को सक्रिय ऑन-ग्राउंड समर्थन प्रदान करता है। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, श्रीमान आर्सेन वेंगर 19 से 23 नवंबर तक भारत में रहेंगे। इस अवधि के दौरान वह और उनकी टीम आईएसएल, आई-लीग क्लबों और उन सभी लोगों से मुलाकात करेंगे जो भारतीय फुटबॉल में युवा विकास से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, "हमारा प्रयास इस अकादमी को सुचारू बनाने का होगा। हमें विश्वास है कि वेंगर का अपार अनुभव और चीजों की गहरी समझ इस अकादमी को विश्व स्तरीय सुविधा में बदलने में बहुत मददगार होगी। एआईएफएफ के कार्यवाहक महासचिव सत्यनारायण एम ने कहा, यह हमारी दीर्घकालिक दृष्टि की दिशा में एक बड़ा कदम है और 14 साल से कम उम्र के युवाओं में निवेश करना शायद सबसे बड़ी शुरुआत है।

हम देश के अन्य हिस्सों में भी ऐसे ही प्रयासों पर काम करना शुरू करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रतिभा की अनदेखी न हो। यह निश्चित रूप से भारतीय फुटबॉल के लिए रोमांचक समय है। ओडिशा सरकार के खेल और युवा सेवा विभाग के आयुक्त-सह-सचिव आर विनील कृष्णा ने कहा, हम बहुत उत्साहित हैं कि भुवनेश्वर को फीफा टैलेंट अकादमी के लिए चुना गया है।

## इजरायल की फुटबॉल प्रीमियर लीग 25 से होगी शुरू

जेरूसलम, 14 नवंबर। इजरायली प्रोफेशनल फुटबॉल लीग (आईपीएफएल) ने घोषणा की है कि इजरायली प्रीमियर लीग 25 नवंबर को फिर से शुरू होगी। इजरायल-हमास संघर्ष के कारण लीग को सात अक्टूबर को निलंबित कर दिया गया था । आईपीएफएल ने बताया कि इजरायल के होम फ्रंट कमांड (एचएफसी) के निर्देशानुसार मैच बंद दरवाजों के पीछे आयोजित किए जाएंगे । उन्होंने बताया कि मैचों के आयोजन की अनुमति एचएफसी स्टाफ द्वारा आईपीएफएल के समन्वय से हाल के दिनों में स्टेडियमों में संरक्षित क्षेत्रों की जांच के बाद दी गई।उन्होंने यह भी घोषणा की कि इजरायल का दूसरा चरण 17 नवंबर को फिर से शुरू होगा।

## 2024 शीतकालीन युवा ओलंपिक टिकट निःशुल्क उपलब्ध : आईओसी

सियोल, 15 नवंबर। दक्षिण कोरिया के गैंगवॉन में 2024 शीतकालीन युवा ओलंपिक खेलों (वाईओजी) के लिए गैंगनेउंग में उद्घाटन समारोह को छोड़कर सभी स्पधाओं के लिए टिकट नि:शुल्क मिलेंगे। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अनुसार 19 जनवरी से एक फरवरी 2024 तक चलने वाले शीतकालीन युवा ओलंपिक के लिए टिकट बीते शनिवार से आधिकारिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सामान्य बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। समिति ने बताया कि उद्घाटन समारोह 19 जनवरी को गैंगनेउंग ओवल और प्योंगचांग डोम में एक साथ किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि गैंगनेउंग में उद्घाटन समारोह के टिकटों की कीमत 30 हजार से एक लाख वॉन (22 से 74 अमेरिकी डॉलर) है जबकि प्योंगचांग डोम में प्रवेश नि:शुल्क होगा। हालांकि समारोह के दिन जाने वाले लोगों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या बॉक्स के जरिए टिकट का अनुरोध करना होगा। प्योंगचांग ने 2018 में ओलंपिक शीतकालीन खेलों में आयोजनों की मेजबानी की थी और गैंगनेउंग, प्योंगचांग, जियोंगसियन और होएंगसेओंग पर होने खेल आयोजनों के टिकट मुफ्त उपलब्ध होंगे।

## राजस्थान गोल्फ टीम ने राष्ट्रीय खेल 2023 में कांस्य पदक जीता

जयपुर, 15 नवम्बर। नई दिल्ली के नई दिल्ली गोल्फ क्लब में हाल ही में आयोजित 37वें राष्ट्रीय खेल 2023 में राजस्थान गोल्फ टीम ने कांस्य पदक जीता। राजस्थान के गिर्राज सिंह खडका और सवाई एचएस भाटी ने राज्य के लिए कांस्य पदक (584) जीता। ये दोनों रामबाग गोल्फ क्लब के सदस्य हैं। इसमें 17 राज्यों की टीमों ने हिस्सा लिया था। वहीं अन्य दो टीमें दिल्ली और चंडीगढ़ थीं। दिल्ली टीम, जिसमें सचिन बैसोया और शौर्य भट्टाचार्य शामिल थे, ने राष्ट्रीय खेलों में पुरुष टीम स्पर्धा में कुल 579 के स्कोर के साथ तीन शॉट के अंतर से स्वर्ण पदक जीता। चंडीगढ़ के आदिल बेदी और अनंत सिंह अहलावत ने रजत पदक (582) हासिल किया।

# वानखेड़े में हार्टब्रेक और जश्न दोनों के मौके मिलते हैं

## भारत यहां दो बार वर्ल्ड कप सेमीफाइनल हारा, 1 बार चैम्पियन भी बना

मुंबई, 15 नवम्बर। वनडे वर्ल्ड कप का पहला सेमीफाइनल आज भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। मुकाबला मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में है। यह स्टेडियम भारतीय फैंस के लिए आंसू और खुशी दोनों लाता रहा है। 1983 में पहली बार वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद भारत के पास 1987 में टाइटल डिफेंड करने का मौका था। कपिल देव की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम ने घरेलू मैदान पर शानदार शुरुआत की और 6 में से 5 ग्रुप मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची। वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल खेला गया। पहली पारी में इंग्लैंड के ओपनर बल्लेबाज ग्राहम गूच ने 136 गेंदों पर 115 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्हें कप्तान माइक गैटिंग का साथ मिला, जिन्होंने 62 गेंदों में 56 रन बनाए। टीम ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 254 रन बना लिए। उस जमाने में 50 ओवर की क्रिकेट में 250 रन या इससे ऊपर का टारगेट मैच विनिंग माना जाता था। भारतीय बल्लेबाजों के लिए यह रन चेज मुश्किल साबित हुआ और टीम 46वें ओवर में ही ऑलआउट हो गई। भारत को 35 रन से हार मिली। इस हार के साथ ही भारतीय क्रिकेट टीम की एक कामयाब जनरेशन का दौर खत्म हुआ। 1983 का वनडे वर्ल्ड कप और 1985 की वर्ल्ड चैम्पियनशिप जिताने वाले ज्यादातर खिलाड़ियों ने इसके कुछ समय बाद रिटायरमेंट ले लिया। 2 अप्रैल 2011 को वानखेड़े स्टेडियम में भारत और श्रीलंका के बीच वनडे वर्ल्ड कप का फाइनल हुआ। भारत ग्रुप स्टेज के 6 में से 4 मैच जीतकर दूसरे नंबर पर रहा था। टीम ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रेलिया और सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था। मुंबई में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। महेला जयवर्धने ने नाबाद 103 रन बनाए। कुमार संगकारा ने 48 रन की पारी खेली। श्रीलंका ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 274 रन बना लिए। जहीर खान और युवराज सिंह ने दो-दो विकेट लिए। 275 रन के टारगेट का पीछा करने में वीरेंद्र सहवाग (0) और सचिन तेंदुलकर (18) जल्दी आउट हो गए। गौतम गंभीर ने 122 गेंदों पर 97 रन की शानदार पारी खेली। भारत को जीत के लिए 11 गेंदों पर 4 रन चाहिए थे। तब कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने नुवान कुलसेकरा की बॉल पर लॉन्ग ऑन की दिशा में सिक्स लगाया और खुद को भारतीय क्रिकेट के इतिहास में अमर कर लिया। टीम 6 विकेट से जीती और भारत 28 साल बाद वर्ल्ड चैंपियन बना। 2023 के वनडे वर्ल्ड कप से पहले भारत में 2016 के दौरान टी-20 फॉर्मेट का वर्ल्ड कप खेला गया था। तब सेमीफाइनल में वानखेड़े में ही भारत को वेस्टइंडीज से हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड से ग्रुप स्टेज का पहला मैच हारने के बाद टीम इंडिया ने लगातार 3 मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

# प्र.मंत्री ने बायतू में विशाल जनसभा को संबोधित किया

## इस चुनावी जनसभा के माध्यम से मोदी ने बाड़मेर-जैसलमेर की दस सीटों को साधने की कोशिश की

बाड़मेर, 15 नवम्बर (निसं)। राजस्थान में विधानसभा चुनावों के बढ़ रहे सियासी पारे के बीच बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बायतु पहुंचे। जहां उन्होंने विशाल जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी के करीब 45 मिनट के अपने संबोधन में नारी शक्ति पर विशेष फोकस रहा। उन्होंने कहा कि "नारी सुरक्षा मेरे प्राथमिकता है और मेरा मिशन मेरी बहनों का हर समस्या से मुक्त करना है।"

मोदी ने केन्द्र की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी बताया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने सीमांत क्षेत्र को समृद्धि का द्वार बनाने का आव्हान करते हुए विकास की बातें कही। प्रधानमंत्री मोदी ने इस चुनावी जन सभा के माध्यम से बाड़मेर - जैसलमेर की दस विधानसभा क्षेत्रों को साधने की कोशिश की।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कांग्रेस की गारंटी यात्रा के जवाब में कहा कि सरकारी योजनाओं के लाभ से कोई नहीं छूटे, यही हमारा प्रयास है और यही मोदी की गारंटी है। मोदी की गारंटी का मतलब गारंटी पूरा होने की गारंटी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत सरकार विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से गांव गांव, पहुंचेगी और सरकारी योजनाओं से वंचित लोगों को उनका हक देगी। मोदी ने कहा कि हमने उज्जवला योजना, स्वच्छ भारत अभियान, मुफ्त राशन,पीएम आवास , जल जीवन मिशन आदि योजनाओं के माध्यम से आमजन को राहत पहुंचाते हुए उनका जीवन आसान किया। प्रधानमंत्री ने महिला अत्याचार के मुद्दे पर कांग्रेस सरकार की आलोचना की।

भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था, पेपर लीक आदि मुद्दों पर जमकर घेरते हुए कहा कि कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति से राजस्थान मे अराजकता और अपराध बढ़े।

मोदी ने लाल डायरी का भी जिक्र करते हुए कहा की पहले कांग्रेस कहती थी की कोई लाल डायरी नहीं है, कुछ भी नही है लेकिन अब इसके चर्चे होने लगे है और इसके पन्ने भी खुलने लगे है। मोदी ने कहा कि जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब डर-डर कर सरकार चलाती थी। आतंकी हमले होने पर विदेश में जाकर मदद की गुहार लगाते थे।आज हम आतंकियों को घर में घुसकर मारते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक के बाद एक कई मुद्दों को लेकर कांग्रेस को घेरा। मोदी ने बाड़मेर जैसलमेर सहित सीमांत क्षेत्रों को समृद्धि का द्वार बनाने का आव्हान करते हुए इन क्षेत्रों के लिए विकास की बात कही।

सभा में राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी सहित संगठन के कई पदाधिकारी, बाडमेर जैसलमेर की दस विधानसभा सीटो के प्रत्याशी, जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

*प्रधानमंत्री मोदी ने बायतू (बाड़मेर) में विशाल जनसभा को संबोधित कर जैसलमेर के 10 विधानसभा क्षेत्रों को एक साथ साधने की कोशिश की। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रदेश की गहलोत सरकार को निशाने पर लेते हुये कहा कि, कांग्रेस का पंजा केवल लूट-खसोट में जुटा रहता है। प्रधानमंत्री ने महिला अत्याचार के मामले में भी प्रदेश सरकार की कड़ी आलोचना की।*

- **मोदी ने अपने भाषण में नारी शक्ति पर विशेष फोकस किया और कहा, मेरा मिशन मेरी बहनों को हर समस्या से मुक्त करना है।**
- **मोदी ने कांग्रेस की गांरटी के जवाब में कहा कि, सरकारी योजना के लाभ से कोई ना छूटे, यही हमारा प्रयास है और यही मोदी की गांरटी है। मोदी की गारंटी का मतलब है, गारंटी पूरा होने की गारंटी।**
- **सभा में प्रदेश अध्यक्ष सी.पी. जोशी, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, कैलाश चौधरी सहित पार्टी के कई नेता व क्षेत्र की सभी दस सीटों के पार्टी प्रत्याशी मौजूद थे।**

## कांग्रेस ने केन्द्रीय मंत्री बेटे के मामले में ई.डी. की चुप्पी पर सवाल उठाये

नयी दिल्ली, 15 नवंबर (वार्ता)। युवा कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के पुत्र देवेंद्र सिंह तोमर के धन के लेन-देन के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की चुप्पी पर हैरानी व्यक्त करते हुए बुधवार को ईडी कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर केंद्रीय मंत्री के इस्तीफे की मांग की।

युवा कांग्रेस के अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी ने इस मौके पर कहा कि तोमर के पुत्र के मामले में खुलासा होने के बाद आखिर ईडी अब चुप क्यों हैं जबकि केंद्रीय मंत्री के पुत्र का करोड़ों रुपए की हेराफेरी की बात करते समय का वीडियो सबके सामने है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी घेरा और कहा कि मध्य प्रदेश के सारे भाजपा के नेता भ्रष्टाचार में लिप्त हैं, लेकिन मोदी चुप हैं और इन मामलों की कोई जांच नहीं करवा रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि 2014 से अब तक ईडी ने जो भी कार्रवाई की हैं उनमे 95 फीसदी करवाई विपक्ष के नेताओं के खिलाफ की गई है। पिछले पांच साल में कई बड़े छापे मीडिया हाउस और पत्रकारों पर भी हुए, लेकिन तोमर के पुत्र की हजारों करोड़ के सौदे का खुलासा होने के बावजूद ईडी, केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और आयकर विभाग के लोग ग़ायब है।

# कश्मीर में बस 300 फीट गहरी खाई में गिरी, 36 यात्रियों की मौत

## चढ़ाई पर अनियंत्रित होकर बस खाई में लुढ़क गई इस हादसे में 19 अन्य यात्री गम्भीर रूप से घायल हुये हैं

जम्मू, 15 नवंबर (वार्ता)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में बुधवार को एक बस के फिसलकर गहरी खाई में गिर जाने से कम से कम 36 यात्रियों की मौत हो गई और अन्य 19 घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की।

पुलिस ने बताया कि डोडा के अस्सार इलाके में यात्री बस के 300 फुट गहरी खाई में गिरने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई और अन्य 19 यात्री घायल हो गए।

उन्होंने कहा, बटोटे-किश्तवाड़ रोड पर त्रुंगल-अस्सार के पास बस सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिर गई थी। पुलिस ने बताया कि बस के गहरी खाई में गिरने की सूचना मिलने के बाद तत्काल बचाव दल मौके पर पहुंचा और बचाव अभियान शुरू किया।

उन्होंने कहा, दुखद घटना में 36 यात्रियों की मौत हो गई है, जबकि 19 घायल हो गए हैं, जिनमें से कुछ की हालत गंभीर है। गंभीर रूप से घायल लोगों को इलाज के लिए हवाई मार्ग से जम्मू ले जाया गया है।

मोदी ने कहा, जम्मू-कश्मीर के डोडा में बस दुर्घटना दुखद है। उन परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये सहायता के रूप में दिये जायेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भी हादसे में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, दुर्घटना स्थल से डीसी डोडा हरविंदर सिंह से जानकारी साझा करते हुए दुख हो रहा है। घायलों को आवश्यकता के अनुसार जीएमसी डोडा और जीएमसी जम्मू में स्थानांतरित किया जा रहा है। हरसंभव मदद की जा रही है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना।

उपराज्यपाल सिन्हा ने राजभवन द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञिप्त में आज डोडा के अस्सार में एक दुखद बस दुर्घटना में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है।

उपराज्यपाल ने कहा, अस्सार, डोडा में एक दुखद बस दुर्घटना में लोगों की मौत से बेहद दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं और दुर्घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रभावित व्यक्तियों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए मंडलायुक्त और जिला प्रशासन को निर्देश दिया।

## पायलट के गढ़ अजमेर में मुख्यमंत्री गहलोत नहीं ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

उत्तर और दक्षिण विधानसभा क्षेत्र मे मजबूती प्रदान करने के लिए प्रचार की कमान खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने संभाली। यह अलग बात है कि जनता तो दूर की बात मुख्यमंत्री के रोड शो मे कार्यकर्ता तक नहीं जुट पाए । नतीजा चार किलोमीटर के रोड शो को बीच मे ही छोड़ कर मुख्यमंत्री गहलोत जन सभा स्थल पहुच गए । लेकिन यहा भी मुट्ठीभर कार्यकर्ताओ को देख कर मुख्यमंत्री ने भाषण की औपचारिता को पूरा किया और रवाना हुए । कांग्रेस कार्यकर्ताओ का मानना था कि मुख्यमंत्री के आज के कार्यक्रम से सचिन पायलट को दूर रखे जाने की वजह से ही कांग्रेस की यह दुर्गति हुई है । आज के फ्लॉप शो की वजह से अजमेर उत्तर और दक्षिण के कांग्रेस उम्मीदवारों को फायदे की जगह नुकसान ज्यादा माना जा रहा है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने अजमेर दक्षिण से अशोक गहलोत समर्थक द्रोपदी कोली और अजमेर उत्तर से पायलट समर्थक महेंद्र सिंह रलावता को चुनावी मैदान में उतारा है।

गारंटी यात्रा के नाम से निकाले गए इस रोड शो की शुरुआत अजमेर के गाँधी भवन से की गई जिसका समापन नगरा क्षेत्र में एक विशाल जनसभा के साथ होना था । लेकिन रोड़ शो शुरू होने के साथ ही कार्यकर्ताओं का टोटा देखा गया, जो करीब एक किलोमिटर चलने के बाद फ्लॉप शो में तब्दील हो गया । रोड शो के मार्टिंडल ब्रिज पहुँचने पर चंद कार्यकर्ता ही बचे । आमजन और कार्यकर्ताओं की कमी को देखकर मुख्यमंत्री नाराज़ हुए और कार में बैठकर सीधे सभा स्थल पर पहुँच गए लेकिन यहाँ भी अपेक्षा के अनुसार कार्यकर्ता मौजूद नहीं थे। करीब एक हजार कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित कर गहलोत हैलीपैड़ के लिए रवाना हो गए।

अजमेर दक्षिण की कांग्रेस प्रत्याशी द्रौपदी कोली ने कुछ स्थानों पर स्वागत के कार्यक्रम रखे थे लेकिन गहलोत वहाँ नहीं रुके जिससे कार्यकर्ताओं में नाराज़गी देखने को मिली। मंच से आमजन को संबोधित करते हुए गहलोत ने सात गारंटी योजनाओं और कांग्रेस सरकार द्वारा दी जा रही रियायतों व जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जनता को जानकारी दी।

साध्वी नहीं आई नज़र- भाजपा की साध्वी अनादि सरस्वती ने कुछ दिन पूर्व कांग्रेस जॉइन की थी। माना जा रहा था कि अनादि को कांग्रेस अजमेर उत्तर से चुनाव लड़ाकर हिंदुत्व का कार्ड खेल सकती है । लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने इसका जमकर विरोध किया था उसके बाद अनादि का टिकट काट दिया गया । माना जा रहा था अनादि अशोक गहलोत के साथ रोड शो में शामिल हो सकती है लेकिन अनादि ने इस रोड़ शो से दूरी बनाई । अनादि सरस्वती ने हैलीपैड़ पर अशोक गहलोत से मुलाकात की। साथ ही लाल ड़ायरी के विवाद के बाद धर्मेंद्र राठौड़ भी रोड शो में नज़र नहीं आए ।

## कार बेच कर ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

बैंक पर 3.61 लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। आयोग ने बैंक को निर्देश दिए हैं कि वह 15 दिन की अवधि में कार का ट्रांसफर उसे बेचे गए व्यक्ति के नाम पर कराए। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीना व सदस्य हेमलता अग्रवाल ने यह आदेश निशांत शर्मा के परिवाद पर दिया।

परिवाद में कहा गया कि कोविड के दौरान 2021 में परिवादी अपनी कार की किश्त नहीं चुका पाया। ऐसे में उसने बैंक से दो महीने का समय मांगते हुए बकाया दो लाख रुपए एकमुश्त देने का निवेदन किया, लेकिन बैंक ने यह नहीं मानते हुए उसकी कार जब्त कर ली और बाद में दो लाख रुपए से भी कम कीमत में सार्वजनिक नीलामी में बेच दी। कार बेचने के बाद नाम ट्रांसफर की जिम्मेदारी बैंक की थी, लेकिन बैंक ने ना तो नए खरीदार के नाम पर ट्रांसफर कराया और ना ही फास्ट टैग को ही हटाया। फास्ट टैग नहीं हटाने के चलते कार के टोल रोड पर जाने पर परिवादी के खाते से ही फास्टैग की रकम कटती रही, इसके अलावा कार का बीमा भी नहीं कराया गया। परिवादी को ही जिम्मेदार माना जाएगा। इस सभी कार्रवाई को परिवादी ने उपभोक्ता आयोग में चुनौती देते हुए उसे नाम ट्रांसफर नहीं कराने और फास्ट टैग नहीं हटाने पर क्षतिपूर्ति राशि दिलवाने और नाम ट्रांसफर करवाए जाने का आग्रह किया। आयोग ने परिवादी के पक्ष में फैसला देते हुए माना कि बैंक ने परिवादी के आग्रह पर भी उसे समय नहीं दिया और कार को जबरन जब्त कर उसे नीलाम कर दिया। वहीं बाद में नए वाहन मालिक के नाम वाहन ट्रांसफर भी नहीं किया। ऐसा करना बैंक का अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस व सेवा दोष है। इसलिए बैंक प्रशासन परिवादी को हर्जाना अदा करे।

## जनता ने तो मन बना लिया, नेताओं...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

मैसेज़ दिया कि "लॉयल्टी" पार्टी के प्रति चाहिये, नेता के प्रति नहीं। और, वसुंधरा राजे के तथाकथित समर्थकों को मिले चालीस -पैंतालीस टिकटों में अधिकांश वे लोग प्रत्याशी बनाये गये जो हर जगह , हर नेता के आते -जाते थे। केवल वसुंधरा राजे से बंधे हुए नहीं थे, और यह भी जरुरी है कि वे लोग हाईकमान के खिलाफ , या किसी नेता के कहने में, बगावत का झंडा उठाने की हिम्मत नहीं कर सकेंगे।

पर, मु.मंत्री पद के संभावित प्रतिद्वंद्वी का "इन्तजाम" करने की आदत नहीं जा रही, और यह जनता के मूड के खिलाफ है। अत: 150-160 सीटों पर जीतने की संभावना पर आघात करती है। पर, अगर जनता अपने अनुसार भारी बहुमत देती है, तो सभी साजिशें अपने आप फेल हो जाती हैं, चाहे ये साजिश किसी व्यक्ति विशेष व उसके समर्थकों ने मिल बैठ कर रची हों।

अब कांग्रेस की बात करें तो, राजस्थान में कैसे मु.मंत्री बना जाता है, इस बार मजबूरन कई धारणाएं टूटेंगी। एक "बेसिक" मान्यता थी कि, मेरी पार्टी के विधायक तो मेरे साथ हैं ही (पार्टी के साथ हैं हीं) पर, पलड़ा उसका भारी होता है, जिसके साथ, निर्दलीय व छोटी पार्टियों के एम.एल.ए खड़े दिखते हैं।

इस सिद्धांत के तहत निर्दलीय व छोटी-छोटी पार्टियों के विधायकों को निर्णायक मानने की प्रथा, शायद, 1951 के प्रथम चुनाव के बाद ही पड़ गयी थी, जबकि, कांग्रेस, हालांकि, स्वतंत्रता संग्राम में अहम् भूमिका निभाने के बाद अपने आप को मु.मंत्री पद का सख्त दावेदार मानती थी। पर, स्थिति एक घोड़े की दौड़ जैसी नहीं थी, जोधपुर महाराज के नेतृत्व में चुनाव लड़ी रामराज्य परिषद के लगभग उतने ही विधायक जीते थे। विधायकों की संख्या की दृष्टि से रामराज्य परिषद के पास केवल एक विधायक कम था, कांग्रेस के मु.मंत्री जय नारायण व्यास भी चुनाव हार गये थे, जोधपुर से।

बहरहाल ब्रिंकमैनशिप" (किनारे पर बैठे रहने की रणनीति) के सिद्धांत पर सरकारें बनाने की यह प्रथा खूब पनपी तथा फली-फूली राजस्थान में, और अशोक गहलोत की वर्तमान सरकार इस सिद्धांत का परिष्कृत, उच्चतम् व नवीनतम उदाहरण है।

यह सिद्धांत केवल चार पांच बार ही टूटा है अब तक, 1977 में आपातकाल के विरुद्ध जनभावना के कारण, 1980 में गैर कांग्रेसी दलों की खिचड़ी सरकार के आपसी झगड़ों के कारण, 1984 में इंदिरा गांधी की उनके अंगरक्षक द्वारा गोली मारकर हत्या करने के बाद, वर्ष 1993 में राम जन्मभूमि -बाबरी मस्जिद विवाद के कारण देश भर में पैदा हुई हिन्दुत्व की भारी लहर के कारण। इन चुनावों में जाति आकड़े, उम्मीदवार का व्यक्तित्व -रुतबा, साधन-सम्पन्नता के कुछ मायने नहीं रहे, केवल एक "सैन्टिमैंट," एक जज़्बा था, जो जनता को छू गया। क्या 2023 का विधानसभा चुनाव भी इसी श्रेणी का चुनाव है?

एक युवा नेता को, सरेआम गालियों से सम्बोधित करके, हतोत्साहित करने का मु.मंत्री का खुल्लम खुल्ला प्रयास सबने देखा, और स्वाभाविक ही है कि, एक युवा उभरते नेता को उसके जायज़ हक से जिस बेदर्दी से साजिश करके वंचित किया गया, वह भारी सरकारी व अर्द्धसरकारी विज्ञापनों के बावजूद जनता के क्षोभ को कम नहीं कर पाया है।

जादूगर का जादू, राजनीतिक कुटिलता, जोड़-तोड़ में माहिर होना शायद मायने नहीं रखेगा। मायने रखेगा, एक युवा पीढ़ी को सभी तरह के जोड़-तोड़ से, सभी सरकारी तंत्र के उपयोग -दुरुपयोग से आगे बढ़ने से रोकना। जादूगर ने जता दिया, उसे राज्य चलाना आता है, चाहे उस राज्य को चलाने का आधार हो, भय, सरकारी अधिकारी में, कर्मचारी में। बहुत बड़ी-बड़ी एजेन्सियों व विद्वान "प्रोफेशनल्स" को "एम्प्लॉय" किया गया, नये-नये मन लुभावन नारे, पोस्टर व होर्डिंग डिज़ाइन करने व शहर को आच्छादित करने के लिए। पर, सारे विज्ञापनों के बावजूद वे जवाब नहीं दे पाये कि, यदि जनता का भला करने की योजनाएं थीं आपकी झोली में तो अपनी सरकार के साढ़े चार साल उन्हें क्यों छुपा कर रखा, और चुनाव के छ: महिने पहले ही क्यों जनता के सामने प्रकट किया।

*भारत ने क्रिकेट वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली है। भारतीय टीम ने लगातार दसवीं जीत दर्ज की, मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में बुधवार को रोमांचक मैच में न्यूजीलैंड को 70 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया ने 2019 विश्व कप के सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से मिली हार का बदला भी ले लिया। भारतीय टीम 12 साल बाद टूर्नामिंट के फाइनल में पहुंची है। भारत का फाइनल मैच 19 नवम्बर को खेला जायेगा। मैच में पहले बैटिंग करते हुये भारत ने न्यूजीलैंड के सामने 398 रन का लक्ष्य रखा। जिसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम ने भी काफी उम्दा प्रदर्शन किया, लेकिन लेकिन अंत में अपने गेंदबाजी के दम पर भारत मैच जीतने में कामयाब रहा। मैच में मोहम्मद शमी ने सात विकेट लिये और उन्हें "मैन ऑफ द मैच" चुना गया। पहले बैटिंग करते हुये सेमीफाइनल मुकाबले में विराट कोहली ने इतिहास रच दिया। उन्होंने वनडे करियर का 50वां शतक लगाया। अब वे वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में विराट ने ग्रेट सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया। सचिन खुद इस मैच को देखने के लिए वानखेड़े में मौजूद थे। सचिन का रिकॉर्ड तोड़ने के बाद विराट कोहली ने भरे स्टेडियम में सचिन की तरफ दोनों हाथ प्रणाम की मुद्रा में आगे बढ़ाकर उनके प्रति सम्मान प्रकट किया।*

## तेलंगाना में भी कांग्रेस नेताओं में ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

चुनाव जीतती है तो सोनिया गांधी उन्हें मुख्यमंत्री बनाएंगी।

स्थानीय एवं राष्ट्रीय मीडिया के विभिन्न संगठनों द्वारा किए गए ओपीनियम पोल्स के अलावा कॉरपोरेट सैक्टर की ओर से किए गए कुछ सर्वे में भी कांग्रेस की जीत का संकेत दिया गया है, जिससे कांग्रेस के पार्टी हल्कों में उत्साह और बढ़ गया है। पार्टी में दूसरी और तीसरी जमात के नेता भी पिछले दस वर्षों से सत्ता मिलने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

नलगौंडा सांसद वैंकट रेड्डी को एक चुनावी मीटिंग में यह कहते सुना गया था कि चुनाव में यदि कांग्रेस विजयी रही तो उन्हें मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। तेलुगु भाषा में कही गई उक्त बात सोशल मीडिया में वायरल हो चुकी है। विश्वास से कही गई उनकी यह बात निश्चित रूप से पार्टी को चिन्तित कर सकती है। खासतौर पर तब, जबकि कांग्रेस में मुख्यमंत्री पद के अन्य भी दावेदार हैं। इनमें सबसे मजबूत दावेदार तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टी.पी.सी.सी.) के अध्यक्ष रेवन्त रेड्डी का है जिन्हें पिछले ढाई वर्ष में, अथक मेहनत कर तेलंगाना में कांग्रेस को पुनर्जीवित करने का श्रेय दिया जाता है। रेवन्त के प्रयासों से ही राज्य के सशक्त रेड्डी समुदाय के नेताओं ने विभिन्न पार्टियों को छोड़कर कांग्रेस में घर वापसी की और कांग्रेस ने उसके बाद ही भारत राष्ट्रीय समिति और मुख्यमंत्री के. चन्द्रशेखर राव को सत्ता से बेदखल करने की योजना पर काम शुरु किया। मुख्यमंत्री पद के अन्य दावेदारों में तेलंगाना के पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष उत्तम रेड्डी और पूर्व नेता प्रतिपक्ष मधुयशि गौड़ शामिल हैं।

कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों के लिए अब तक किसी भी नेता को प्रोजेक्ट नहीं किया है। नेतृत्व ने पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए थे कि वे एक टीम के रूप में चुनावी संघर्ष में जुट जाएं और इसमें रेवन्त रेड्डी ने इस हद तक काम किया कि पार्टी भाजपा को नीचे धकेलकर सत्तारूढ़ पार्टी के समक्ष एकमात्र चुनौती बनकर सामने आ गई।

कांग्रेस की चुनावी तैयारियों को भारत जोड़ो यात्रा ने भी गति प्रदान की। यात्रा जब तेलंगाना से गुजरी तब राहुल गांधी को अपार जनसमर्थन मिला था।

मीडिया रिपोर्ट्स संकेत देती है कि कांग्रेस के पक्ष में भारी जनसमर्थन है, जो सत्तारूढ़ पार्टी को वास्तविक चुनौती पेश कर रहा है। पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस सिर्फ 19 सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी थी और पार्टी के जीते हुए कई विधायक सत्तारूढ़ बी.आर.एस. में शामिल हो गए थे।

तेलंगाना की 119 सदस्यीय विधानसभा के लिए हो रहे चुनावों में बहुमत का जादुई आंकड़ा 60 है।

सत्ता परिवर्तन के लिए जनता के मूड और ओपीनियन पोल्स की गणित के हिसाब से चले तो कोई अप्रत्याशित घटनाक्रम हो जाए तो बात अलग है, लेकिन वैसे तो कांग्रेस आसानी से जीत दर्ज कर रही है।

अब यह देखना शेष है कि सत्तारूढ़ बी.आर.एस., मुख्य चुनौतीकर्ता कांग्रेस व अन्य राष्ट्रीय पार्टी भाजपा के बीच हो रहे इस त्रिकोणीय संघर्ष में कई बागियों और निर्दलीय उम्मीदवारों की उपस्थिति क्या असर डालेगी। उम्मीद है कि भाजपा की उपस्थिति से सत्ता विरोधी वोट बटेंगे जिससे सत्तारूढ़ बी.आर.एस. को मदद मिलेगी और इसीलिए कांग्रेस का यह कहना है कि बी.आर.एस. और भाजपा आपस में मिले हुए हैं तथा वास्तव में एक टीम है। मतदान 30 नवम्बर को होंगे और वोटों की गिनती 3 दिसम्बर को होगी।

## राहुल एक ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

डोटासरा सहित अनेक दिग्गज कांग्रेसी नेता भी होगें।

गौरतलब है कि राहुल गाँधी एक दिन के चुनावी दौरे पर राजस्थान आ रहे है। वे सुबह 10.25 पर विशेष विमान से दिल्ली से रवाना होकर 11.10 बजे सुरतगढ़ पहुंचेंगे। जहां सूरतगढ से वे हैलिकॉप्टर द्वारा 12.00 बजे तारानगर पहुंचेंगे वहा जनसभा करेंगे, उसके बाद दोपहर 1.30 बजे नोहर के लिये रवाना हो जायेंगे। नोहर में 2.00 बजे आमसभा को सम्बोधित कर 3.00 बजे सादुलशहर के लिये रवाना हो जायेंगे। सादुलशहर में 4 बजे आम सभा को सम्बोधित कर 5.15 बजे वापस सूरतगढ लौटेंगे तथा यहां से सांय 6.15 बजे विशेष विमान से दिल्ली के लिये प्रस्थान करेंगे।

## अदालती आदेश ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

अवमानना याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने पीटीआई भर्ती-2022 में आवेदन किया था, जिसमें फीस जमा नहीं होने के चलते उसका आवेदन स्वीकार नहीं हुआ। ऐसे में उसने पूर्व में याचिका दायर की थी। इसके बाद वह अदालती आदेश से परीक्षा में शामिल हुआ और उसके कट ऑफ से अधिक अंक आए। वहीं बाद में उसकी याचिका स्वीकार हो गई और नियुक्ति देने के लिए कहा गया, लेकिन अदालती आदेश के बावजूद भी उसे नियुक्ति नहीं दी गई। अवमानना याचिका में कहा गया कि उसे पीटीआई भर्ती-2022 में नियुक्ति दी जाए और अदालती आदेश की अवमानना करने वाले अफसरों को दंडित किया जाए।

## प्र.मंत्री ने कहा...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

करते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री को बहुत घमंड हो गया है। उनका अभिमान इतना बढ़ गया है कि अब वे जनता को गालियां दे रहे हैं

बघेल ने कहा, "उन्होंने हमारे नेता को गाली दी है। उनको घमंड आ गया है। रावण को भी घमंड था। वे प्रधानमंत्री हैं, कुछ भी कह सकते हैं लेकिन वे जिस तरह दूसरों को गालियां दे रहे हैं उससे केवल उनका घमंड झलकता है।"

डॉ. मनमोहन सिंह की सरकार में केन्द्रीय मंत्री रहते हुए एक कांग्रेस नेता ने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री मोदी अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर यह कहते नहीं थकते कि हमारा देश "लोकतंत्र की जननी" है और दूसरी ओर वे इतने नीचे गिर जाते हैं कि विपक्ष के एक नेता को गालियां देने लगते हैं।लेकिन असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि बघेल जिस जनता की बात कर रहे हैं वह किसी और ग्रह में रहती होगी, भारत में नहीं।

सरमा ने मंगलवार को कहा, "एक बार एक व्यक्ति ने कहा था, इंदिरा इज़ इंडिया एंड इंडिया इज़ इंदिरा। यदि भूपेश बघेल सोचते हैं कि राहुल गांधी जनता है तो यह भारत की जनता नहीं, किसी और ग्रह की जनता है। भारत की जनता राहुल को अपने में से एक नहीं समझती।

## 'हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती दखलअंजदाजी से भारत आगाह हो जाये'

- **भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि, हाल के समय में चीन की नौसेना द्वारा भारतीय मछुआरों को धमकाने की स्थिति ने चिंता को और बढ़ा दिया है।**

नई दिल्ली, 15 नवम्बर। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय ताकतों की बढ़ती उपस्थिति को लेकर आगाह किया है। साथ ही उन्होंने इसे लेकर अंतरराष्ट्रीय कानूनों की अलग-अलग व्याख्याओं पर चिंता जताई। सीएनएस ने कहा कि डर इस बात का है कि ऐसे स्थिति में क्षेत्र के ग्लोबल कॉमन्स कंटेस्टेड सीज में बदल जाएंगे। उन्होंने कहा कि चीनी सेना की ओर से मछुआरों को धमकाने से दक्षिण चीन सागर में स्थापित आचार संहिता का उल्लंघन बढ़ा है। यह स्थिति साफ तौर पर समुद्र के अनुशासन के लिए खतरा पैदा करती है।

हरि कुमार ने कहा, दक्षिण चीन सागर में नाजुक सुरक्षा स्थिति है जहां चीनी मिलिशिया या उसकी नौसेना की ओर से मछुआरों सहित छोटी नौ सेनाओं को धमकाने की घटनाएं बढ़ी हैं। इसके अलावा आपसी सहमति से बने कोड के उल्लंघन के मामले तकरीबन हर हफ्ते आ रहे हैं। इस तरह की चीजें समुद्र में अच्छी व्यवस्था और अनुशासन के लिए खतरा पैदा करती हैं। उन्होंने कहा कि अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती रोधी गश्त समेत दूसरे मिशनों के लिए अतिरिक्त-क्षेत्रीय बलों के 50 से अधिक युद्धपोत हिंद महासागर क्षेत्र में तैनात हैं।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908